गुरुवार, 13 मार्च 2025

मौसम

तापमान	37 – 24
आर्द्रता	66%
सूर्योदयः 5:48	सूर्यास्तः 17:45

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, फाल्गुन शुक्लपक्ष चतुर्दशी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : खुशी आपके नजरिये पर निर्भर करती है आपके पास क्या है उस पर नहीं।

रोहित आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचे, गिल शीर्ष पर बरकरार -पृष्ठ 8

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

ट्रेनों में व्यंजन सूची, भोजन का मूल्य प्रदर्शित करना अनिवार्य : रेल मंत्री (पृष्ठ 7)

धनधान्य आडिटोरियम मे होली मिलन उत्सव में डांडिया खेलती मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

भाजपा नकली हिंदू धर्म का कर रही आयात : ममता

- ममता ने मुस्लिम विधायकों पर शुभेंदु की टिप्पणी की विधानसभा में निंदा की
- भाजपा पर बंगाल में फर्जी हिंदुत्व लाने का आरोप लगाया

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की उस टिप्पणी की बुधवार को कड़ी निंदा की जिसमें भाजपा नेता ने एक दिन पहले कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो तृणमूल कांग्रेस के मुस्लिम विधायकों को राज्य विधानसभा से बाहर कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर राज्य में नकली हिंदू धर्म आयात करने (फर्जी हिंदुत्व लाने) का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा लोगों के अधिकारों का हनन कर रही है। विधानसभा में इस मुद्दे पर बोलते हुए ममता ने कहा, आपके आयातित हिंदू धर्म को हमारे प्राचीन वेदों या हमारे संतों का समर्थन नहीं है। आप नागरिक के तौर पर मुस्लिमों के अधिकार को कैसे नकार सकते हैं? यह फर्जीवाड़ा नहीं तो और क्या है? आप फर्जी हिंदुत्व लेकर आए हैं। ममता ने अल्पसंख्यकों के साथ भाजपा के बर्ताव को लेकर भी चिंता जाहिर की। सदन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मुझे हिंदू धर्म की रक्षा करने का अधिकार है लेकिन यह आपके तरीके से नहीं होगा। कृपया हिंदू कार्ड नहीं खेलें। ममता की यह टिप्पणी शुभेंदु के इस बयान के जवाब में थी कि तृणमूल कांग्रेस को हिंदू आबादी सत्ता से बाहर कर देगी। उन्होंने बंगाल सरकार पर हिंदू विरोधी होने का आरोप लगाया था। इस टिप्पणी को मुख्यमंत्री ने भेदभावपूर्ण कहा।

'मैं हिंदू हूं...मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं'

ममता ने भाजपा पर आर्थिक और व्यापार के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए रमजान के पवित्र महीने के दौरान मुसलमानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि मैं हिंदू हूं। भाजपा से मुझे प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है। आप मुस्लिम विधायकों को बाहर निकालने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? वे (भाजपा) मुसलमानों को निशाना बना रहे हैं, क्योंकि यह रमजान का महीना है। एकता के महत्व पर जोर देते हुए ममता ने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष, बहुलवादी राष्ट्र है। हर किसी को अपने अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। बहुसंख्यकों का कर्तव्य अल्पसंख्यकों की रक्षा करना है। हमें अपने देश की संप्रभुता और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा करनी चाहिए।

'मैं सभी धर्मों से प्यार करती हूं'

अपने संबोधन में ममता ने जोर देकर कहा कि तृणमूल कांग्रेस सभी धर्मों का सम्मान करती है और शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा, मैं सभी धर्मों से प्यार करती हूं और हम किसी भी राजनीतिक दल द्वारा किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने के प्रयासों की निंदा करते हैं। ममता ने कहा, चाहे वह व्यक्ति हिंदू हो, सिख हो, बौद्ध हो, मुस्लिम हो, ईसाई हो या पारसी हो, सभी को अपने अपने धर्मों का पालन करने का अधिकार है।

पार्टी नेताओं को अनुचित टिप्पणियां नहीं करने की सलाह

मुख्यमंत्री ने अपनी पार्टी के नेताओं की आलोचना करने के लिए भाजपा पर भी पलटवार किया। भाजपा विधायक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अगर मैं आपके नेताओं के बयानों पर टिप्पणी नहीं कर सकती, तो आप सदन के बाहर हमारे नेताओं की टिप्पणियों पर कैसे टिप्पणी कर सकते हैं? हमें अपनी मान्यताओं का बचाव करने का अधिकार है। ममता ने यह भी स्पष्ट किया कि तृणमूल कांग्रेस ने मंत्री फिरहाद हकीम, विधायक हुमायूं कबीर और मदन मित्रा सहित पार्टी के कुछ अन्य सदस्यों को ऐसी टिप्पणियां नहीं करने की सलाह दी है, जिन्हें अनुचित माना जा सकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह हमारी पार्टी का आंतरिक मामला है।

मुख्यमंत्री ममता को लंदन दौरे की मिली अनुमति, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में भाषण एवं उद्योगपतियों के साथ करेंगी बैठक

मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना होंगी। वहां ममता बनर्जी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों को संबोधित करेंगी। खबर है कि केंद्र सरकार ने ममता को लंदन स्थित ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में लेक्चर देने के लिए आधिकारिक अनुमति दे दी है। राज्य प्रशासन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने पश्चिम बंगाल में अपने कार्यकाल के दौरान किये गये सामाजिक कल्याण परियोजनाओं के सिलसिले में आमंत्रित किया है। वह ऑक्सफोर्ड में 27 मार्च को लेक्चर देंगी। राज्य सरकार से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि ममता बनर्जी ने न्योता स्वीकार कर लिया है। वह ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में सामाजिक कल्याण योजनाओं पर भाषण दे सकती है। खबर है कि वह लंदन में एक बिजनेस कॉन्क्लेव भी आयोजित करेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 21 मार्च को कोलकाता से विमान के जरिए दुबई पहुंचेंगी। वहां से लंदन के लिए रवाना होंगी। ऑक्सफोर्ड में लेक्चर देने के अलावा मुख्यमंत्री ममता के लंदन में अन्य कार्यक्रमों में भी शामिल होंगी। हैं। वहां कुछ दिग्गज उद्योगपतियों के साथ बैठक करेंगी। इससे पहले ममता दुबई में भी उद्योगपतियों के साथ मुलाकात करेंगी।

व्यवसायी की गिरीश पार्क में हत्या कर शव को ट्रॉली बैग में ठिकाने लगाने की कोशिश

- घोला इलाके से दो आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता : कोलकाता के घोला इलाके में एक दिल दहला देने वाली हत्या का खुलासा हुआ है। राजस्थान के रहने वाले एक व्यापारी भागाराम देवासी की गला रेतकर हत्या कर दी गई और शव को ट्रॉली बैग में भरकर ठिकाने लगाने की कोशिश की गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों, कृष्णपाल सिंह और करण सिंह को गिरफ्तार किया है।

आठ लाख रुपये के विवाद में रची गई हत्या की साजिश

पुलिस जांच में सामने आया है कि भागाराम और दोनों आरोपी कृष्णपाल सिंह व करण सिंह राजस्थान के ही रहने वाले थे और कोलकाता के गिरीश पार्क इलाके में किराए पर रहते थे। भागाराम चूड़ीदार कपड़ों का व्यवसाय करता था और आरोपियों से कपड़े खरीदता था। बताया जा रहा है कि भागाराम पर आरोपियों का आठ लाख रुपये का कर्ज था, जिसे वह काफी समय से लौटाने में आनाकानी कर रहा था। इसी पैसों के विवाद में कृष्णपाल और करण ने उसकी हत्या की योजना बना ली।

कॉफी में जहर, फिर गला घोंटकर हत्या

मंगलवार को दोनों आरोपी गिरीश पार्क इलाके में भागाराम के पास पहुंचे और उसे जहर मिली कॉफी पीने को दी। जैसे ही वह बेहोश हुआ, पहले उसका गला घोंटा गया और फिर धारदार हथियार से उसकी गर्दन काटकर मौत सुनिश्चित की गई। हत्या के बाद आरोपी सामान्य व्यवहार करते रहे ताकि किसी को शक न हो।

शव ठिकाने लगाने में नाकाम, ड्राइवर की सतर्कता से पुलिस तक पहुंची बात

हत्या के बाद आरोपियों ने शव को नीले रंग के ट्रॉली बैग में भरा और इसे ठिकाने लगाने की योजना बनाई। दोनों ने पहले दमदम नागेरबाजार से एक टैक्सी किराए पर ली और चालक से सोदपुर मुरगाछा होते हुए महिषपोता ले जाने को कहा। जब कैब चालक को उन पर संदेह हुआ और उसने सवाल किए, तो आरोपियों से उसकी बहस शुरू हो गई।

इसी दौरान घोला थाने की गश्ती पुलिस मौके पर पहुंच गई, जिससे कृष्णपाल भागने में सफल रहा, लेकिन करण को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। जब पुलिस ने कार की तलाशी ली, तो डिक्की में रखा ट्रॉली बैग बरामद हुआ, जिसे खोलने पर भागाराम का शव मिला।

मोबाइल ट्रैकिंग से दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

करण सिंह से पूछताछ के बाद पुलिस ने कृष्णपाल सिंह की लोकेशन ट्रैक की और उसे मुक्ताराम बाबू स्ट्रीट से गिरफ्तार कर लिया। ट्रॉली बैग में 65,000 रुपये नकद और खून से सना हथियार भी बरामद हुआ।

कोलकाता में बढ़ते ट्रॉली बैग हत्याकांड से बढ़ी पुलिस की चिंता

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही उत्तर कोलकाता में दो महिलाओं को ट्रॉली बैग में शव ले जाते हुए पकड़ा गया था। ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या ने कोलकाता पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल, पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि हत्या की असली वजह सिर्फ पैसों का विवाद था या इसके पीछे कोई और गहरी साजिश छिपी है।

हरियाणा नगर निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत

10 में से नौं महापौर पदों पर कब्जा जमाया

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के छह महीने से भी कम समय बाद सत्तारूढ़ भाजपा ने बुधवार को राज्य में नगर निकाय चुनावों में प्रचंड विजय प्राप्त करते हुए 10 में से नौ महापौर पदों पर कब्जा जमा लिया। निवर्तमान नगर निगम में सात में भाजपा के महापौर हैं। वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में हार का सामना करने के बाद वापसी की उम्मीद कर रही कांग्रेस अपना खाता भी नहीं खोल सकी। कांग्रेस को सोनीपत और रोहतक में भी हार का सामना करना पड़ा। सोनीपत में कांग्रेस के महापौर थे, जबकि रोहतक को पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ माना जाता है। निर्दलीय उम्मीदवार इंद्रजीत यादव एक महापौर सीट जीतने वाली एकमात्र गैर-भाजपा उम्मीदवार हैं। वह मानेसर से चुनी गईं, जहां पहली बार नगर निकाय चुनाव हुआ। महापौर पद पर जीतने वाले दस उम्मीदवारों में से सात महिलाएं हैं, जिनमें से छह सत्तारूढ़ भाजपा से हैं। नतीजों के बाद भाजपा खेमे में जश्न का माहौल है और चंडीगढ़ तथा अन्य जिलों में पार्टी नेताओं ने मिठाइयां बांटीं। होली से पहले आए नतीजे की खुशियां मनाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह जीत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के विकास कार्यों में लोगों के अटूट विश्वास की अभिव्यक्ति है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं राज्य के लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम उनकी उम्मीदों और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।''

पाकिस्तान में ट्रेन पर हमला: 190 यात्रियों को बचाया गया, कुछ बंधक मारे गये

कराची/इस्लाबामाद : पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने अपहृत की गई रेलगाड़ी के 190 यात्रियों को बचाते हुए 30 उग्रवादियों को मार गिराया। सुरक्षा अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि कुछ बंधकों की भी मौत हुई है। बलूच उग्रवादियों ने मंगलवार को एक सुरंग में हमला कर इस रेलगाड़ी पर कब्जा कर लिया था। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों एवं उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि नौ डिब्बों में लगभग 400 यात्रियों को लेकर जाफर एक्सप्रेस ट्रेन क्वेटा से खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर जा रही थी तभी उग्रवादियों ने विस्फोटकों का इस्तेमाल कर ट्रेन को बेपटरी कर दिया और उस पर कब्जा कर लिया। 'बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी' (बीएलए) ने मंगलवार को इस हमले की जिम्मेदारी ली।

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर दोहरी राहत, औद्योगिक उत्पाद पांच प्रतिशत बढ़ा, महंगाई चार प्रतिशत के नीचे

नयी दिल्ली : देश की अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर बुधवार को दोहरी राहत मिली। एक तरफ खाने के सामान के दाम में नरमी से खुदरा महंगाई फरवरी में भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर चार प्रतिशत से नीचे 3.61 प्रतिशत पर आ गयी। वहीं दूसरी तरफ, विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक जनवरी में बढ़कर पांच प्रतिशत पर पहुंच गयी। मुद्रास्फीति में तेज गिरावट से इस बात की संभावना बढ़ी है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नौ अप्रैल को द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर में एक और कटौती कर सकता है। अगर आरबीआई अगले महीने प्रमुख ब्याज दर में कटौती करता है, तो यह दो महीने के भीतर दूसरी ब्याज दर कटौती होगी। पृष्ठ 8

प्रधानमंत्री मोदी को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया

पोर्ट लुईस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बुधवार को मॉरीशस के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रांड कमांडर ऑफ ऑर्डर ऑफ स्टार एंड की ऑफ इंडियन ओशन' से सम्मानित किया गया जिसे उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री, मॉरीशस की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में वहां के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखुल ने मोदी को यह सम्मान प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय नेता हैं जो भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को मान्यता देता है। मोदी ने कहा, ''मॉरीशस के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह केवल मेरा सम्मान नहीं है। यह 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है। यह भारत और मॉरीशस के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा कि अपनी कड़ी मेहनत से इन लोगों ने मॉरीशस के विकास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा और इसकी जीवंत विविधता में योगदान दिया।

भारत, मॉरीशस ने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, मोदी ने 'महासागर' दृष्टिकोण की घोषणा की

मॉरीशस के नए संसद भवन को बनाने में मदद करेगा भारत

भारत और मॉरीशस ने बुधवार को अपने संबंधों का विस्तार करते हुए इन्हें 'विस्तारित रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक पहुंचाया और समुद्री सुरक्षा एवं स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ग्लोबल साउथ' के विकास के लिए एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा की। मॉरीशस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दूसरे और अंतिम दिन मोदी ने द्वीपीय राष्ट्र के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित इस देश के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की।

अब पूर्वी भारत में टोटल जॉइंट रिप्लेसमेंट के लिए ऑटोमेटिक रोबोटिक सर्जरी

पूर्वी भारत में संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी के अग्र-दूत, डॉ. संतोष कुमार, बताते हैं कि एआई-सशक्त सक्रिय स्वचालित रोबोट सीयूवीआईएस सर्जनों के लिए आंखों की एक अतिरिक्त जोड़ी के रूप में कार्य करता है और सर्जरी में अधिक सटीकता प्रदान करता है और बुजुर्ग और बड़े जोखिम वाले रोगियों के लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है।

Dr. Santosh Kumar
Orthopaedic and Joint Replacement Surgeon

अब तक, विभिन्न आर्थोपेडिक सर्जरी में निष्क्रिय और अर्ध-सक्रिय रोबोटों का उपयोग किया गया है। अब, प्रौद्योगिकी की उन्नति ने मनुष्य की भलाई के लिए चिकित्सा विज्ञान के साथ एक गांठ बांध ली है। इसे ध्यान में रखते हुए कोलकाता के अग्रणी ऑर्थोपेडिक सर्जन और पूर्वी भारत में प्रमुख ज्वाएंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ संतोष कुमार ने अब पूर्वी भारत में ज्वाएंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए अल-पावर्ड सक्रिय स्वचालित रोबोट पेश किया है। सीयूवीआईएस जैसे सक्रिय रोबोटों में एक सक्रिय स्वचालित रोबोटिक भुजा होती है जो पूर्व-योजना, अनुकरण, आकार और अभिविन्यास के साथ-साथ पूर्व-संचालन निर्धारण की अनुमति देती है और अंत में शून्य त्रुटि के साथ योजना के अनुसार हड्डी को तैयार करने का काम करती है। सर्जरी के सभी चरण स्वचालित रूप से ही होते रहते हैं और सर्जन रोबोट को हाथ से पकड़े हुए रिमोट से नियंत्रित करता है।

हालांकि पूरी प्रक्रिया इस सक्रिय स्वचालित रोबोट द्वारा की जाएगी लेकिन पूरी प्रक्रिया को डॉ. संतोष कुमार के नेतृत्व में कुशल आर्थोपेडिक सर्जनों की टीम द्वारा नियंत्रित किया जाएगा।

ADVANTAGES

- इंसान की आंखें एक मिली मीटर से करीब दो बिंदुओं में अंतर नहीं कर सकती हैं, लेकिन रोबोट एक मिलीमीटर के दसवें हिस्से तक माप का सटिक आंकलन कर सकता है। इसलिए, एक सर्जन अत्यंत सबमिली मीटर सटीकता के साथ सटीक प्रदर्शन कर सकता है।
- सर्जरी में सीयूवीआईएस का उपयोग करने की एक और खासियत अनुकूलित सरेखण भी है। यह सक्रिय रोबोट घुटने के प्रतिस्थापन में अति-उच्च परिशुद्धता के साथ हासिल किया जाता है। यह चलने की स्थिरता को पुनर्स्थापित करता है। इस प्रकार, यह एक सुरक्षित तकनीक है।
- 0% मानव त्रुटि होने की संभावना।
- सीयूवीआईएस अपने न्यूनतम इनवेसिव दृष्टिकोण, चिकनी हड्डी के कारण पोस्ट-ऑपरेटिव रिकवरी को भी तेज करता है। कटौती, प्रत्यारोपण की अनुकूलित नियुक्ति, कम खून का बहना और कम दर्द, रिकवरी में तेजी लाती है।

प्रत्यारोपण में इसकी लंबी उम्र है।

Institute of Robotic Joint Replacement Surgery (Belle Vue Clinic)

Dr Santosh Kumar is available for Consultation at Belle Vue Clinic, Loudon Street, Kolkata 17 (daily) and the office of Hip and Knee Foundation at Plot number 332, Lake Town block A, Kolkata-700 089

More information call us 9831911584/9831266632

Visit our website www.mykneemylife.org

हिंसक तत्वों के खिलाफ हो सख्त कार्रवाई

अलगाववादियों के एजेंडे को लेकर पश्चिमी देशों की सरकारों के प्रश्रय से मुखर हुए कुछ अराजक तत्वों द्वारा अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। वहां आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई। इससे पहले भी आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले होते रहे हैं। जाहिर है ऐसे आपराधिक तत्वों की मंशा आतंक फैलाना ही है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की निंदा की है, लेकिन अमेरिकी सरकार द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। दरअसल, पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विष वमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं। भारतीय संस्कृति के अंग-संग रहने वाले समाज को विभाजित करके घृणा का कारोबार करने वाले तत्वों को बेनकाब करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाता है। सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल,ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। आखिर मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती। बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही।

विडंबना यह है कि अमेरिका,ब्रिटेन व कनाडा की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं। लेकिन जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं। निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास ही आएगी। ऐसे ही अलगाववादियों के कृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। पिछले साल हिंदू महासभा के मंदिर परिसर में मंदिर प्रशासन व भारतीय उच्चायोग द्वारा लगाए गए वीजा शिविर को निशाना बनाया गया था। अभी हाल ही में ब्रिटेन में विदेश मंत्री जयशंकर के काफिले को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाया था। इससे पहले दो वर्ष पूर्व भी पृथकतावादियों ने भारतीय उच्चायोग परिसर में घुसकर तिरंगा निकाल दिया था। तब भी भारत सरकार ने ब्रिटेन की सरकार से कड़ा प्रतिवाद किया था। लेकिन हाल ही में विदेशमंत्री के काफिले को निशाना बनाया जाना बताता है कि ब्रिटिश सरकार की उदासीनता से अलगाववादियों के हौसले बुलंद ही हुए हैं। यहां सवाल ब्रिटिश सरकार पर भी उठता है कि वह विदेशी राजनयिकों को सुरक्षा देने में नाकाम है। इसके अलावा भारत सरकार लगातार अलगाववादियों पर अंकुश लगाने को कहती रहती है। हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है। यह भी सवाल उठना स्वाभाविक है कि विदेश मंत्री के सामने नारेबाजी कर रहे ऐसे तत्व सुरक्षा घेरे को तोड़कर कैसे विदेशमंत्री की कार के करीब तक पहुंच गए। घटना से स्पष्ट है कि उच्च स्तर पर सुरक्षा में चूक का मामला है। जिसके लिए लंदन पुलिस की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 13 मार्च, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, फाल्गुन शुक्लपक्ष चतुर्दशी, 10:38 तक, नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 30:15 तक, योग : धृति, 13:01 तक, सूर्योदय: 5:48, सूर्यास्त: 17:45, चन्द्रोदय : 17:02, चन्द्रास्त: 05:11, शक सम्वत: 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : कुम्भ, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 13:14 से 14:43

राशिफल

मेष : मेष राशि के लोगों के लिए दिन परेशानियों और समस्याओं वाला हो सकता है। आपको किसी काम को पूरा करने में काफी कठिनाई आ सकती है। काफी मेहनत करनी पड़ सकती है।

वृष : वृषभ राशि के लोगों के लिए लाभ का दिन है। आपको राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिल सकती है और कारोबार के मामले में लाभ होगा। सरकार से मदद मिल सकती है।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों को लाभ होगा और धन के मामले में लाभ के योग बने हैं। किसी कीमती चीज के खोने या चोरी होने का डर रहेगा। सावधानी के साथ हर काम करें।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए धन लाभ के योग हैं। नौकरी में तरक्की होगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। बच्चों की जिम्मेदारी पूरी हो सकती है। यात्रा सुखद और फायदेमंद रहेगी।

सिंह : सिंह राशि के लोगों का भाग्य साथ देगा और आपके लिए आय के नए रास्ते खुलेंगे। मीठा बोलने से सम्मान बढ़ेगा और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

कन्या : कन्या राशि वालों को नौकरी और व्यापार में बड़ी सफलता मिलेगी। बच्चों से भी खुशी मिलेगी। दोपहर बाद किसी कानूनी मामले में जीत मिलेगी। शुभ खर्च होगा और यश बढ़ेगा।

तुला : तुला राशि वालों को आर्थिक लाभ होगा और आपके घर में काफी खुशी का माहौल रहेगा। पैसे से जुड़ी कोई बड़ी समस्या हल हो सकती है। काफी पैसा हाथ में आ सकता है।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन काफी समस्याओं वाला रहेगा। आपको अपनी सेहत को लेकर काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है। किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए।

धनु : धनु राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और दुश्मन भी आपकी तारीफ करेंगे। सरकार से फायदा होगा। ससुराल पक्ष से धन लाभ हो सकता है।

मकर : मकर राशि वालों को पारिवारिक और आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। नौकरी में नए प्रयास सफल होंगे। कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। शाम को किसी झगड़े में न पड़ें।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों के दिन मिलाजुला रहेगा और कुछ मामलों में लाभ तो कुछ में हानि का सामना करना पड़ सकता है। बिना वजह विवाद और दुश्मनी हो सकती है।

मीन : मीन राशि वालों का दिन मिश्रित प्रभाव वाला रहेगा। आपके घर में पति-पत्नी के बीच के मतभेद दूर होंगे। बहनोई और साले से लेन-देन न करें, वरना रिश्ते खराब हो सकते हैं।

पिछली सरकारों के शासन में भू-माफिया ने प्रयागराज के पौराणिक स्थलों पर किये अवैध कब्जे : आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को आरोप लगाया कि पिछली सरकारों के शासन में भू-माफिया ने प्रयागराज के पौराणिक स्थलों पर अवैध कब्जे कर लिए थे जिससे उनकी गरिमा को गहरी चोट पहुंची। मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का समर्थन करने वाले प्रकाशनों 'पांचजन्य' और 'आर्गनाइजर' के 'मंथन: कुंभ और उसके आगे' विचार संगम कार्यक्रम में कहा कि पिछली सरकारों के शासन में भू-माफिया ने प्रयागराज के अक्षय वट, माता सरस्वती कूप, पातालपुरी, श्रृंगवेरपुर, द्वादश माधव और भगवान बेनी माधव जैसे पौराणिक स्थलों पर अवैध कब्जे कर लिए थे, जिससे उनकी गरिमा को गहरी चोट पहुंची। उन्होंने दावा किया कि महाकुंभ के दौरान इन स्थलों को माफिया से मुक्त कराने पर उनके कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त हुआ जिससे श्रद्धालु अब साल भर दर्शन कर सकते हैं। आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि महाकुम्भ के आयोजन ने दुनिया को भारत के सामर्थ्य और सनातन धर्म के वास्तविक स्वरूप को दिखाया तथा उत्तर प्रदेश की नकारात्मक छवि को भी बदला। उन्होंने कहा, ''महर्षि भारद्वाज की नगरी प्रयागराज, जो दुनिया के पहले गुरुकुल की भूमि है वह पिछली सरकारों के दौर में माफियाओं के हवाले थी। अक्षय वट को गुलामी के काल में कैद कर नष्ट करने की कोशिश की गई, जिससे 500 वर्षों तक श्रद्धालु दर्शन से वंचित रहे। माता सरस्वती कूप और पातालपुरी जैसे स्थल उपेक्षित रहे, जबकि श्रृंगवेरपुर-भगवान राम और निषादराज के मैत्री स्थल पर लैंड जिहाद के जरिए कब्जा कर लिया गया।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वादश माधव और नागवसुकी जैसे पवित्र स्थल भी अवैध कब्जों की चपेट में थे। उन्होंने दावा किया कि महाकुंभ के दौरान वहां नए कॉरिडोर बनाकर इन स्थलों को मुक्त कराया गया। उन्होंने कहा, '' महाकुंभ ने सनातन धर्म के सच्चे और व्यापक स्वरूप को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया।

त्रिवेणी संगम में हर जाति, पंथ और क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने एक साथ डुबकी लगाई, जो 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाता है। ''

सिर्फ़ मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ही औरंगजेब को अपना आदर्श मान सकता है

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विपक्षी दलों तथा मुगल शासक औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले ''लोगों'' की आलोचना की एवं उनकी मानसिक स्थिति और इरादों पर सवाल उठाया। यहां एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि केवल मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ही औरंगजेब को आदर्श व्यक्ति मान सकता है। आदित्यनाथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े साप्ताहिक 'ऑर्गनाइजर' द्वारा आयोजित 'मंथन: कुंभ और उससे आगे' विषयक कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आज़मी की औरंगजेब पर टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच आई है। आजमी को 26 मार्च तक महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित कर दिया गया है और कथित तौर पर जनता की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए उनके खिलाफ कई प्राथमिकियां दर्ज की गईं।

संभल का उल्लेख इस्लाम से भी पहले के ग्रंथों में है, मंदिर को 1526 में नष्ट कर दिया गया था

संभल के मस्जिद विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने शास्त्रों में है और यह इस्लाम से पहले का है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर धर्म और पूजा पद्धति में कुछ अच्छे गुण होते हैं लेकिन किसी की आस्था को जबरन जब्त करना और उनकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है -''खासकर जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं।'' आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि संभल में श्री हरि विष्णु मंदिर को 1526 में नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा, संभल का उल्लेख 5,000 साल पुराने ग्रंथों में है। उनमें भगवान विष्णु के भावी अवतार का उल्लेख है। दूसरी ओर, इस्लाम का उदय केवल 1,400 साल पहले हुआ। मैं ऐसी चीज़ की बात कर रहा हूं जो इस्लाम से कम से कम 2,000 साल पुरानी है।

विधवा महिलाओं ने ऐतिहासिक गोपीनाथ मंदिर में खेली होली

मथुरा (उप्र) : वृंदावन में हर साल की तरह इस बार भी विधवा महिलाओं ने सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए बुधवार को ऐतिहासिक गोपीनाथ मंदिर में होली मनाई। खुशी और सशक्तीकरण के जीवंत प्रदर्शन में सैकड़ों विधवाओं ने रंग उड़ाए, कृष्ण भजनों पर नृत्य किया और फूलों की पंखुड़ियों एवं गुलाल की बारिश के साथ होली का त्योहार मनाया। सुलभ इंटरनेशनल के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के बारे में संस्था की वरिष्ठ अधिकारी विनीता वर्मा ने बताया कि करीब एक दशक पहले तक इन महिलाओं के लिए इस तरह के उत्सवों से खुद को जोड़ पाने के बारे में सोचना भी प्रतिबंधित था। वर्मा के अनुसार अछूत करार देते हुए विधवाओं को उनके परिवारों द्वारा त्याग दिया जाता था। उन्हें अशुभ माना जाता था। सामाजिक और धार्मिक उत्सवों में भाग लेने से रोक दिया जाता था। वर्मा ने बताया, ''लेकिन आज, मनचाहे रंग की साड़ी पहने वे सब करीब 500 बरस पुराने मंदिर में बड़ी संख्या में एकत्रित हुईं और मिलजुलकर होली का पर्व मनाया। खुद भी अपने हिस्से की खुशियां समेटीं और अन्य को भी समाज का एक अभिन्न अंग होने का एहसास दिलाते हुए उनमें भी खुशियां बांटीं। ''

झारखंड: मंत्रिमंडल ने संयुक्त भर्ती नियमों को दी मंजूरी, शारीरिक परीक्षण के मापदंडों में ढिलाई

रांची : झारखंड मंत्रिमंडल ने बुधवार को संयुक्त भर्ती नियम 2025 को मंजूरी दे दी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस नियम के तहत पुलिस, आबकारी कांस्टेबल, वार्डन और होमगार्ड जैसी विभिन्न भर्तियों में आवश्यक शारीरिक क्षमता परीक्षण के मापदंडों में ढील दी गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह मंजूरी दी गई। नए नियमों के अनुसार, पुरुष अभ्यर्थियों को अब शारीरिक दक्षता परीक्षण के लिए 60 मिनट में 10 किलोमीटर दौड़ने के मौजूदा योग्यता मानदंड के बजाय छह मिनट में 1,600 मीटर दौड़ना होगा। मंत्रिमंडल सचिव वंदना दादेल ने कहा, राज्य में पहली बार इस तरह के नियम बनाए गए हैं, जिसमें शारीरिक क्षमता परीक्षण में संशोधन किया गया है। हेमंत सोरेन सरकार ने पिछले वर्ष अगस्त-सितंबर में आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान के दौरान 15 अभ्यर्थियों की मौत के बाद शारीरिक परीक्षण के मापदंडों में ढील देने का संकेत दिया था।

उप्र सरकार ने प्रयागराज भगदड़ में मारे गए व्यक्तियों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिया

बेलगावी (कर्नाटक) : उत्तर प्रदेश सरकार ने 28 जनवरी को देर रात प्रयागराज में महाकुंभ मेले में मची भगदड़ में मारे गए बेलगावी के चार लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा जारी किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बेलगावी के उपायुक्त मोहम्मद रोशन ने पत्रकारों को बताया कि प्रयागराज के जिला आयुक्त रवि मंजर के साथ चर्चा के बाद, मुआवजे की राशि सीधे मृतकों के परिवारों - ज्योति हट्टरवाड़, मेघा हट्टरवाड़, महादेवी बावनूर और अरुण कोपार्डे के खातों में जमा कर दी गई। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया गांव के लेखाकार के माध्यम से करायी गई।

नीतीश भांग पीकर आते हैं विधानपरिषद में:राबड़ी देवी

पटना : बिहार विधानपरिषद में बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रतिपक्ष की नेता राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। नोकझोंक के बाद अन्य विपक्षी सदस्यों के साथ सदन के मुख्य द्वार पर धरना देने पहुंचीं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार 'भंगेड़ी' हैं और भांग पीकर सदन में आते हैं। राबड़ी के धरने के समय वहां मौजूद उनके बेटे एवं विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा, ''मुझे नीतीश जी पर तरस और दया आती है कि वह इस पडाव पर पहुंच गए हैं कि हम लोगों को उनके लिए कामना करना पड़ रहा है कि भगवान उनके स्वास्थ्य को ठीक रखें।'' पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश पर अपना प्रहार जारी रखते हुए कहा,'' बार-बार सदन में इस तरह की बोली और हरकतें यह दर्शाती हैं कि उनकी स्थिति सामान्य नहीं है।

मुझे लगता है कि नीतीश कुमार जी को स्वयं इस्तीफा दे देना चाहिए ।'' राजद नेता ने कुमार पर हमला जारी रखते हुए कहा, ''वह इतने डरपोक मुख्यमंत्री हैं कि जब सरकार बदलती है तो सबसे पहले वह स्वयं इस्तीफा देते हैं, किसी को हटाते नहीं है।'' बिहार विधानपरिषद में यह समस्या तब शुरू हुई जब राजद की सहयोगी भाकपा (माले) की सदस्य शशि यादव सदन के समक्ष यह कहने के लिए अपनी कुर्सी से खड़ी हुईं कि वह अपने प्रश्न का सरकार द्वारा दिये गए उत्तर से संतुष्ट नहीं हैं।

बिहार में पक्के मकान नहीं बनाने पर प्रधानमंत्री आवास योजना के 1.50 लाख लाभार्थियों को नोटिस जारी

पटना : बिहार सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के 1.50 लाख से अधिक लाभार्थियों को उनके निजी बैंक खातों में आवश्यक राशि जमा होने के बाद भी पक्के मकान न बनाने या पूरा न करने के लिए नोटिस जारी किया है। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि विभाग ने उन 19,495 बकाएदारों के खिलाफ 'सर्टिफिकेट केस' भी दर्ज किया है, जिन्होंने कई महीने पहले सरकार द्वारा कुल राशि (सभी किस्तों) को मंजूरी दिए जाने के बावजूद योजना के तहत मकान नहीं बनाए हैं। कुमार ने कहा, कुल 82,441 लाभार्थियों को 'व्हाइट' नोटिस दिया गया, जो विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए पक्के मकान बनाने हेतु एक चेतावनी है। इसके अलावा 67,733 लाभार्थियों को 'रेड' नोटिस दिया गया है, जिसका अर्थ है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद निर्माण पूरा न करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा, रेड' नोटिस के बाद भी अगर लोग नहीं बाज आते हैं तो उनके खिलाफ 'सर्टिफिकेट केस' दायर किया जाता है। विभाग ने 19,495 लोगों के खिलाफ 'सर्टिफिकेट केस' भी दायर किया है। गांव-देहात में रहने वाले गरीबों को ध्यान में रखकर बनाई गई इस योजना के तहत सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्के मकान (जगह का न्यूनतम आकार 25 वर्ग मीटर) उपलब्ध कराए जाते हैं।

महिला को धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने और बलात्कार करने का आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (उप्र) : मुजफ्फरनगर जिले में पुलिस ने बुधवार को नई मंडी क्षेत्र में हिंदू बनकर एक महिला को धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर करने और उससे बलात्कार करने के आरोप में एक मुस्लिम व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) रामाशीष यादव ने संवाददाताओं को बताया कि एक महिला की शिकायत पर माजिद नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यादव के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि माजिद ने अंश चौधरी नाम का इस्तेमाल किया तथा शादी का झांसा देकर उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा,''महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि माजिद ने उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया। पीड़िता ने बताया कि वह माजिद से सोशल मीडिया के जरिए मिली थी, जहां उसने खुद को अंश चौधरी के रूप में पेश किया था।''

भाजपा 'सबसे बड़ी भू-माफिया पार्टी' : अखिलेश

लखनऊ : समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार उत्तर प्रदेश में भू-माफियाओं और अपराधियों को संरक्षण दे रही है। यादव ने यहां जारी एक बयान में कहा कि भाजपा शासन में भूमि हड़पने की घटनाएं बढ़ गई हैं, गरीबों को परेशान किया जा रहा है और उन्हें अपनी जमीन हस्तांतरित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भाजपा सबसे बड़ी भू-माफिया पार्टी है। सत्ता में आने के बाद से भाजपा नेता गरीबों को डरा-धमकाकर जबरन जमीन अपने नाम करवा रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अयोध्या समेत कई जिलों में भूमि पंजीकरण सरकार की भूमि नीतियों की हकीकत को उजागर करता है। उन्होंने कहा, अब सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। भू-माफिया उनकी संपत्तियों पर कब्जा कर रहे हैं, उन पर हमला कर रहे हैं और उन्हें धमका रहे हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है।

उच्च न्यायालय ने संभल स्थित जामा मस्जिद की पुताई कराने का निर्देश दिया

प्रयागराज (उप्र) : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को संभल स्थित जामा मस्जिद की पुताई का काम एक सप्ताह में पूरा करने का बुधवार को निर्देश दिया। संबद्ध पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने एएसआई को मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई और वहां लाइट लगाने का निर्देश दिया। मस्जिद की पुताई और लाइट लगाने का निर्देश पारित करते हुए अदालत ने कहा कि एएसआई मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई के संबंध में मस्जिद कमेटी द्वारा दायर हलफनामे का स्पष्ट जवाब देने में विफल रहा। इससे पूर्व, सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एएसआई के वकील से स्पष्ट करने को कहा था कि मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई को लेकर उसके क्या पूर्वाग्रह हैं। बुधवार को मस्जिद कमेटी की ओर से आपत्ति दर्ज कराई गई कि कमेटी का निवेदन मस्जिद की बाहरी दीवारों की पुताई कराने और लाइट लगाने का है जिस पर एएसआई द्वारा कोई जवाब नहीं दिया गया है तथा एएसआई केवल मस्जिद की भीतरी दीवारों की बात कर रहा है। इस पर अदालत ने उक्त आदेश पारित किया।

बिहार: दरभंगा की महापौर ने नमाज के लिए होली के जश्न में दो घंटे के विराम का आह्वान किया, विवाद छिड़ा

दरभंगा/पटना : बिहार के दरभंगा की महापौर ने जुमे की नमाज के दौरान होली के जश्न में दो घंटे के विराम का आह्वान किया है जिसे लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया और दावा किया कि उनके बयान की ''गलत व्याख्या'' की गई है और वह ''माफी मांगने के लिए तैयार हैं।'' दरभंगा में हाल में प्रशासन की शांति समिति की बैठक में महापौर अंजुम आरा ने यह बात कही थी। अंजुम आरा ने बाद में संवाददाताओं से कहा, ''मैंने सुझाव दिया था कि जुमे की नमाज का समय टाला नहीं जा सकता इसलिए अपराह्न 12 बजे से अपराह्न दो बजे तक दो घंटे के दौरान हिंदू समुदाय के लोग मस्जिदों के आसपास वाले इलाकों में जाने से बचें।'' महापौर ने कहा, ''इससे दोनों धर्मों के लोग बिना किसी परेशानी के अपनी-अपनी परंपराएं निभा सकेंगे। हम समझते हैं कि होली साल में एक बार ही आती है लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि मुसलमानों के लिए यह रमजान का पाक महीना है।'' मधुबनी जिले से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरि भूषण ठाकुर बचौल ने महापौर की इस टिप्पणी पर असंतोष प्रकट किया है। हाल में मुसलमानों को होली के दिन ''घर के अंदर रहने'' का सुझाव देने के कारण चर्चा में आए बचौल ने पटना स्थित राज्य विधानसभा परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''ये गजवा-ए-हिंद की बात करने वाले लोग हैं। ये ''मुस्लिम स्टेट'' बनाने की लालसा रखने वाले लोग हैं। इनकी मंशा को कभी भी पूरा नहीं होने दिया जाएगा। ये लोग समाज में आग लगाने वाले लोग हैं। इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।''

वर्ग पहेली नं. 3031

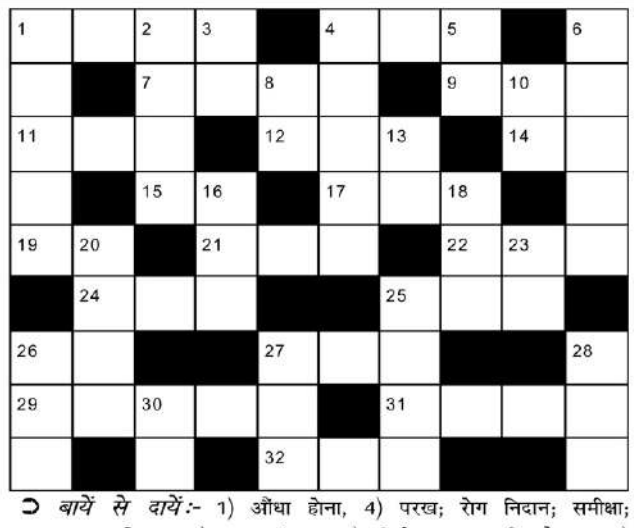

⊃ *बायें से दायें:-* 1) औंधा होना, 4) परख; रोग निदान; समीक्षा; व्याख्या; तथ्यान्वेषण, 7) एक संख्या, 9) निर्दय; अत्याचारी; दैत्य, 11) पलंग, 12) अयोध्या, 14) अंधकार, 15) अहंकार; अभिमान; घमंड, 17) पैर के नीचे का भाग, 19) बाल, 21) हत्या, 22) मास, 24) संघर्ष; ठोकर, 25) चिंतन, 26) कुदक; बूथ; डिब्बा, 27) अनुमान, 29) पराश्रित, 31) चक्का जाम; कामबंदी, 32) विकलपहीनता; विवशता.

⊃ *ऊपर से नीचे:-* 1) हुड़दंग; एक दूसरे को उठाना और पटकना, 2) बूँद-बूँद गिरना, 3) नृत्य, 4) मदन, 5) सविस्तार; संपूर्ण, 6) छटपटाना, 8) अंजली, 10) आहत, 13) नीचे का भाग, 16) विष, 18) विष्णु का एक अवतार, 20) आनंद; स्वाद आनंद; लुत्फ़, 23) अधम; बुरा; महत्त्वहीन; रहित, 25) नीशार; मच्छरदानी, 26) कपाल; सिर, 27) बिरादरी; जनजाति; गिरोह; कुटुंब, 28) विलग्न; असामान्य; तलाकशुदा, 30) कोटि; समकोण; वृंद; समूह. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

आ	रो	प		म		उ	दा	स
भा		रा	ह	च	ल	ता		भा	प
स	म	धी		ल		व	ह		पी
		न	चा	ना		ला	ल	फ़ी	ता
अ	व	ता	र		आ		ध		
सा	रा		ण		स	फ़	र	ना	मा
व	ह	शी		फ़	रा	र			त
धा		त	र	स		व	गै	र	ह
न	क़	ल		ल		री		सा	त

⊃ शब्दवेधी

सुडोकू-पहेली-2991

6			1				5	
	9					7		
	4			7			8	
2								1
				3				
	7			5		3		
1			2					
			6					

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2990 का उत्तर

2	4	3	1	5	9	6	7	8
9	5	1	7	6	8	3	4	2
6	8	7	4	3	2	9	5	1
1	6	5	8	7	3	2	9	4
3	9	4	2	1	6	7	8	5
7	2	8	5	9	4	1	3	6
8	1	9	3	2	5	4	6	7
5	7	6	9	4	1	8	2	3
4	3	2	6	8	7	5	1	9

ममता की 'फर्जी हिंदुत्व' वाली टिप्पणी के विरोध में भाजपा सदस्यों ने विधानसभा से किया बहिर्गमन

कोलकाता, समाज्ञा : विपक्षी दल भाजपा के विधायकों ने बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'फर्जी हिंदुत्व' वाली टिप्पणी के विरोध में राज्य विधानसभा से बहिर्गमन किया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के यह कहने के एक दिन बाद कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो तृणमूल कांग्रेस के मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से बाहर कर दिया जाएगा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर राज्य में 'फर्जी हिंदुत्व' लाने का आरोप लगाया। इस दिन, भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष के नेतृत्व में

भाजपा के लगभग 25 विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और दावा किया कि काले कपड़े पहने एक बाहरी व्यक्ति – जो संभवत: पुलिस की विशेष शाखा से संबंधित है या तृणमूल कांग्रेस का 'गुंडा' है – दीर्घा में मौजूद था। इस दिन, ममता बनर्जी सरकार के कथित कुशासन और तानाशाही के खिलाफ विरोध जताने के लिए भाजपा के सभी सदस्यों ने सदन में काले कपड़े पहनकर मौजूदा सरकार पर सदन में 'विपक्ष की आवाज दबाने' का आरोप लगाया। घोष ने कहा कि दीर्घा में मौजूद अजनबी व्यक्ति ने भी काले कपड़े पहन रखे थे और वह खुद को भाजपा सदस्य बता रहा था। उन्होंने कहा कि जब उसे बाहरी व्यक्ति के रूप में पहचाना गया तो अध्यक्ष को उसके बारे में सूचित किया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। वह अजनबी व्यक्ति भागने में सफल हो गया। उन्होंने कहा कि कौन गारंटी दे सकता है कि उसे किसी ऐसे व्यक्ति ने नहीं भेजा है जिसका हमें नुकसान पहुंचाने का कोई गुप्त मंसूबा हो? घोष ने यह भी दावा किया कि दीर्घा में मौजूद अजनबी व्यक्ति से सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री सदन में मौजूद थीं। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी भी धरना स्थल पर पहुंचे और उन्होंने इसकी जांच की मांग की।

राशन कार्ड से बैंक खाता जोड़ने पर बंगाल सरकार को ऐतराज नहीं, केंद्र ने दिया था प्रस्ताव

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने राशन कार्ड को बैंक खाते से जोड़ने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर कोई आपत्ति नहीं जताई है। हालांकि, इस फैसले से राशन डीलर और किसान संगठनों में चिंता बढ़ गई है। उनका मानना है कि इस कदम से राशन प्रणाली को धीरे-धीरे खत्म कर सीधे बैंक खातों में नकद सब्सिडी ट्रांसफर करने का रास्ता खुल सकता है। यह प्रस्ताव 28 फरवरी को केंद्रीय खाद्य सचिव और राज्य के खाद्य सचिवों के बीच हुई बैठक में रखा गया था। केंद्र ने सुझाव दिया कि अब राशन कार्ड को सीधे बैंक खातों से जोड़ा जाए। इसे लेकर सवाल उठने लगे कि क्या भविष्य में अनाज वितरण बंद कर दिया जाएगा और उसकी जगह नगद भुगतान शुरू होगा? बंगाल सरकार ने इसका विरोध नहीं किया, बल्कि सुझाव दिया कि राशन कार्ड धारकों के बैंक खाते की जानकारी आधार से प्राप्त की जा सकती है, क्योंकि आधार पहले ही राशन कार्ड से जुड़ा हुआ है। पहले से ही राशन कार्ड को आधार से जोड़ा जा चुका है और बैंक खातों को भी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के माध्यम से आधार से जोड़ा गया है। पश्चिम बंगाल खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को भेजे पत्र में सुझाव दिया कि बैंक खातों की जानकारी अलग से लेने के बजाय एनपीसीआई से ही प्राप्त की जा सकती है। वहीं, ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन को आशंका है कि यह योजना राशन वितरण को पूरी तरह खत्म करने की दिशा में उठाया गया कदम हो सकता है। संगठन के महासचिव विश्वंभर बसु ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले कुछ शीर्ष सरकारी अधिकारी राज्य सरकार को अंधेरे में रखकर केंद्र के इशारे पर खाद्य साथी योजना को बंद करने की साजिश रच रहे हैं। इससे सिर्फ राशन योजना ही नहीं, बल्कि किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदने की नीति भी प्रभावित हो सकती है।

LEGAL NOTICE

It is hereby notified for all concern that my client have agreed to purchase All That property admeasuring an area about 7 Cottahs, 3 chittaks, 20 Sqft. of land lying and situated at Municipal Premises No. 20 Gangadhar Babu Lane, P.S.-Bowbazar, Kolkata-700012 together with the three Storied Building fully tenanted standing thereon from its present owners (1) Sitaram Bidawatka @ Sitaram Sikaria, (2) Sajjan kumar Shyamsundar Bidawatka and (3) Raj Kumar Bidawatka all of 20 Gangadhar Babu Lane, P.S.-Bowbazar, Ward No. 47, Kolkata-700012, who inherited the said property from Shewramdas Agarwala under as per terms and conditions agreed by and between the parties. Any person having any claim against the said property may submit his/her such claim and/or objection in writing along with substantive documents to the undersigned within a period of 7 (Seven) days from the date of publicafon of this notice, failing which it shall be presumed that nobody has any claim, objection whatsoever to such proposal of the said property and the same shall be processed with.

ANJAN BISWAS, Advocate
6A, Kiran Shankar Roy Road,
1st Floor, Kolkata-700 001.

पूर्व रेलवे

निविदा संख्या : एमसी - एलओआरआरवाई - पीकेआर - सीएनडब्ल्यू - एचडब्ल्यूएच - 25, दिनांक: 10.03.2025, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरिज एंड वैगन), पूर्वी रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करता है: **कार्य का नाम:** सामग्री के परिवहन के लिए 10 टन क्षमता वाली डीजल चालित लॉरियों को 3 साल के लिए कैरिज एंड वैगन विभाग, पाकुड़, हावड़ा मंडल, पूर्वी रेलवे के नियंत्रण में किराए पर लेना। **निविदा मूल्य:** रु.53,27,616.88 ; **अनुबंध की अवधि:** कार्य शुरू होने की तारीख से 36 महीने; **जमा की जाने वाली बयाना राशि:** रु.1,06,600.00 ; ऑनलाइन निविदा जमा करने के लिए वेबसाइट विवरण: **www.ireps.gov.in बोली समापन तिथि और समय:** 01.04.2025 को 14:00 बजे।

(HWH-666/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

Khanakul-II Panchayat Samity
Senhat, Rajhati, Bandar, Hooghly

Notice Inviting e-Tender

The EO Kh-II PS, **NIeT No.- 7/ E.O. Kh-II/20234-25 (2nd Call), Date: 12.03.2025. (Tender ID: 2025_ ZPHD_826563_1),** for C.C. road Pritam Maity. Last date of bids ends on **03.04.2025 up to 06:00 PM.** For detail visit **www.wb tenders.gov.in**

Sd/-
EXecutive Officer
Khanakul-II Panchayat Samity

औद्योगिक निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने में बंगाल अव्वल : ममता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राज्य बड़े औद्योगिक निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने के मामले में अगुवा बनकर उभरा है। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि बंगाल 2024 में (बड़े) कॉरपोरेट औद्योगिक निवेश प्रतिबद्धताएं आकर्षित करने में सभी राज्यों से आगे निकल गया है। इस दिन, मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि हम अब बड़े उद्योग क्षेत्र में भी देश के शीर्ष स्तर पर हैं। हम कुछ वर्षों से एमएसएमई क्षेत्र में देश में शीर्ष स्तर पर हैं। अब हम बड़े उद्योगों में भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा प्रकाशित नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल ठोस बड़ी औद्योगिक निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त करने में अग्रणी राज्य रहा है और सभी राज्यों में शीर्ष स्तर पर है। ममता ने कहा कि डीपीआईआईटी की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 से पता चलता है कि (बड़े) कॉरपोरेट औद्योगिक निवेश के इरादे को आकर्षित करने के मामले में, हमने 2024 में लगभग सभी अन्य राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। हम भारत में शीर्ष तीन राज्यों में शामिल हैं। यह हमारी एमएसएमई उपलब्धियों से परे है। उन्होंने कहा कि यह बताने की जरूरत नहीं है कि 2025 में, हमने प्रभावशाली बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट का आयोजन किया है और आगे भी रिकॉर्ड बनाए जा रहे हैं।

नंदीग्राम आंदोलन न होता तो ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री न बनतीं : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला करते हुए बुधवार को कहा कि अगर नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण विरोधी आंदोलन नहीं हुआ होता, तो तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी कभी राज्य की मुख्यमंत्री नहीं बन पातीं। इस दिन, विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु ने संवाददाताओं से बातचीत में ममता पर टाटा (समूह) को हुगली जिले के सिंगूर से भगाने और बंगाल को उद्योगों के कब्रिस्तान में तब्दील करने का आरोप लगाया। भाजपा पर राज्य में 'फर्जी हिंदुत्व' लाने के ममता के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए शुभेंदु ने कहा कि मुख्यमंत्री का हिंदू विरोधी और अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण वाला असली चेहरा तथा अवसरवादी चरित्र सदन में भाजपा विधायकों के सामने उजागर हो गया है। भाजपा नेता ने विधानसभा परिसर में अपने चैंबर में तृणमूल प्रमुख के संदर्भ में कहा कि आप हिंदू विरोधी हैं, आप पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। आपका अवसरवादी चरित्र हमारे विधायकों के सामने उजागर हो गया है, जो बंगाल के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उनकी आशंकाओं को व्यक्त कर रहे हैं। शुभेंदु ने कहा कि अगर नंदीग्राम आंदोलन नहीं हुआ होता, तो आप कभी मुख्यमंत्री नहीं बन पातीं। आपकी एकमात्र उपलब्धि टाटा जैसे निवेशकों को दूर भगाना है। शुभेंदु ने कहा कि बेहतर होगा कि वह (ममता) राजनीतिक सिद्धांतों पर व्याख्यान देना बंद कर दें। राजनीति उनके लिए पेशा है, मेरे और मेरे परिवार के विपरीत, जो स्वतंत्रता सेनानियों के वंशज हैं। मेरे पिता और हमारे परिवार के बुजुर्गों का सार्वजनिक जीवन में लंबा शानदार करियर रहा है। उन्होंने (ममता) क्या किया है? उन्होंने ममता पर आरोप लगाया कि जब वह कांग्रेस में थीं, तो उन्होंने राजीव गांधी को धोखा दिया था और जब वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में थीं, तो उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी को धोखा दिया, जबकि उन्हें अपने करियर के महत्वपूर्ण चरण के दौरान उनसे (राजीव गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी) मदद मिली थी। भाजपा नेता ने ममता को 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर से किस्मत आजमाने की चुनौती दी। उन्होंने दावा किया कि भवानीपुर में ममता को करारी हार का सामना करना पड़ेगा।

राज्यसभा में समिक भट्टाचार्य ने दिल्ली में हिंसा मुक्त चुनाव की सराहना की, तृणमूल पर साधा निशाना

नयी दिल्ली/कोलकाता : राज्यसभा में बुधवार को भाजपा सदस्य समिक भट्टाचार्य ने हाल में हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव को हिंसा की किसी घटना के बिना संपन्न कराये जाने की सराहना की। भाजपा सांसद ने उच्च सदन में रेलवे मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर परोक्ष हमला बोला। उन्होंने जमीन की उपलब्धता नहीं होने के कारण रेलवे की परियोजनाओं में विलंब होने का आरोप राज्य सरकार पर लगाया जिसका तृणमूल सदस्यों ने कड़ा विरोध किया। भट्टाचार्य ने कहा कि मोदी सरकार ने इस बार कोई बजट पेश नहीं किया बल्कि एक उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य के लिए वादा किया है। उन्होंने कहा कि बजट में रिकॉर्ड आवंटन करके सरकार ने रेलवे को विश्व स्तरीय नेटवर्क बनाने की प्रतिबद्धता जतायी है। उन्होंने दिल्ली में हाल में हुए चुनाव की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि इस चुनाव के बाद एक भी गोली नहीं चली, किसी की जान नहीं गयी, कोई दंगा नहीं हुआ। भट्टाचार्य की इस बात पर तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया। भाजपा सदस्य ने कहा कि वह केवल अपनी पार्टी की बात नहीं कर रहे हैं बल्कि (कांग्रेस नेता) पी चिदंबरम और जयराम रमेश की पार्टी की भी बात कर रहे जिनकी पार्टी कांग्रेस के आठ कार्यकर्ता मारे गये, उन्हें जला दिया गया। उन्होंने कहा कि राहुल (गांधी) जी के काफिले पर पथराव हुआ। उन्होंने कहा कि हमारे नेता एवं इस सदन के नेता (जेपी नड्डा) ने 2019 में गंगा जी के तट पर जाकर भाजपा के 83 बलिदानियों के लिए विधि तर्पण किया।

ओबीसी प्रमाणपत्र निरस्तीकरण मामले में मुख्य सचिव ने हाई कोर्ट में मानी गलती

कोलकाता, समाज्ञा : ओबीसी प्रमाणपत्र निरस्तीकरण मामले में बुधवार को मुख्य सचिव मनोज पंत को हाई कोर्ट के सवालों का सामना करना पड़ा। जब न्यायाधीश ने उनसे पूछा कि कोर्ट के आदेश के बावजूद भर्ती प्रक्रिया कैसे शुरू हुई? इस पर, मुख्य सचिव ने कहा कि यह एक गलती है, मैं इसे स्वीकार करता हूं। उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसा दोबारा नहीं होगा। आरोप था कि राज्य सरकार हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद ओबीसी प्रमाणपत्रों के आधार पर भर्ती प्रक्रिया संचालित कर रही थी। उस आरोप के आधार पर राज्य के खिलाफ हाई कोर्ट में अदालत की अवमानना का मामला दायर किया गया। इस दिन, मामले की न्यायमूर्ति तपोब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ में सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई में राज्य के मुख्य सचिव को इस मामले में पेश होने का आदेश दिया गया था। निर्देशानुसार, वह बुधवार को वर्चुअली अदालत में उपस्थित हुए। न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने मुख्य सचिव से पूछा कि हमने अपने निर्देश स्पष्ट कर दिए हैं। फिर भी इसकी अव-हेलना करते हुए भर्ती प्रक्रिया कैसे शुरू हो गई? क्या राज्य या मुख्य सचिव का इस मामले पर कोई नियंत्रण नहीं है? यदि कोई आपके निर्देशों का पालन नहीं करता है तो आप उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करते? मुख्य सचिव ने कहा कि अदालती आदेश पिछले सितंबर और इस महीने भी सभी विभागों को सूचित किया गया था। अदालत के आदेश की अवहेलना करने का कोई कारण नहीं है। हम जहां भी भर्तियां चल रही हैं, उन्हें स्थगित कर रहे हैं। हमने सभी प्रकार की सरकारी भर्तियां रोक दी हैं। ओबीसी से संबंधित भर्ती का मामला लंबित होने के कारण स्थगित कर दिया गया है। इसके बाद, कोर्ट ने ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द करने के पुराने आदेश को स्पष्ट किया। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति मंथा ने कहा कि हमने 2010 से पहले ओबीसी प्रमाणपत्र प्राप्त करने वालों की नियुक्ति पर कोई स्थगन आदेश जारी नहीं किया है। अदालत ने अपने आदेश में यह स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने आदेश का हवाला देते हुए मुख्य सचिव से कहा कि आप अदालत पर यह क्यों थोप रहे हैं कि हमारे आदेश के कारण भर्ती प्रक्रिया रुकी हुई है! उन्होंने कहा कि 2010 से पहले ओबीसी प्रमाणपत्र प्राप्त करने वालों की नियुक्ति में कोई बाधा नहीं है।

सिगनलिंग कार्य

ई-निविदा सं. SNT-28-LMG-2024-25-RT-1; दिनांक: 10-03-2024। निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं : **कार्य का नाम एवं स्थान:-** टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस + डब्ल्यूसीएमएसएस) - 17 सेट (1:12) एवं टीटीआर (टीडब्ल्यूएस +डब्ल्यूसीएमएसएस) - 18 सेट (1:12) गुवाहाटी-चापरमुख सेक्शन और टीटीआर (टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएसएस) - 14 सेट (1:12) एवं टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस +डब्ल्यूसीएमएसएस) - 31 सेट (1:12) चापरमुख-लामडिंग सेक्शन में संबंधित सहायक सिगनलिंग कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹1,76,96,745.52; **बिड सिक्यूरिटी:** ₹2,38,500.00। **ई-निविदाएं** 01-04-2025 को 15:00 बजे **बंद होंगी** और 01-04-2025 को 15:30 बजे **खुलेंगी**। विवरणों के लिए **www.ireps.gov.in** पर पधारें।

सीनि. डीएसटीई, लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पूर्व रेलवे

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा कारखाना, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, पिन-743145, कैरिज पर्चेज़शॉप/पूर्व रेलवे/ योली सं.: कांचरापाड़ा में खुले निविदा आधार पर 02 वर्ष की अवधि के लिए विद्युत चालित मल्टीट्रैक ट्रैवर्सर, जीईडी क्षमता और फर्मा नंबर 18/232 के सीएएमसी (व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध) के लिए खुली जीईएम सेवा निविदा आमंत्रित करते हैं। **बोली सं. जीईएम/2025/बी/6023241 दिनांक: 05.03.2025 बोली समाप्ति की तिथि/समय: 26.03.2025 पूर्वाह्न 11:00 बजे; बोली खुलने की तिथि/समय:** 26.03.2025 पूर्वाह्न 11:30 बजे; **बयाना राशि:** अनुमानित मूल्य का 2% यानी रु. 88,911.00। **ई-पीबीजी:** पी.ओ. मूल्य का 3%। **निविदा का अनुमानित मूल्य:** रु. 44,45,567.40 (रुपये चवालीस लाख पैंतालीस हजार पाँच सौ सड़सठ और चालीस पैसे मात्र)। **पूर्णता अवधि:** 2 वर्ष। **अनुमान संख्या:** एमसीपी/एम एंड पी/ सीएएमसी/ अल्फा ट्रैवर/80 टन/18-232/ अनुमान/2024-25 दिनांक 17.02.2025। जीईएम सेवा बोली दस्तावेज जीईएम साइट (गवर्नमेंट ई मार्केट प्लेस) यानी जीईएम पोर्टल **https://gem.gov.in** पर उपलब्ध होंगे और दरें ऑनलाइन उद्धृत की जानी हैं और जीईएमपोर्टल यानी **https://gem.gov.in** के माध्यम से ऑनलाइन जमा की जानी हैं।

(Misc-377/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे, निविदा

भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनकी ओर से, मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 निम्नलिखित निविदा के लिए यहां नीचे उल्लिखित निविदा शीर्ष को **15:00 बजे से पहले** ई-निविदा आमंत्रित करते हैं और **निविदा 15:30 बजे खोली** जाएगी: **क्रम सं: 1; निविदा सूचना संख्या: ई-केजीपी-मुख्यालय-08-2025; कार्य का विवरण:** (i) खड़गपुर मंडल में एलसी संख्या पीएन-18, पीएन-23, पीएन-46, पीएन-55, टीडी-10 और टीडी-35 पर आरसीसी बॉक्स द्वारा अनुमोदित आरयूबी के साथ विस्तृत आपूर्ति उपकरण का प्रतिस्थापन; 9 पुराने इंटरलॉक सिग्नलिंग गियर और ईएलसी के विभिन्न भागों का सिविल इंजीनियरिंग कार्य एवं (ii) एडीईएन/तमलुक के अधिकार क्षेत्र के तहत एलसी गेटों को इंटरलॉकिंग करने के संबंध में एलसी गेट नंबर पीएन-2, पीएन-8, पीएन-10 पर गेट गुमटी और प्रत्येक एलसी पर इलेक्ट्रिकल रूम का निर्माण; **निविदा मूल्य:** ₹1,31,01,842.16; **बयाना जमा:** ₹2,15,500.00; **निविदा दस्तावेज लागत:** ₹0.00; **खुलने की तिथि:** 26.03.2025। **कार्य को पूरा करने की अवधि:** 15 महीने; **बोली शुरू करने की तिथि: क्रमांक 1** के लिए 12.03.2025 से 26.03.2025 को **15:00 बजे** तक। इच्छुक निविदाकर्ता निविदाओं के पूर्ण विवरण/जानकारी/विनिर्देशों के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इन कार्यों के लिए किसी भी स्थिति में मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। **नोट:** संभावित बोलीदाता सभी निविदाओं में भाग लेने के लिए नियमित रूप से **'www.ireps.gov.in'** पर जाएं।

(PR-1225)

पूर्व रेलवे

निविदा सं. ईएल/ ओडी-एफई-एमसीआर2-एचडब्ल्यूएच-25 दिनांक: 11.03.2025. वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (एनएचएम एवं एफआरटी)/हावड़ा, पूर्वी रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: कार्य का नाम: संपूर्ण हावड़ा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों और उसके यूनिट कार्यालयों, मुख्यालय भवनों और स्थिर स्थानों पर उपलब्ध कराए गए 5/6 किग्रा डीसीएम कार्ट्रिज प्रेशराइज्ड टाइप, 6 किग्रा स्टोर्ड प्रेशर टाइप, 9 लीटर वाटर मिस्ट टाइप और 4.5 किग्रा सीओ2 टाइप अग्निशामक यंत्र की एएमसी; **बोली का प्रकार:** सामान्य निविदा; **निविदा का प्रकार:** खुला; **निविदा बंद होने की तिथि:** 02.04.2025 को 15:00 बजे; **विज्ञापित मूल्य:** रु. 44,93,447.32; **बोली शैली:** प्रत्येक अनुसूचित वस्तु के लिए सिंगल दर; **बयाना राशि (रु.) :** 89,900.00; **निविदा दस्तावेज लागत (रु.) :** 0.00; **अनुबंध प्रकार** : कार्य - सामान्य ; **बोली प्रारंभ तिथि :** 19.03.2025; **बोलियों के लिए रैंकिंग क्रम :** निम्नतम से उच्चतम; **बोली प्रणाली :** सिंगल पैकेट प्रणाली; **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय** 11.03.2025, 11:28 बजे; **निविदा अनुभाग** : एमईसीएच सीएन डब्ल्यू ; **प्रस्ताव की वैधता (दिन) :** 60; **समापन अवधि :** 24 महीने; **अनुबंध श्रेणी :** व्यय; **व्यय प्रकार :** राजस्व।

(HWH-669/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

ई-नीलामी सूचना सं: कॉम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/ईएमयू/2024 दिनांक: 11.03.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा, चौथी मंजिल, यात्री निवास, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार अधिकारों के अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग संख्या:** पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-11; **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 26.03.2025 को 12:00 बजे; **क्रम संख्या:** एए/1; **लॉट संख्या:** एडीवीटी-इंटएक्सट-एस1-ईएमयूआर22-25-1 (विज्ञापन - ट्रेन का आंतरिक और बाहरी भाग); **विवरण:** हावड़ा मंडल पर चलने वाली 12 कोच ईएमयू रैक की पूरी साइड की दीवारों (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर और कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार अधिकार प्रदान करना। **क्रम संख्या:** एए/2; **लॉट संख्या:** एडीवीटी-इंटएक्सट-एस1-ईएमयूआर24-25-1 (विज्ञापन - ट्रेन का आंतरिक और बाहरी भाग); **विवरण:** हावड़ा मंडल पर चलने वाली 12 कोच ईएमयू रैक की पूरी साइड की दीवारों (खिड़कियों और अनिवार्य साइनेज को छोड़कर) की बाहरी सतह पर और कोचों के अंदर निर्दिष्ट स्थानों पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ विनिर्देश के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार अधिकार प्रदान करना।

(HWH-670/2024-25)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध हैं।

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

शुभेंदु की टिप्पणी पर तृणमूल विधायक ने दी धमकी, कहा... 'हम हाथ तोड़ देंगे'

शुभेंदु ने सत्ता में आने पर मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से बाहर फेंकने की बात कही थी

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो मुस्लिम विधायकों को विधानसभा से बाहर फेंक दिया जाएगा। इस पर, तृणमूल ने एक मुस्लिम विधायक ने एक कदम आगे बढ़कर शुभेंदु अधिकारी का हाथ तोड़ने की धमकी दे दी। तृणमूल ने इसे 'नफरत फैलाने वाला' बयान करार दिया और अधिकारी की 'मानसिक स्थिति' पर सवाल उठाए। तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि के लिए इस तरह की भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करना शोभा नहीं देता। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के मुर्शिदाबाद जिले के विधायक हुमायूं कबीर ने मीडिया से बात करते हुए शुभेंदु अधिकारी को सीधे-सीधे धमकी दे दी। उन्होंने कहा कि अगर मुसलमान विधायकों पर हाथ उठाएंगे तो उनका हाथ तोड़ देंगे। हुमायूं ने नेता प्रतिपक्ष का नाम लेकर साफ-साफ कहा कि उनके पास इतनी हिम्मत है ही नहीं।

❑ कुछ होता है तो उसके लिए स्पीकर और मुख्यमंत्री जिम्मेदार होंगी : शुभेंदु

इस बीच, हाथ तोड़ने वाली धमकी के बीच शुभेंदु ने कहा है कि स्पीकर ने उनके केंद्रीय सुरक्षा बलों को विधानसभा के अंदर जाने पर रोक लग रखी है। अगर ऐसे में उन्हें कुछ होता है तो उसके लिए स्पीकर और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार होंगी।

दुर्घटना और आपदा से निपटने की तैयारी में जुटा राज्य, मानसून से पहले 150 करोड़ रुपये मंजूर, जल्द टेंडर जारी करने का आदेश

कोलकाता : गर्मी की शुरुआत होते ही पश्चिम बंगाल सरकार ने मानसून और संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं ताकि बारिश और बाढ़ से पहले जरूरी मरम्मत कार्य पूरे किए जा सकें। सरकार ने निर्देश दिया है कि इस राशि से सड़कों और पुलों की मरम्मत के साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण के लिए आवश्यक सामग्री की खरीद जल्द से जल्द की जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को तेजी से टेंडर जारी करने का आदेश दिया गया है। सिचाई विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह फंड स्टेट डेवलपमेंट स्कीम के तहत जारी किया गया है और इसे सात अलग-अलग डायरेक्टरेट्स में चार प्रमुख कार्यों पर खर्च किया जाएगा। इस राशि का उपयोग बाढ़ से बचाव के लिए बांस, बालू की बोरियां, रेत और अस्थायी पंपों की खरीद के लिए किया जाएगा। साथ ही, स्लूइस गेट, रेगुलेटर्स और इनलेट्स की मरम्मत और रखरखाव भी इस फंड से किया जाएगा, जिससे जल निकासी की समस्या न हो। इसके अलावा, बाढ़ और बारिश से प्रभावित बांधों, नदी किनारों, जल निकासी नालों और सिंचाई नालों की मरम्मत पर भी इस राशि का उपयोग होगा। साथ ही, पंप और उनके जरूरी पुर्जों की मरम्मत की जाएगी ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। राज्य सरकार मानसून से पहले ही पूरी तैयारी सुनिश्चित करना चाहती है ताकि आपदा के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो। अब देखना यह होगा कि विभाग कितनी तेजी से इन कार्यों को पूरा कर पाते हैं और क्या ये तैयारियां बारिश के कहर से राज्य को बचाने में कारगर साबित होंगी या नहीं।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या : एईएन/खेल मैदान-भवन/एलएलएच, दिनांक : 10.03.2025

मुख्य निर्माण प्रबंधक, पूर्वी रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा रेलवे के प्रतिष्ठित अनुमोदित और योग्य ठेकेदारों और सरकारी विभाग/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम की उपयुक्त सूची के लोगों से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:- क्रम संख्या 1. निविदा संख्या : एईएनडब्ल्यूएस-खेल मैदान-एलएलएच; कार्य का नाम : सीडब्ल्यूएम/एलएलएच कार्यशाला के अंतर्गत बहुउद्देशीय खेल गतिविधियों के लिए लिलुआ कार्यशाला में कार्यशाला खेल मैदान का उन्नयन; निविदा मूल्य: 98,74,185.65 रुपये; निविदा दस्तावेज की लागत: शून्य; बोली सुरक्षा (रु.) : 1,97,500.00; समापन अवधि: 210 दिन; क्रम संख्या 2. निविदा संख्या : एईएनडब्ल्यूएस-खेल निर्माण एलएलएच; कार्य का नाम: सीडब्लूएम/ लिलुआह के अंतर्गत लिलुआह में खेल गैलरी और खेल अधिकारियों के चैंबर आदि के साथ खेल संघ भवन (दो मंजिला) का निर्माण; निविदा मूल्य: 40,71,169.42 रुपये; निविदा दस्तावेज की लागत: शून्य; बोली सुरक्षा (रुपये): 81,400.00; पूरा होने की अवधि: 210 दिन; निविदा बंद होने की तिथि और समय: 03.04.2025 को 12.00 बजे तक। निविदा का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर शुद्धिपत्र (यदि कोई हो) के साथ उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे उपरोक्त वेबसाइट पर अपना प्रस्ताव ऑनलाइन प्रस्तुत करें। कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(MISC-380/2024-25)

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दोलयात्रा के दिन हावड़ा मंडल के तहत रद्द रहने वाली कुछ ईएमयू उपनगरीय ट्रेनें

दिनांक 14.03.2025 (शुक्रवार) को **दोलयात्रा** उत्सव के दौरान हावड़ा मंडल के तहत नीचे उल्लेखित ईएमयू लोकल ट्रेनें **रद्द** रहेंगी: **(1) हावड़ा-बर्द्धमान (मेन लाइन): • अप ट्रेनें -37819** (07.05 बजे), **37711** (08.20 बजे) एवं **37843** (17.55 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 37822** (06.40 बजे), **37612** (08.55 बजे). **(2) हावड़ा-बर्द्धमान (कॉर्ड लाइन) : • अप ट्रेनें - 36071** (05.05 बजे), **36817** (07.08 बजे), **36825** (11.22 बजे), **36827** (12.05 बजे), **36081** (05.45 बजे), **36033** (10.30 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 36072** (07.07 बजे), **36814** (03.58 बजे), **36830** (08.35 बजे), **36834** (10.05 बजे), **36082** (08.06 बजे), **36034** (11.55 बजे) एवं **36840** (13.05 बजे). **(3) हावड़ा-बैण्डेल (मेन लाइन) : • अप ट्रेनें - 37213** (05.14 बजे), **37215** (06.26 बजे), **37219** (07.35 बजे), **37221** (08.20 बजे), **37227** (09.25 बजे), **37243** (12.20 बजे), **37201** (18.55 बजे) एवं **37511** (17.52 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 37224** (06.50 बजे), **37202** (08.40 बजे), **37232** (08.52 बजे), **37236** (09.46 बजे), **37240** (10.45 बजे), **37246** (12.30 बजे) एवं **37512** (16.25 बजे). **(4) हावड़ा-सेवड़ाफुली: • अप ट्रेनें - 37041** (07.30 बजे), **37045** (08.45 बजे), **37047** (09.15 बजे), **37049** (09.40 बजे) एवं **37055** (11.52 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 37042** (08.20 बजे), **37046** (09.50 बजे), **37048** (10.15 बजे), **37050** (10.32 बजे) एवं **37056** (12.40 बजे). **(5) हावड़ा - तारकेश्वर : • अप ट्रेनें - 37307** (07.00 बजे), **37317** (09.05 बजे), **37327** (13.38 बजे) एवं **37411** (05.15 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 37308** (08.28 बजे), **37328** (11.15 बजे), **37338** (15.15 बजे) एवं **37412** (04.05 बजे)। **(6) नैहाटी-बैण्डेल : • अप ट्रेनें - 37527** (07.55 बजे), **37531** (09.42 बजे) एवं **37535** (12.10 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 37528** (07.21 बजे), **37532** (09.12 बजे) एवं **37536** (11.42 बजे). **(7) हावड़ा-श्रीरामपुर : • अप ट्रेनें - 37011** (07.45 बजे) एवं **37013** (09.20 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 37012** (08.40 बजे) एवं **37014** (10.00 बजे). **(8) बर्द्धमान-कटवा : • अप ट्रेनें - 35013** (07.25 बजे), **35019** (18.30 बजे). **• डाउन ट्रेनें - 35014** (07.25 बजे), **35020** (17.50 बजे).

वि.द्र.: 37815 हावड़ा-बर्द्धमान मेन लाइन ईएमयू लोकल (05.27 बजे) एवं **37824 बर्द्धमान-हावड़ा मेन लाइन ईएमयू लोकल** (07.00 बजे) दिनांक 14.03.2025 को मार्ग में सभी स्टेशनों में ठहरेगी। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बंगाल सरकार ने शांतिनिकेतन सोनाझुरी हाट पर होली कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाया

बीरभूम/कोलकाता : पश्चिम बंगाल सरकार ने इस साल बीरभूम जिले के शांतिनिकेतन में लोकप्रिय सोनाझुरी हाट पर होली समारोह पर प्रतिबंध लगा दिया है, ताकि वन क्षेत्र में हरियाली को कोई नुकसान न पहुंचे। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बोलपुर प्रभागीय वन अधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि इलाके में कई बैनर लगाए गए हैं, जिनमें लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे वहां न तो वाहन खड़ा करें और न ही रंगों का त्योहार मनाएं। उन्होंने कहा कि आगंतुकों से होली उत्सव का वीडियो न बनाने का भी अनुरोध किया गया है। कुमार ने कहा कि विभाग प्रतिबंध लागू करने के लिए पुलिस और प्रशासन से सहयोग मांगेगा, लेकिन बेहतर होगा कि लोग खुद ही होली न खेलें। विश्व भारती के प्रवक्ता ने कहा कि यूनेस्को धरोहर स्थल के दर्जे को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी होली पर लाखों लोगों के लिए परिसर क्षेत्र को नहीं खोल सकते।

क्या अब जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में बनेगी पुलिस चौकी? कोलकाता पुलिस ने मांगी जगह

कोलकाता : कोलकाता के प्रतिष्ठित जादवपुर विश्वविद्यालय में पुलिस चौकी स्थापित करने की संभावना अब चर्चा का विषय बन गई है। बार-बार होने वाली अशांति और विवादों के कारण कोलकाता पुलिस ने विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र लिखकर परिसर के अंदर पुलिस आउटपोस्ट के लिए जगह मांगी है। विश्वविद्यालय के कार्यकारी रजिस्ट्रार डॉ. इंद्रजीत बंद्योपाध्याय ने पुष्टि की है कि पुलिस का पत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा है कि इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से चर्चा के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा। हालांकि, कोलकाता पुलिस के इस पत्र को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आमतौर पर किसी भी शिक्षण संस्थान की आंतरिक अनुशासन व्यवस्था उसी संस्थान की प्रशासनिक जिम्मेदारी होती है, और पुलिस की सीधी दखलंदाजी विवाद का कारण बन सकती है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या वास्तव में विश्वविद्यालय परिसर के अंदर पुलिस चौकी की जरूरत है या यह प्रशासनिक व्यवस्था में हस्तक्षेप का मामला बन सकता है? इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रजिस्ट्रार इंद्रजीत बंद्योपाध्याय ने कहा, हमें कोलकाता पुलिस की ओर से एक मेल मिला है, जिसमें उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर के अंदर पुलिस चौकी (आउटपोस्ट) स्थापित करने के लिए जगह मांगी है। इस मुद्दे पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है और इसे लेकर सभी पक्षों से चर्चा की जाएगी। फिलहाल मैं इस पर ज्यादा जानकारी नहीं दे सकता। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या विश्वविद्यालय परिसर में कानून व्यवस्था की निगरानी के लिए पुलिस की मौजूदगी जरूरी हो गई है? क्या यह शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता में दखलंदाजी मानी जाएगी? इस मुद्दे को लेकर शिक्षा जगत में भी बहस छिड़ सकती है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि विश्वविद्यालय प्रशासन और राज्य सरकार इस पर क्या फैसला लेते हैं।

फिर से विवादों में योगेशचंद्र चौधरी कॉलेज

प्रबंधन समिति की बैठक में सांसद माला राय को करना पड़ा विरोध का सामना

कोलकाता : कोलकाता के योगेशचंद्र चौधरी कॉलेज में एक बार फिर से अशांति फैल गई। इससे पहले सरस्वती पूजा को लेकर कॉलेज में जबरदस्त हंगामा हुआ था, जिसमें शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु के खिलाफ भी प्रदर्शन हुआ था। उस समय पुलिस सुरक्षा के बीच पूजा संपन्न हुई थी। लेकिन बुधवार को एक बार फिर कॉलेज परिसर में तनाव बढ़ गया, जब तृणमूल कांग्रेस सांसद माला राय के खिलाफ कुछ छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध कर रहे छात्रों ने 'बाहरी व्यक्ति' के नारे भी लगाए। इसके अलावा, कॉलेज में अबीर (गुलाल) खेलने को लेकर भी विवाद हुआ।

❑ अबीर खेल पर बवाल, बाहरी लोगों की घुसपैठ का आरोप

बुधवार को कॉलेज के लॉ कॉलेज और डे कॉलेज के छात्रों के बीच अबीर खेलने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि कुछ बाहरी लोग कॉलेज में घुस आए थे, जिससे अशांति फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को कॉलेज परिसर में तैनात किया गया। हालांकि, इसके बावजूद कुछ छात्रों ने अबीर खेलना जारी रखा। कॉलेज प्रशासन ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

❑ प्रबंधन समिति की बैठक में हंगामा

जानकारी के अनुसार, तृणमूल कांग्रेस सांसद माला राय इस कॉलेज की प्रबंधन समिति की अध्यक्ष हैं। बुधवार को कॉलेज में प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें भाग लेने के लिए माला राय कॉलेज पहुंची थीं। लेकिन कुछ ही समय बाद छात्रों का एक समूह उनके खिलाफ प्रदर्शन करने लगा। आरोप लगाया गया कि सांसद के साथ बाहरी लोग भी कॉलेज परिसर में प्रवेश कर गए थे।

तृणमूल छात्र परिषद के कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया और जब माला राय कॉलेज से निकल रही थीं, तब उनकी गाड़ी को भी घेरकर प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने 'बाहरी व्यक्ति' के नारे लगाए। हालांकि, पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने प्रदर्शनकारियों को हटाकर स्थिति को संभाला और बाद में सांसद वहां से निकल गईं।

इस घटना पर माला राय ने कहा कि वह बतौर अध्यक्ष प्रबंधन समिति की बैठक में शामिल होने आई थीं और अगर कोई बाहरी व्यक्ति कॉलेज में घुसा है तो प्रशासन इस मामले को देखेगा।

❑ हाई कोर्ट पहुंचे छात्र, सुरक्षा बढ़ाने की मांग

कॉलेज परिसर में बार-बार बाहरी लोगों की घुसपैठ और अशांति को लेकर एक छात्र ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। छात्र ने मांग की है कि कॉलेज की सुरक्षा बढ़ाई जाए और सीसीटीवी निगरानी को मजबूत किया जाए, ताकि बाहरी लोगों की घुसपैठ रोकी जा सके। इस याचिका पर हाई कोर्ट के जज ने मामला दर्ज करने की अनुमति दे दी है और गुरुवार को सुनवाई होने की संभावना है।

आरजीकर वित्तीय अनियमितता मामले के चार आरोपितों ने केस से मांगी मुक्ति

विशेष अदालत के न्यायाधीश 25 मार्च को याचिका पर सुनवाई करेंगे

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितता के मामले में चार आरोपितों ने बुधवार को विशेष अदालत में मुक्ति याचिका दायर की। ये चार आरोपित व्यक्ति आरजीकर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष, उनके अंगरक्षक और निजी सहायक अफसर अली और निजी ठेकेदार बिप्लब सिन्हा और सुमन हाजरा हैं। उनके वकीलों ने विशेष अदालत में एक याचिका दायर कर अपने मुवक्किलों को मामले से मुक्ति देने की अर्जी की, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है। सीबीआई ने

इस मामले में विशेष अदालत में पहले ही विस्तृत आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, जिसमें घोष को कथित घोटाले का मास्टरमाइंड बताया गया है। मामले में आरोप तय करने की प्रक्रिया और मामले में बाद की सुनवाई की प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। विशेष अदालत के न्यायाधीश 25 मार्च को याचिका पर सुनवाई करेंगे। वित्तीय अनियमितताओं के मामले में संस्थान की निविदा प्रणाली में हेराफेरी, राज्य लोक निर्माण विभाग की अनदेखी कर वहां बुनियादी ढांचे से संबंधित कार्य बाहरी ठेकेदारों से करवाना, अस्पताल के जैव-चिकित्सा अपशिष्ट की तस्करी और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में आने वाले अज्ञात शवों के अंगों को बाहर ऊंचे दामों पर बेचना शामिल है।

शहर में आज

■ **माहेश्वरी सभा :** निःशुल्क जल सेवा प्याऊ, स्थान- 4, शोभाराम बैशाख स्ट्रीट, बड़ाबाजार, कोलकाता।

■ **माहेश्वरी क्लब :** उद्यान गोष्ठी एवं डांडिया समारोह (फूलों की होली), सायं 4 बजे से, स्थान- विधान गार्डेन,11, कैनाल सर्कुलर रोड, ई.एम. बाईपास, 'गौतम्स' के पास, उल्टाडांगा, कोलकाता।

■ **अमर विद्या होली ग्रुप :** होली धमाल, रात्रि 10 बजे से, स्थान- श्री विकाश जी जोशी, गंगेज स्काई, 15 तल्ला, 493/बी/66, जी.टी.रोड(साऊथ), जैन हॉस्पिटल के पास, हावड़ा।

■ **श्री राणी सतीजी शोभायात्रा समिति :** निःशुल्क होमियोपैथिक चिकित्सा, सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, स्थान- 24, गोयनका लेन, ढ़ाकापट्टी, बड़ाबाजार, कोलकाता।

■ **रजनी फाउंडेशन :** बाबा रामदेवजी की आरती, रात्रि 8 बजे से, स्थान- 28/1ए, रतन सरकार गार्डेन स्ट्रीट, तारा सुंदरी पार्क के पास, बड़ाबाजार, कोलकाता।

पानीहाटी में गंगा के किनारे मिला महिला का शव, हत्या की आशंका

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के पानीहाटी इलाके में गंगा के घाट से एक अज्ञात महिला का शव बरामद होने से सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को मौके से बरामद कर लिया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार रात ही इसी इलाके के पास कल्याणी एक्सप्रेसवे पर एक ट्रॉली बैग में एक युवक का शव भी मिला था, जिससे इलाके में और दहशत फैल गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मंगलवार रात पानीहाटी के गंगा किनारे पानी में कुछ तैरता हुआ दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने अनुमान लगाया कि यह किसी शव का हिस्सा हो सकता है, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। खड़दह थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और वहां से एक महिला का शव बाहर निकाला।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि महिला स्थानीय निवासी नहीं थी। शव के चेहरे, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में कई चोटों के निशान पाए गए हैं। अब यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या इस महिला की हत्या की गई है? पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह हत्या है या कुछ और। महिला की पहचान को लेकर आसपास के थानों को भी सूचित किया गया है।

सॉल्टलेक में बाइक चालक को एक गाड़ी ने कुचला, चालक गिरफ्तार, मामला दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : पानागढ़ में हुई घटना अब सॉल्टलेक में देखने को मिली। यहां एक बाइक और गाड़ी चालक के बीच कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया, जिसके बाद आरोप है कि गाड़ी ने बाइक चालक का पीछा किया। इस दौरान बाइक चालक गाड़ी के पहिए से कुचला गया। इस घटना में दक्षिण विधाननगर थाना की पुलिस ने गाड़ी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, सॉल्टलेक के जीडी आइलैंड से एफई ब्लॉक जाने के दौरान एक ऐप बाइक चालक और गाड़ी चालक के बीच टक्कर हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बहस और गाली-गलौज हुई। हालांकि, थोड़ी देर में विवाद सुलझ गया था।

इसके बाद, बाइक चालक खाल के किनारे 12 नंबर टैंक की ओर जा रहा था, तभी गाड़ी ने उसका पीछा किया। बाइक चालक ने तेजी से वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन खराब सड़क की वजह से वह बाइक से गिर पड़ा। आरोप है कि इस दौरान गाड़ी चालक अपना नियंत्रण खो बैठा और गाड़ी के पहिए के नीचे बाइक चालक आ गया। घटना के बाद, स्थानीय लोगों ने गाड़ी चालक पीयूष अग्रवाल को घेरकर मारपीट की। घायल बाइक चालक आयाज हुसैन को पहले विधाननगर महकमा अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें एनआरएस मेडिकल अस्पताल भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दूसरी ओर, एफई ब्लॉक के निवासी गाड़ी चालक पीयूष अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ अनजाने में हत्या का मामला दर्ज कर उसे विधाननगर अदालत में पेश किया गया है।

ठगी के आरोप में अधीर रंजन चौधरी का पीए गिरफ्तार

पूर्व मेदिनीपुर : कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के निजी सहायक (पीए) प्रदीप राजपंडित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोप है कि वह कभी खुद को आईएएस अधिकारी, तो कभी अन्य सरकारी पदों पर तैनात अफसर बताकर ठगी करता था। पुलिस ने उसे पूर्व मेदिनीपुर के हल्दिया से गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदीप राजपंडित एक नीली बत्ती लगी गाड़ी में घूमता था और लोगों को सरकारी अधिकारी होने का झांसा देकर अवैध वसूली करता था। कई मामलों में उसने कथित तौर पर खुद को आईएएस अधिकारी बताकर लोगों से पैसे ऐंठे। प्रदीप राजपंडित की गिरफ्तारी पर अब तक कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। पुलिस

उसकी ठगी के नेटवर्क की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि उसने अब तक कितने लोगों को निशाना बनाया है। हल्दिया पुलिस ने बुधवार को बताया है कि प्रदीप को गिरफ्तार करने के बाद उसकी पूरी गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू कर दी गई है। उसके फोन रिकॉर्ड और बैंक ट्रांजैक्शन की भी जांच की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि उसने राजनीतिक संपर्कों का फायदा उठाकर कई लोगों को ठगा है।

आसनसोल डिवीजनल रेलवे अस्पताल में फर्स्ट-एड और सीपीआर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : आसनसोल डिवीजनल रेलवे अस्पताल द्वारा 11 मार्च को अस्पताल के ऑडिटोरियम में एक फर्स्ट-एड और कार्डियोपल्मोनरी रेसुसिटेशन (सीपीआर) प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आसनसोल डिवीजन के टिकट चेकिंग कर्मचारियों की आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इस प्रशिक्षण सत्र का संचालन अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/सर्जन/आसनसोल ने किया। जिन्होंने प्रतिभागियों को प्रभावी रूप से सीपीआर देने के बारे में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ. रणजन कुमार ने कहा कि सीपीआर का सही ज्ञान प्राप्त करना और आपातकालीन स्थितियों में इसे तुरंत लागू करना जीवन बचाने की दिशा में पहला कदम है। इसके अलावा, एसीएमएस /एएसएन ने सीपीआर प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया,

जिसमें यह बताया गया कि इसे कब और क्यों दिया जाना चाहिए ताकि यह प्रभावी हो सके। यह उल्लेखनीय है कि अस्पताल प्रबंधन हर महीने स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

ग्लेनमार्क पोषण पुरस्कार 2025 ने कुपोषण से निपटने के नवाचारों को किया सम्मानित

कोलकाता : ग्लेनमार्क फाउंडेशन ने आईडीओबीआरओ, यूएन ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया और इंपैक्ट4न्यूट्रिशन के सहयोग से ग्लेनमार्क पोषण पुरस्कार 2025 के 5वें संस्करण का सफलतापूर्वक समापन किया। इस आयोजन में भारत भर में कुपोषण से निपटने के लिए किए गए अभूतपूर्व प्रयासों को मान्यता दी गई। इस बार 22 राज्यों के 168 जिलों से 403 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण मिशन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजू जोतकर की अध्यक्षता में एक प्रतिष्ठित जूरी ने इन प्रविष्टियों का मूल्यांकन किया। पुरस्कार विजेता संस्थाओं में सुंदरबन, पश्चिम बंगाल (ग्रामीण एनजीओ श्रेणी) से बैकुंठपुर तरुण संघ, पुणे, महाराष्ट्र (शहरी एनजीओ श्रेणी) से स्नेह फाउंडेशन और जयपुर, राजस्थान (अन्य श्रेणी) से महावीर इंटरनेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट शामिल हैं। प्रत्येक विजेता को 2,00,000 का अनुदान प्रदान किया गया।

ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक चेरिल पिंटो ने कहा, स्वस्थ बच्चे एक स्वस्थ दुनिया की नींव हैं। हमारे विजेताओं ने यह दिखाया है कि नवाचार और रणनीति के साथ हम कुपोषण पर काबू पा सकते हैं। डॉ. राजू जोतकर ने कुपोषण और मोटापे की समस्याओं पर समान रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। ग्लेनमार्क फाउंडेशन पोषण के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण अपनाते हुए मातृ और बाल स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना जारी रखेगा।

बेनियापुकुर धोखाधड़ी में इलाके में छापा, साइबर शामिल आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता : विश्वसनीय खुफिया जानकारी और उच्च स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के आधार पर, पुलिस ने बेनियापुकुर थाना क्षेत्र में एक छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान, मंगलवार तड़के 00:25 बजे, पुलिस ने 27 वर्षीय रहिल अहमद को उनके निवास स्थान 46ऋ/1 गोराचांद रोड से गिरफ्तार किया।

रहिल अहमद को एक प्राथमिक सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में नामजद आरोपी के रूप में पहचाना गया है। पुलिस को संदेह है कि वह इस मामले में सक्रिय रूप से शामिल था।

छापेमारी के दौरान, पुलिस ने आरोपी के पास से एक मोबाइल

फोन, एक हार्ड डिस्क ड्राइव (एचडीडी), एक सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) और एक डोंगल बरामद किया। जब्त सामग्रियों को कानूनी प्रक्रियाओं और निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत ज़ब्त किया गया। रहिल अहमद की गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी उन्हें और उनके परिवार को विधिवत रूप से दी गई।

❑ साइबर धोखाधड़ी में संलिप्तता

पुलिस जांच में यह सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी रहिल अहमद ने एक अन्य आरोपी के साथ मिलकर एक प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) तैयार किया था। इस साजिश के तहत, उन्होंने फर्जी सिम कार्ड सक्रिय किए, जिन्हें बाद में भारत के विभिन्न हिस्सों और विदेशों में तस्करी कर दिया गया। इन फर्जी सिम कार्डों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड और अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जाता था।

पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और अन्य संभावित आरोपियों की तलाश जारी है।

रामपुरहाट में ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी के कार्यालय में दुस्साहसिक चोरी, पुलिस जांच में जुटी

बीरभूम : जिले के रामपुरहाट थाना अंतर्गत बतैल मोड़ स्थित एक ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी के कार्यालय में रात के अंधेरे में दुस्साहसिक चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने गोदाम के पीछे का ताला तोड़कर बड़ी संख्या में सामान चोरी कर लिया। यह गोदाम रामपुरहाट शहर और आसपास के गांवों में ऑनलाइन ऑर्डर की गई वस्तुओं की आपूर्ति करता था। पुलिस को सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, अभी तक चोरी गए सामानों की सही कीमत का आकलन नहीं किया जा सका है। चोरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले सीसीटीवी कैमरों की हार्ड डिस्क निकाल ली, जिससे जांच में मुश्किलें आ सकती हैं। चोरी के बाद गोदाम में सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द ही चोरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

युवा शक्ति संगम कोलकाता ने बच्चों में होली सामग्री का किया वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : होली के पावन पर्व पर युवा शक्ति संगम कोलकाता द्वारा शिवपुर अवस्थित रामकृष्ण दरिद्र भंडार के बच्चों के बीच उपहार, मिठाईयां और होली सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हावड़ा डिस्ट्रिक प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय सिंह ने बच्चों को होली के त्योहार की शुभकामनाएं दीं और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बच्चों समेत संस्था के सदस्यों ने भी जमकर होली का लुत्फ उठाया। संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष यह सेवा कार्य किया जाता है। होली जैसा त्योहार जहां सब अपने परिवार, सगे-संबंधियों, दोस्तों और समर्थकों के साथ मिलकर मनाते हैं। ऐसे में संस्था ने होली से पहले इन जरूरतमंद बच्चों के साथ मिलकर हर्षोल्लास के साथ होली मनायी और बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लायी। यह कार्यक्रम संस्था के अध्यक्ष बिमल सिपानी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन मे विजय तिवारी, राजेंद्र सिंघी, अमन चौधरी, कृष सिंघी, वाशु सिपानी, निकिता सिंघी, देवराज माईती, राहुल सिंघी एवं दिशा पोद्दार का प्रशंसनीय योगदान रहा।

एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता ने महिला सशक्तिकरण के लिए पिंक फीस्ट चैलेंज किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय में पिंक फीस्ट चैलेंज का आयोजन किया। यह अनूठा कार्यक्रम लिंग समानता को बढ़ावा देने और महिला कैंसर उत्तरजीवियों के समर्थन में गुलाबी थीम वाले व्यंजन बनाने के लिए पुरुषों को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

इस प्रतियोगिता का निर्णायक मंडल प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों से बना था, जिसमें डॉ. अमरजीत सिंह, मुख्य संचालन अधिकारी, एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता; प्रो. (डॉ.) संकू बोस, कुलपति, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय; प्रो. सुचित्रिम सेन, प्रो-वाइस चांसलर (प्रशासन), सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय; प्रो. सुमन चटर्जी, रजिस्ट्रार, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय; प्रो. (डॉ.) भबतोश विश्वास, प्रोफेसर एमेरिटस, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय; और सुभीर रक्षित, सीएफओ, सिस्टर निवेदिता

विश्वविद्यालय शामिल थे। इस कार्यक्रम में 25 महिला कैंसर उत्तरजीवियों, महिला शिक्षकों, कॉलेज डीन और 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता के मुख्य संचालन अधिकारी डॉ. अमरजीत सिंह ने कहा, एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता में, पिंक फीस्ट चैलेंज केवल महिला स्वास्थ्य का उत्सव नहीं है, बल्कि यह प्रारंभिक स्क्रीनिंग और निदान के महत्व को याद दिलाने वाला एक शक्तिशाली संदेश है। एचसीजी कैंसर सेंटर के क्षेत्रीय व्यापार प्रमुख, प्रतीक जैन ने कहा, पिंक फीस्ट चैलेंज जैसे आयोजन समाज में समान भागीदारी को बढ़ावा देते हैं और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अहम कदम हैं। एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता की रेडियोटेरपी विशेषज्ञ डॉ. अभा कुमारी ने कहा, पिंक फीस्ट चैलेंज एचसीजी कैंसर सेंटर कोलकाता में हम जो एकता और सशक्तिकरण की भावना पोषित करना चाहते हैं, उसे व्यक्त करता है।

श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति का भक्तों में ठंडाई एवं जल की व्यवस्था

कोलकाता, समाज्ञा : श्री काशी विश्वनाथ सेवा समिति के द्वारा बड़ाबाजार में सत्यनारायण सवारी के उपलक्ष्य में समिति के अध्यक्ष विवेक गुप्ता के दिशानिर्देश पर भक्तों को ठंडाई एवं जल की व्यवस्था की गई। समिति के प्रधान सचिव बिमल दीवान, सह सचिव सुभाष सावलदावाला एवं मार्गदर्शक राजकुमार बोथरा के सलाह पर सेवा की जा रही है। समिति के सह सचिव पवन बसंल की देख रेख मे यह सेवा हो रही है। पवन बंसल ने बताया कि समिति यह सेवा पिछले 70 वर्षो से करती आ रही है। इस कार्य को सफल बनाने में समिति के कार्यकर्ता महेश काबरा, सोनु बोहरा, सुमित झुनझुनवाला, सुशील जोशी, राजेश अग्रवाल, अरुण झुनझुनवाला, सुमित गुप्ता, पार्षद विजय ओझा जोशी इन कार्यकर्ताओं के विशेष परिश्रम से सफल हो पाया।

हावड़ा में आधुनिक सुविधाओं से लैस नए इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने हाल ही में हावड़ा में नवनिर्मित इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ किया है, जो रेल संग्रहालय के पीछे स्थित है। यह आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भारतीय रेलवे की खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के लिए पेशेवर प्रशिक्षण वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस पूरे प्रोजेक्ट का डिजाइन और निर्माण केवल नौ महीनों में पूरा किया गया, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स कुल 6360 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें इनडोर क्षेत्र का आकार 800 वर्ग मीटर है, जो विभिन्न खेलों और गतिविधियों

के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करता है। इस परियोजना के महत्व को रेखांकित करते हुए डीआरएम संजीव कुमार ने कहा, यह सुविधा हावड़ा डिवीजन में खेलों को नई दिशा देने के साथ-साथ खेल क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करेगी। भारतीय रेलवे हमेशा ही असाधारण खिलाड़ियों का घर रहा है जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाया है।

यह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विभिन्न इनडोर खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिनमें टेबल टेनिस (ग्राउंड फ्लोर), जिमनैजियम (पहला मंजिल), बिलियर्ड्स और कैरम, शतरंज, बास्केटबॉल प्रैक्टिस क्षेत्र और बैडमिंटन कोर्ट्स शामिल हैं, जिनमें विशेष डिजाइन वाली फ्लोरिंग, टफेंड ग्लास पैनलिंग और आधुनिक लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। यह पहल भारतीय रेलवे के मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दृष्टि के अनुरूप है, जो देश की खेल दुनिया में प्रतिष्ठा को और मजबूत करेगा।

हावड़ा डिवीजन में होली के अवसर पर 14 मार्च को 65 ईएमयू लोकल ट्रेनें रद्द

कोलकाता, समाज्ञा : होली के अवसर पर विशेष रूप से सुबह के समय यात्री कम होने के कारण हावड़ा डिवीजन में 14 मार्च 2025 को 65 ईएमयू लोकल ट्रेनें रद्द की गई है। यह रद्दीकरण केवल यात्री कम होने के कारण किया गया है, ताकि ट्रेनों का संचालन अधिक प्रभावी रूप से किया जा सके। रद्द की गई ट्रेनें हावड़ा-वर्दवान (मुख्य और कोर्ड लाइन), हावड़ा-बंडेल (मुख्य लाइन), हावड़ा-शेउराफुली, हावड़ा-तारकेश्वर, नैहाटी-बंडेल, हावड़ा-श्रीरामपुर, और वर्दवान-कटवा मार्गों पर चलने वाली थीं। इन रद्द की गई ट्रेनों में प्रमुख अप और डाउन ट्रेनें शामिल हैं, जैसे हावड़ा-वर्दवान मुख्य लाइन की ट्रेनें

37819, 37711, 37843 (अप) और 37822, 37612 (डाउन), हावड़ा-वर्दवान कोर्ड लाइन की ट्रेनें 36071, 36817, 36825, 36827 (अप) और 36072, 36814, 36830, 36834 (डाउन) और हावड़ा-बंडेल मुख्य लाइन की ट्रेनें 37213, 37215, 37219, 37221, 37227 (अप) और 37224, 37202, 37232, 37236 (डाउन) शामिल हैं।

मालदह टाउन रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य लगभग पूरा, यात्रियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

कोलकाता, समाज्ञा : मालदह टाउन रेलवे स्टेशन को अमृत स्टेशन योजना के तहत शानदार तरीके से पुनर्विकसित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और उन्नत इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रदान करना है। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक की अगुवाई में यह परियोजना स्टेशन की कार्यक्षमता, सौंदर्य और समग्र यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए डिजाइन की गई है। इस पुनर्विकास के तहत कई महत्वपूर्ण बदलाव किए जा चुके हैं और कुछ कार्य अभी भी चल रहे हैं।

मालदह टाउन स्टेशन के आधुनिकीकरण में प्रमुख रूप से यात्रियों के लिए सुविधाओं का उन्नयन, स्टेशन के सौंदर्य और कार्यक्षमता में सुधार और डिजिटल प्रगति शामिल हैं। इसके अंतर्गत, प्रथम श्रेणी, द्वितीय

श्रेणी वेटिंग हॉल और आरक्षित लाउंज का नवीनीकरण किया गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर आराम मिलेगा। साथ ही, स्टेशन के कंकर्स क्षेत्र और प्रवेश पोर्टिको का सौंदर्यीकरण किया गया है। इसके अलावा, स्टेशन के संचलन क्षेत्र का लैंडस्केप विकास और केंद्रीय कमांड भवन का निर्माण किया गया है। यात्रियों को वास्तविक समय यात्रा जानकारी प्रदान करने के लिए इनडोर और आउटर वीडियो वॉल्स भी स्थापित की गई हैं। मालदा टाउन रेलवे स्टेशन का यह पुनर्विकास भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करने में जुटा है।

बंगाल में सभी धर्मों का सम्मान है : ममता

❑ राज्य सरकार ने पहली बार आयोजित किया होली मिलन उत्सव

❑ मुख्यमंत्री ने खेला डांडिया, भांगड़ा डांस भी किया

कोलकाता, समाज़ा : राज्य सरकार की तरफ से बुधवार को पहली बार होली मिलन उत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। अलीपुर स्थित धनधान्य स्टेडियम में आयोजित इस मिलन उत्सव में उद्योग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं आदि के बड़ी संख्या में प्रतिनिधि उपस्थित थे। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी को हैप्पी होली कहकर अपनी शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान ममता ने छोटे-छोटे बच्चों व महिलाओं के साथ जमकर डांडिया खेला। साथ ही, पंजाबी बिरादरी के लोगों के साथ खूब भांगड़ा डांस भी किया। इस होली मिलन उत्सव के आयोजन की जिम्मेदारी कोलकाता नगर निगम को दी गई थी। ममता ने कहा कि पहली बार राज्य सरकार की तरफ से होली पर इस तरह का बड़ा आयोजन हम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छे शरीर के साथ- साथ दिल भी कलरफूल होना चाहिए। बंगाल में सभी धर्मों का सम्मान है। आप सभी अपने- अपने त्यौहार उत्साहपूर्वक मनाएं। बंगाल में बिहार, गुजरात, पंजाब आदि सभी जगहों के लोग रहते हैं। सभी लोग मिल-जुलकर इस उत्सव का आनंद उठाएं। मैं सभी धर्मों से प्यार करती हूं। ममता ने कहा कि रमजान का पवित्र महीना भी चल रहा है और एक साथ मिलकर हमें सौजन्य से त्योहार मनाने हैं। उन्होंने होली त्योहार को आपसी भाईचारे और प्यार का प्रतीक बताया। ममता ने कहा कि होली मिलन उत्सव कार्यक्रम करके मैं प्रफूल्लित महसूस कर रही हूं। अगले साल से यह आयोजन और बड़े स्तर पर किया जाएगा। ममता ने घोषणा की कि अगले साल से यह कार्यक्रम नेताजी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री व गायक इंद्रनील सेन और बाबुल सुप्रियो ने शानदार लोकगीत प्रस्तुत किए। राज्य के सूचना व संस्कृति विभाग के सहयोग से यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में पुरुलिया से कुशल भारत समूह के प्रबंधक निदेशक नरेश अग्रवाल, दिनेश जैन, प्रदीप पटवा, भारत क्षत्रिय समाज से रंणधीर सिंह, बिहारी समाज से हरिंदर सिंह उपस्थित रहे।

मेट्रो यात्री को लौटाया गया खोया हुआ पर्स

कोलकाता : कोलकाता मेट्रो के कवि सुभाष स्टेशन पर एक महिला यात्री का खोया हुआ पर्स सुरक्षित लौटाया गया। घटना 11 मार्च 2025 की शाम करीब 7:30 बजे की है, जब आरपीएफ के एक ऑन-ड्यूटी कर्मी ने डाउन मेट्रो ट्रेन में गश्त के दौरान एक लावारिस पर्स पाया। तत्काल ही इसे स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में जमा कराया गया। जब पर्स खोला गया, तो उसमें कुछ मूल्यवान वस्तुएं मौजूद थीं। कुछ समय बाद, एक महिला यात्री कवि सुभाष मेट्रो स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं और पर्स को अपना होने का दावा किया। सभी आवश्यक प्रक्रियाओं और सत्यापन के बाद, मेट्रो रेलवे अधिकारियों ने पर्स और उसमें मौजूद सभी सामान उन्हें लौटा दिए। महिला ने कोलकाता मेट्रो रेलवे प्रशासन का दिल से आभार व्यक्त किया और उनकी ईमानदारी तथा तत्परता की सराहना की।

आमता विधानसभा क्षेत्र में सेहागरी जूनियर बालिका विद्यालय को दसवीं कक्षा तक अपग्रेड करने का प्रस्ताव

❑ मुख्यमंत्री ने शिक्षा मंत्री को दिए निर्देश

हावड़ा : आमता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत थलिया ग्राम पंचायत स्थित सेहागरी जूनियर बालिका विद्यालय को दसवीं कक्षा तक उन्नत करने का प्रस्ताव रखा गया। मंगलवार को आमता के विधायक सुकांत पाल ने विधानसभा सत्र के दौरान इस मुद्दे को उठाया और सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा की सुविधा सीमित है, इसलिए इस विद्यालय को हाई स्कूल में अपग्रेड करना बेहद जरूरी है। विधायक की इस मांग पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तुरंत शिक्षा मंत्री को निर्देश दिया कि इस प्रस्ताव को जल्द से जल्द लागू किया जाए। इससे स्थानीय छात्राओं को अपने ही गांव में दसवीं तक की पढ़ाई करने का अवसर मिलेगा और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। सरकार की इस त्वरित प्रतिक्रिया से स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है और वे उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही इस विद्यालय को हाई स्कूल में परिवर्तित किया जाएगा।

एआईएमआईएम नेता ने ईडन गार्डन को बताया वक्फ की संपत्ति, कहा... 'बंगाल में सबसे ज्यादा वक्फ की जमीन'

कोलकाता, समाज़ा : देश में इन दिनों वक्फ की संपत्ति को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। इस बीच, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के एक नेता ने नई बहस छेड़ दी है। पश्चिम बंगाल के एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष इमरान सोलंकी ने दावा किया है। उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स को वक्फ की संपत्ति बताया है। उन्होंने कहा है कि ईडन गार्डन्स की जमीन वक्फ की जमीन है। नेता ने ये भी दावा किया कि राज्य सरकार ईडन गार्डन्स को किराया देती है। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा वक्फ की जमीन है। उन्होंने दावा कि 8000 वक्फ की जमीन पर अतिक्रमण किया गया है, इन्हें जमीनों में ईडन गार्डन की जमीन भी

शामिल है। कोलकाता की पार्क स्ट्रीट में भी उन्होंने वक्फ की 105 प्रॉपर्टी होने की बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि कोलकाता में 2,595 एकड़ जमीन वक्फ की है। नेता ने फोर्ट विलियम को भी वक्फ की जमीन बताया। उन्होंने कहा कि बंगाल में वक्फ बोर्ड के लोग सरकार से मिले हुए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ की जमीन के लिए अब उनकी पार्टी आवाज उठाएगी और काम भी होगा।

फिरहाद हकीम ने बयान को बेतुका करार दिया, कहा... 'बीजेपी की बी टीम एआईएमआईएम'

वहीं, इस मामले पर तृणमूल नेता व मंत्री फिरहाद हकीम ने एआईएमआईएम नेता इमरान सोलंकी पर निशाना साधते हुए उनके बयान को बेतुका करार दिया है। हकीम ने कहा कि एआईएमआईएम बंगाल की एक पार्टी है, जिसका राज्य में कोई महत्व नहीं है और जिस पार्टी का कोई आधार नहीं है, वह बेतुका दावा कर रही है। उन्होंने कहा कि ईडन गार्डन्स को वक्फ की संपत्ति बताना सरासर गलत है। यही नहीं, मंत्री ने एआईएमआईएम को बीजेपी की बी टीम बताया। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम ने दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी के लिए वोट काटे, बिहार में इसने वोट काटे हैं। यह स्वीकार्य नहीं है। टीएमसी नेता ने कहा कि पार्टी सिर्फ बीजेपी के लिए काम करती है और दूसरी पार्टियों के वोट काटने के लिए चुनाव में खड़ी होती है।

जमीन के विवाद में चाचा की पीट-पीटकर की हत्या, दो गिरफ्तार

कोलकाता, समाज़ा

जमीन के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम हानिफ मंडल(58) है। यह दुखद बुधवार की सुबह बनगांव थाना क्षेत्र के चांदा जमतला इलाके में घटी। हानिफ की हत्या के आरोप में उसके भतीजे पियानुर मंडल और भाभी आजिफा मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हानिफ मंडल और उसके भतीजे पियानुर के बीच लंबे समय से जमीन के मालिकाना हक को लेकर विवाद चल रहा था। हानिफ को कई बार जान से मारने की धमकी भी मिल चुकी थी। बुधवार सुबह, हानिफ मंडल अपने खेत में बाड़े का काम कर रहे थे, तभी पियानुर पहुंचा और दोनों के बीच फिर से विवाद शुरू हो गया। इस बीच पियानुर ने अपने चाचा की पिटाई शुरू कर दी और उन्हें ईंटों से मारने लगा। आरोप है कि पियानुर की मां, आजिफा भी हानिफ पर वार करने लगी। गंभीर हालत में हानिफ को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की परिवार वालों ने आरोपियों के खिलाफ हत्या करने की शिकायत दर्ज करायी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी। आरोपियों को बुधवार को ही बनगांव महकमा अस्पताल में पेश किया गया।

तारापीठ मंदिर परिसर में अवैध निर्माण को लेकर हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर

कोलकाता, समाज़ा : बीरभूम में तारापीठ मंदिर परिसर में अवैध निर्माण को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। वादी के अनुसार, मंदिर परिसर में अवैध निर्माण कार्य चल रहा है। बुधवार को वादी के वकील ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति चैताली चटर्जी की खंडपीठ का ध्यान इस ओर आकर्षित किया। उन्होंने निर्माण कार्य रोकने के लिए अदालत से शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया। बता दें कि तारापीठ महाश्मशान के निकट कचरा डंप पर कंक्रीट संरचना के निर्माण को लेकर पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा है। बीरभूम जिला भाजपा ने निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे को मिट्टी डालकर अवरुद्ध कर दिया है। स्थानीय लोगों के एक वर्ग ने आरोप लगाया है कि तारापीठ रामपुरहाट विकास बोर्ड तारापीठ महाश्मशान में वैष्णव समुदाय के समाधि स्थल पर एक स्थायी कंक्रीट कचरा डंप का निर्माण कर रहा है। भाजपा ने आरोप लगाया कि यह निर्माण कार्य वैष्णव समुदाय के मृतक सदस्यों के समाधि स्थल पर किया जा रहा है। उसने यह भी आरोप लगाया कि वैष्णव समुदाय को अपमानित करने के लिए स्थायी कंक्रीट निर्माण की योजना बनाई जा रही है। हालांकि, सिंचाई विभाग ने काम फिर से शुरू कर दिया। इस बार, उसके खिलाफ हाई कोर्ट में मामला दायर किया गया। वादी का दावा है कि मंदिर के बगल में केवल एक श्मशानघाट है। वहां कोई अन्य निर्माण नहीं है। वहां पर्यावरण को नष्ट करने के लिए कंक्रीट निर्माण किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई इसी सप्ताह होने की संभावना है।

उधार में बिरयानी नहीं मिली तो न्यूटाउन में युवक ने दुकानदार का फोड़ा सिर

कोलकाता, समाज़ा : न्यूटाउन के सापुरजी इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक ने उधार में बिरयानी न देने पर दुकानदार पर हमला कर दिया। इस हमले में दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, अजय सरदार नामक युवक अक्सर इस दुकान से उधार में बिरयानी लेता था, लेकिन पैसे नहीं चुकाता था। मंगलवार को उसने एक बार फिर 10 प्लेट बिरयानी मांगी, लेकिन जब दुकानदार रूपम बिस्वास ने बिना पैसे बिरयानी देने से इनकार कर दिया, तो आरोपी ने पहले दुकान में तोड़फोड़ की और फिर दुकान मालिक पर हमला कर दिया। आरोप है कि युवक ने विकेट से प्रहार कर दुकानदार का सिर फोड़ दिया,

जिससे वह लहूलुहान हो गया। घायल दुकानदार को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद टेक्नो सिटी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश जारी है।

हावड़ा स्टेशन से बच्चे के अपहरण में मुख्य महिला तस्कर गिरफ्तार

❑ बच्चे को बचाने के लिए राजस्थान में जांच दल भेजने का निर्णय

हावड़ा, समाज़ा : हावड़ा स्टेशन से बच्चे के अपहरण के मामले में हावड़ा रेलवे पुलिस ने मुख्य तस्कर महिला को गिरफ्तार किया है। हालांकि अब तक बच्चे को बरामद नहीं किया जा सका गत 5 मार्च को हावड़ा स्टेशन के पुराने परिसर से हुगली की एक महिला की साढ़े तीन साल की बेटी को एक महिला ने अपहरण कर लिया था। इस घटना की जांच हावड़ा रेलवे पुलिस ने शुरू की और हावड़ा स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज से पता चला कि अपहर्ता महिला बच्चे को लेकर नंबर 1 प्लेटफॉर्म के पास से सबवे होते हुए स्टेशन के पास के बस स्टैंड की ओर जा रही थी। सीसीटीवी फुटेज से पुलिस ने उस महिला की पहचान की। मंगलवार रात को उलुबेड़िया के कुलगाछिया, बेलतला, पोटोपाड़ा से शहनारा बेगम नामक महिला को उसके घर से गिरफ्तार किया गया, लेकिन बच्चे को बरामद नहीं किया जा सका। प्रारंभिक जांच में पुलिस ने पाया कि बच्चे को राजस्थान के किसी दंपति को बेच दिया गया है। बच्चे को बचाने के लिए रेलवे पुलिस ने राजस्थान में जांच दल भेजने का निर्णय लिया है। बुधवार को गिरफ्तार महिला को हावड़ा अदालत में पेश किया गया, जहां जांचकर्ताओं ने उसे पूछताछ के लिए अपनी हिरासत में लेने की मांग की। रेलवे पुलिस की ओर से हावड़ा अदालत के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के समक्ष उसकी हिरासत में लेने के लिए आवेदन किया गया है।

श्री गणेश लक्ष्मी मार्केट एसोसिएशन में मना होली महोत्सव

हावड़ा, समाज़ा : हावड़ा के बांट्रा मधुसूदन पॉल चौधरी लेन स्थित श्री गणेश लक्ष्मी मार्केट के व्यापारियों ने मार्केट के अंदर प्रथम बार अपने हॉल में अबीर गुलाल लगाकर धूमधाम से होली मनाया। एसोसिएशन के सचिव भोला जायसवाल ने सभी व्यापारियों का स्वागत किया। अध्यक्ष धर्मराज जायसवाल ने सभी को धन्यवाद देते हुए हर वर्ष होली दीपावली करने का भरोसा दिलाया। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष महेंद्र संथालिया ने आए हुए अतिथियों को जलपान और भोजन करवाके के दिल जीत लिया। उप-स्थित व्यापारियों में राधेश्याम जायसवाल, रोशनलाल अग्रवाल, विनय अंचल, सतेंद्र जायसवाल, दिनेश अग्रवाल, मनोज जैन, मोहित जिंदल, अमित जिंदल, अभिजीत, विजय विश्वकर्मा, सुरेंद सांव, नितेश जायसवाल, घनश्याम जायसवाल, अशोक जायसवाल, मनोज जायसवाल, अनूप बारीकियां, पलटू, नरेंद्र संथालिया, संजय अग्रवाल, अंकित संथालिया ने होली का भरपूर आनंद लिए।

कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसिएशन का होली प्रीति सम्मेलन भव्य रूप से आयोजित

कोलकाता, समाज़ा : कोलकाता की साड़ी एवं गार्मेंट्स की एकमात्र पुरानी संस्था कलकत्ता साड़ी डीलर्स एसोसिएशन का रंगोत्सव-2025 का होली प्रीति सम्मेलन का मनमोहक कार्यक्रम कर्मठ अध्यक्ष निर्मल सराफ के नेतृत्व में नयी ऑफिस में भव्य रूप से आयोजित किया गया। संस्था के पूर्व अध्यक्षों वरिष्ठ सदस्यों के द्वारा होली का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में विनायक ढप्प पार्टी ने राजस्थानी संगीत एवं नृत्य द्वारा सबका मन मोहित कर लिया। इस कार्यक्रम की सफलता में प्रकाश चंडालिया की उपस्थिति विशेष रही। एसोसिएशन के इस रंगारंग कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने संगीत कार्यक्रम एवं मनभावन अल्पाहार का लुफ्त उठाकर आनंदित हुए। इस कार्यक्रम की सफलता में संयोजक संजय चोपड़ा की विशेष भूमिका रही। इस रंगारंग कार्यक्रम में पार्षद विजय ओझा, विद्यासागर मंत्री, समाज़ा हिन्दी दैनिक के संपादक अनिल राय, टेक्सटाईल एजेट एसोसिएशन के शशि नरसिया, मंत्री संजय अग्रवाल, कैलाश चंद बड़जात्या, पवन कुमार मोदी, सुशील गोयल, संजय अग्रवाल, रमेश चंद जैन, विनोद कोचर, कन्हैया लाल कोठारी, हिम्मत सिंह बरमेचा, गोपाल कोठारी, सत्यनारायण डीडवानिया, पवन जाजोड़िया, भूपेश अग्रवाल, अनिमेष सिंगरोदिया समेत अन्य उपस्थित रहे।

कैनिंग में टूथपेस्ट के अंदर सोना तस्करी, पुलिस ने सात तस्करों को किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज़ा : दक्षिण 24 परगना के कैनिंग में अब तक की एक नई तस्करी का खुलासा हुआ है। जिसमें सोना टूथपेस्ट की ट्यूब के अंदर छिपाकर तस्करी की जा रही थी। बुधवार को कैनिंग-बारुईपुर रोड पर ढलिरबाती मोड़ के पास पुलिस ने नाका चेकिंग अभियान चलाया, जिसके दौरान कैनिंग थाना की पुलिस ने सात सोना तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हावड़ा से चोरी किया गया सोना एक चार पहिया वाहन में भरकर कैनिंग लाया जा रहा था। गुप्त सूचना मिलने पर कैनिंग थाना पुलिस ने नाका चेकिंग के दौरान संदिग्ध वाहन को रोका और उसकी तलाशी ली। इस तलाशी में पुलिस को टूथपेस्ट की ट्यूब में छिपाकर रखा गया 70 ग्राम सोना बरामद हुआ, जिसकी बाजार में कीमत करीब 6 लाख रुपये है। पुलिस ने सभी सात तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है और उन्हें बुधवार को ही अलीपुर कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपियों को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और तस्करी के इस गिरोह के अन्य सदस्य को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया है।

नहीं टिका पुलिस के खिलाफ उत्पीड़न का आरोप, यौन उत्पीड़न के आरोपी जादवपुर विश्वविद्यालय के छात्र को हाई कोर्ट से झटका

कोलकाता : जादवपुर विश्वविद्यालय के छात्र उदितीपन कुंडू को बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट से राहत नहीं मिली। यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी इस छात्र ने कोलकाता पुलिस पर जांच के नाम पर परेशान करने का आरोप लगाया था और इस संबंध में हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। लेकिन न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में फिलहाल कोई अंतरिम आदेश नहीं दिया जा सकता और पुलिस को अपनी जांच जारी रखने की पूरी छूट दी गई है।

उदितीपन कुंडू ने आरोप लगाया था कि पुलिस जांच के नाम पर उन्हें प्रताड़ित कर रही है और जबरन मोबाइल फोन जमा करने के लिए कह रही है। उनका दावा था कि मोबाइल एक व्यक्तिगत डिवाइस है, जिसमें कई निजी जानकारियां होती हैं और उन्हें सार्वजनिक करने को वह तैयार नहीं हैं। अदालत में उनके वकील ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने भी मोबाइल फोन को एक निजी संपत्ति के रूप में मान्यता दी है और पुलिस का इस तरह फोन जमा कराना अनुचित है।

हालांकि, सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति तीरथंकर घोष ने साफ शब्दों में कहा कि याचिकाकर्ता का नाम एफआईआर में दर्ज है और वह आरोपी है। ऐसे में अदालत इस जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि किसी आरोपी को राहत देना गलत संदेश दे सकता है।

हालांकि, अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि पुलिस को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्रों को उनके मोबाइल फोन वापस मिलें ताकि उन्हें नया फोन खरीदने की जरूरत न पड़े। इसके साथ ही अदालत ने दोनों पक्षों को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

हाई कोर्ट ने जादवपुर इलाके में राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर से रोक हटाई

❑ कार्यक्रमों के लिए संबंधित अधिकारियों या प्रशासन से लेनी होगी अनुमति

कोलकाता, समाज़ा : कलकत्ता हाई कोर्ट ने जादवपुर विश्वविद्यालय क्षेत्र में राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर प्रतिबंध लगाने के अपने आदेश को वापस ले लिया है। हालांकि, अब से वहां कार्यक्रमों के लिए संबंधित अधिकारियों या प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। हाई कोर्ट ने कहा कि अधिकारी मामले पर विचार करेंगे और निर्णय लेंगे। उल्लेखनीय है कि तृणमूल प्रोफेसरों के संगठन वेबकूपा के वार्षिक सम्मेलन को लेकर पिछले शनिवार को जादवपुर विश्वविद्यालय में तनाव उत्पन्न हो गया था। शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु और दो छात्र भी घायल हो गए थे। भाजपा ने विश्वविद्यालय में अराजकता का आरोप लगाते हुए विरोध मार्च निकालने की मांग करते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। उसने अदालत को बताया कि नेता प्रतिपक्ष रविवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सुलेखा चौराहे से जादवपुर पुलिस स्टेशन तक जुलूस निकालेंगे। राज्य के वकील ने इस कार्यक्रम पर आपत्ति जताई। राज्य के वकील ने तर्क दिया कि यदि कोई गड़बड़ी हुई तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? उस मामले में न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने 13 मार्च तक विश्वविद्यालय से सटे इलाके में राजनीतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर प्रतिबंध लगा दिया था। न्यायाधीश ने कहा था कि अदालत किसी भी अवैध कार्य का समर्थन नहीं करती है। अब इसे वापस ले लिया गया है।

बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है हानिकारक चाइनीज अबीर!

होली से पहले खुफिया एजेंसियों की राज्यभर में कड़ी निगरानी

कोलकाता, समाज़ा : होली से पहले कोलकाता और राज्य के अन्य हिस्सों में सस्ते चीनी अबीर की बिक्री पर कोलकाता पुलिस और खुफिया एजेंसियों की कड़ी नजर है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, चीन से अवैध रूप से तस्करी कर लाए गए इन अबीरों में हानिकारक रसायन मिले होने की आशंका है, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि हर साल होली और दोलोत्सव से पहले अबीर और रंगों की बिक्री तेज हो जाती है। बड़े बाजारों, दुकानों और सड़कों पर अस्थायी स्टॉलों में ये उत्पाद धड़ल्ले से बिकते हैं। खुफिया जानकारी के मुताबिक, कुछ भारतीय व्यापारिक कंपनियां चीन से अबीर और रंग आयात करती हैं, जिनमें से कुछ उच्च गुणवत्ता वाले होते हैं। लेकिन समस्या उन सस्ते चीनी अबीरों को लेकर है, जो चोरी-छिपे नेपाल के रास्ते उत्तर बंगाल और बिहार होते हुए कोलकाता के बड़े बाजारों में पहुंचाए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कोलकाता के बड़े व्यापारिक इलाकों, खासकर बड़ाबाजार में कुछ व्यापारियों ने इन सस्ते चीनी अबीरों का भंडारण कर रखा है। इनमें से कई को देश में बने अबीर के साथ मिलाकर बेचा जाता है, जबकि कुछ को अलग से पैक कर बाजार में उतारा जाता है। खुफिया सूत्रों की मानें तो इन चीनी अबीरों की कीमत स्थानीय अबीर की तुलना में काफी कम होती है। जहां भारतीय अबीर की कीमत 60 से 120 रुपये प्रति किलो होती है, वहीं चीनी अबीर महज 30 से 50 रुपये प्रति किलो में उपलब्ध है। इसी कारण यह व्यापारियों के लिए फायदे का सौदा बन जाता है और वे इसे धड़ल्ले से खरीद रहे हैं। कोलकाता पुलिस और खुफिया एजेंसियां इन सस्ते चीनी अबीरों की रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई कर रही हैं। बड़ाबाजार सहित अन्य गोदामों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

फेफड़े-हार्ट से लेकर कैंसर तक, ये एक आदत बढ़ा रही है कई जानलेवा बीमारियां; आप भी तो नहीं हैं शिकार?

तंबाकू और धूम्रपान को सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक माना जाता है। आंकड़ों से पता चलता है कि 253 मिलियन (25.3 करोड़) से अधिक तम्बाकू उपयोगकर्ताओं के साथ, भारत दुनिया में तम्बाकू उपयोग की सबसे अधिक दर वाले देशों में से एक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ तम्बाकू के कारण होने वाली बीमारियों और इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते अतिरिक्त दबाव को लेकर अलर्ट करते रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, तंबाकू का किसी भी रूप में इस्तेमाल स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। इससे हृदय रोग, मौखिक स्वास्थ्य और सांस संबंधी समस्याएं, त्वचा से संबंधित बीमारियां और कई प्रकार के कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, अच्छी सेहत चाहते हैं तो तंबाकू-धूम्रपान से दूरी बनाना सबसे जरूरी है। अगर आप इसका सेवन करते रहे हैं और आज से भी इसे छोड़ देते हैं तो भी आप कई बीमारियों के खतरे को काफी कम कर सकते हैं। इतना ही नहीं धूम्रपान छोड़ने के एक दिन के भीतर ही आपके शरीर में कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव होने शुरू हो जाते हैं।

तंबाकू के कारण बढ़ रही हैं कई बीमारियां

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) के अनुसार, तंबाकू सेवन के कारण हर साल दुनियाभर में लगभग 80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इनमें से 12 लाख लोग सेकेंड-हैंड स्मोकिंग (दूसरों द्वारा किए गए धूम्रपान) से प्रभावित होते हैं। तंबाकू-धूम्रपान शरीर को कई प्रकार से प्रभावित करता है।

तंबाकू के कारण फेफड़े, मुंह, गले, पाचन तंत्र और मूत्राशय के कैंसर का खतरा बढ़ा जाता है।

ये धमनियों में रुकावट का खतरा बढ़ा देती है जिससे हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक का खतरा हो सकता है।

फेफड़े की बीमारियों जैसे क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, एम्फायसेमा और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के लिए भी धूम्रपान को बड़ा कारण माना जाता रहा है।

तंबाकू और धूम्रपान के कारण पुरुषों में शुक्राणु की गुणवत्ता कम होने और स्त्रियों में गर्भपात का खतरा बढ़ता है।

तंबाकू से दूरी बनाने के लिए इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण

हालांकि तंबाकू-धूम्रपान छोड़ने संबंधित आंकड़े काफी चिंताजनक हैं। लोग इससे होने वाली बीमारियों के डर के चलते दूरी तो बनाते हैं पर 95% लोग तंबाकू छोड़ने की अपनी यात्रा में असफल हो जाते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, तंबाकू से दूरी बनाने के लिए इच्छाशक्ति महत्वपूर्ण है, यही आपको पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करती है। हालांकि सिर्फ इच्छाशक्ति ही पर्याप्त नहीं है, इसके लिए विशेषज्ञों की मदद लेना भी काफी महत्वपूर्ण हो जाता है। हालांकि भारत में देखा गया है कि अधिकतर लोग केवल इच्छाशक्ति पर भरोसा करते हैं और मदद नहीं मांगते।

तंबाकू छोड़ने के क्या तरीके हैं?

- तंबाकू की लत शारीरिक और मानसिक निर्भरता से जुड़ी होती है, इसलिए इसे छोड़ने के लिए सही रणनीति और इच्छाशक्ति जरूरी है।
- सबसे पहले तंबाकू छोड़ने का ठोस निर्णय लें और खुद को याद दिलाएं कि क्यों छोड़ना चाहते हैं।
- निकोटीन पैच, च्युइंग गम और इनहेलर से धीरे-धीरे शरीर को निकोटीन की आदत से छुड़ाया जा सकता है।
- तनाव प्रबंधन, ध्यान और व्यायाम की मदद से तंबाकू छोड़ने की इच्छाशक्ति बढ़ सकती है।
- निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एनआरटी) की मदद लेकर आप इससे दूरी बना सकते हैं। एनआरटी की मदद से दुनियाभर में लाखों लोगों ने धूम्रपान की आदत से सफलतापूर्वक छुटकारा पाया है। डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमोदित इस तरीके की मदद से आप भी तंबाकू छोड़ सकते हैं।

धूम्रपान छोड़ने से होने लगते हैं शरीर में सकारात्मक बदलाव

धूम्रपान छोड़ने का मतलब है, इसकी लत के चक्र को तोड़ना और मस्तिष्क को निकोटीन की आदत से रोकने के लिए पुनः व्यवस्थित करना।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, धूम्रपान छोड़ने से रक्तचाप कम होने लगता है और फेफड़े-हृदय रोगों का खतरा भी कम हो जाता है।

धूम्रपान छोड़ने के एक दिन के भीतर ही आपके शरीर में कई बदलाव शुरू हो जाते हैं।

धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ एक दिन बाद ही आपमें हार्ट अटैक होने का जोखिम भी पहले की तुलना में कम होने लगता है।

बीमारियों का इलाज कराने में महिलाएं काफी पीछे, 40 की उम्र में हो रहा मेनोपॉज

वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां काफी तेजी से बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक दशक के आंकड़े उठाकर देखें तो पता चलता है कि सभी उम्र के लोगों में हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर सहित कई अन्य प्रकार की बीमारियों का जोखिम तेजी से बढ़ता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर, महिलाओं में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं और तेजी से बढ़ी हैं, जिसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव भी बढ़ता जा रहा है।

मेडिकल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि चिंता और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित होने की आशंका पुरुषों की तुलना में महिलाओं में लगभग दोगुनी है। इसे भारत में रिपोर्ट की जाने वाली आत्महत्याओं में से 36.6% के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने महिलाओं की सेहत से जुड़ी चुनौतियों पर लोगों का ध्यान आकृष्ट किया। कैंसर की जांच, मानसिक स्वास्थ्य सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि लापरवाही, सुविधाओं की अनुपलब्धता जैसे कारणों के चलते रोगों का इलाज करवाने में महिलाएं पीछे रह जाती हैं, जिसके कारण उनमें कई प्रकार की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

समय पर इलाज नहीं करा पाती हैं महिलाएं

मंगलवार (11 मार्च) को आयोजित एक कार्यक्रम में एशिया पैसिफिक एडवाइजरी कॉउन्सिल की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने इन्क्लूसिव और लैंगिक रूप से संवेदनशील स्वास्थ्य सेवा की आवश्यकता पर जोर दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, अब भी भारतीय महिलाएं रोगों का इलाज करवाने में काफी पीछे हैं, अधिकतर महिलाएं इन मामलों में लापरवाही करती हैं।

कार्यक्रम में एम्स की पूर्व प्रोफेसर डॉ नीरजा भटला ने कहा कि महिलाओं में एनीमिया, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर सहित दूसरी समस्याएं बढ़ रही हैं। इनका समय पर निदान और इलाज न हो पाने के कारण रोग के गंभीर रूप लेने और इलाज में जटिलाओं का खतरा और भी बढ़ जाता है।

सुविधाओं की कमी बड़ी चुनौती

इससे पहले जनवरी में सुलभ सेनिटेशन मिशन फाउंडेशन ने एक सर्वे की रिपोर्ट में बताया कि देश में महिला चिकित्सकों की कमी के चलते करीब 91% महिलाएं मासिक धर्म और इससे संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का परामर्श नहीं ले पाती हैं। मासिक धर्म के दौरान लड़कियों ने स्कूल के शौचालयों के उपयोग करने में डर की बात स्वीकार की है क्योंकि इनकी गुणवत्ता खराब होती है। इसके कारण मासिक धर्म के दौरान बड़ी संख्या में लड़कियां अनुपस्थित रहती हैं।

समय से पहले रजोनिवृत्ति होना चिंताजनक

नेचर जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, पिछले दशकों की तुलना में अब महिलाओं में समय से पहले रजोनिवृत्ति देखी जा रही जिसके कारण भी स्वास्थ्य पर गंभीर असर देखा जा रहा है।

भारत में 30 से 49 वर्ष की आयु की 15% महिलाओं में रजोनिवृत्ति की स्थिति देखी जा रही है जबकि इसका समय मुख्यरूप से 55 वर्ष माना जाता रहा है। कुछ महिलाओं को 40 वर्ष की आयु से पहले ही इसका अनुभव हो रहा है।

समय से पहले रजोनिवृत्ति एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है क्योंकि इससे हृदय, हड्डियों और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं। इसके लिए कई प्रकार के पर्यावरणीय और लाइफस्टाइल से संबंधित स्थितियों को जिम्मेदार माना जा रहा है।

गठिया ने जीवन की रोक दी है रफ्तार?

उम्र बढ़ने के साथ जिन स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम सबसे ज्यादा बढ़ जाता है, आर्थराइटिस और घुटनों की दिक्कतें उनमें से एक है। उम्र बढ़ने के साथ जोड़ों का घिसाव और इसमें क्षति होने की आशंका बढ़ जाती है। यदि परिवार में पहले से किसी को गठिया की समस्या रही हो या फिर आप मोटापे का शिकार हैं तो आपमें इसका जोखिम और अधिक हो जाता है।

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी के कारण अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। घुटनों में दर्द और आर्थराइटिस की समस्या आमतौर पर उम्र बढ़ने, जीवनशैली, चोट या आनुवंशिक कारणों के चलते होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं जिन लोगों का वजन अधिक होता है उनमें घुटनों की समस्या होने का खतरा और भी अधिक देखा जाता है, घुटने पर अतिरिक्त वजन का दबाव पड़ने से जोड़ों में दर्द और सूजन हो सकती है।

घुटनों की बढ़ती इस समस्या से बचाव के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को नियमित व्यायाम करने, वजन कम रखने और आहार को ठीक रखने की सलाह देते हैं।

गठिया की बढ़ती दिक्कत, क्या करें?

अगर आपको भी गठिया के लक्षण महसूस हो रहे हैं जैसे जोड़ों में दर्द या सूजन बना रहता है तो समय रहते डॉक्टर से परामर्श करना जरूरी है। सही खानपान, व्यायाम और जीवनशैली में बदलाव से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

अध्ययनों से पता चलता है कि नियमित व्यायाम करना हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए फायदेमंद है। आहार में कैल्शियम, विटामिन डी, और ओमेगा-3 फैटी एसिड शामिल करें। घुटने के दर्द से राहत पाने के लिए घरेलू उपाय और जीवनशैली में बदलाव अत्यधिक प्रभावी हो सकते हैं। ये उपाय न केवल दर्द को कम करते हैं, बल्कि घुटने की मांसपेशियों और जोड़ों को मजबूत भी बनाते हैं।

गठिया के लक्षणों और दर्द से कैसे पाएं आराम?

गठिया के लक्षणों और दर्द को कम करने के लिए आहार में कुछ बदलाव भी मददगार हो सकते हैं।

आहार में हल्दी को जरूर शामिल करिए इसमें मौजूद करक्यूमिन सूजन को कम करने में मदद करता है। यही कारण है कि चोट और सूजन पर हल्दी का लेप लगाने की सलाह दी जाती है।

इसके अलावा ओमेगा-3 फैटी एसिड वाली चीजें जैसे मछली और अलसी के बीज का सेवन भी सूजन कम करने में मदद करता है।

लहसुन, ब्रोकली, नट्स और सीड्स में भी ऐसे कारगर तत्व होते हैं जो सूजन को कम करके गठिया के दर्द से राहत दिलाने में मददगार हो सकते हैं।

हल्दी और दूध का सेवन

हल्दी में कर्क्यूमिन नामक तत्व होता है, जो प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी है। एक गिलास गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर रात को सोने से पहले पिएं। यह सूजन और दर्द को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा सेंधा नमक का प्रयोग भी आपके लिए फायदेमंद है। एक टब गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाएं और उसमें अपने घुटने को डुबोकर रखें। इससे भी दर्द में आराम मिलता है।

वजन नियंत्रित रखें

अधिक वजन होने से घुटनों पर दबाव बढ़ता है, जिससे दर्द और सूजन बढ़ सकती है, इसलिए जरूरी है कि आप वजन को कंट्रोल रखें। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम से वजन नियंत्रित रखें। अलसी के बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करते हैं। इसके सेवन से भी वजन को बढ़ने से रोकने में मदद मिल सकती है।

डायबिटीज के बारे में कितना जानते हैं आप?

डायबिटीज लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी से संबंधित बीमारी है। इसमें ब्लड शुगर का लेवल काफी बढ़ जाता है। शुगर को कंट्रोल रखने के लिए खान-पान और लाइफस्टाइल को ठीक रखना जरूरी हो जाता है। डॉक्टर कहते हैं, किसी भी बीमारी से बचाव और इसकी जटिलताओं को कम करने के लिए इसके बारे में सही जानकारी होना जरूरी है।

आइए डायबिटीज से जुड़े कुछ मिथ्स और फैक्ट्स के बारे में जानते हैं।

डायबिटीज को कंट्रोल रखने के उपाय जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डायबिटीज जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है। एक अध्ययन के अनुसार देश में 50% लोगों को अपने ब्लड शुगर लेवल की जानकारी नहीं होती है। ऐसे में चाहे आपको डायबिटीज है या नहीं, जीवनशैली से जुड़ी ये बातें पता होनी चाहिए। सही खानपान, व्यायाम, दवा और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इसे नियंत्रित रखा जा सकता है। डायबिटीज के बारे में सही जानकारी होना भी जरूरी है।

मिथ- डायबिटीज की दवा शुरू हो गई, तो कभी बंद नहीं होती।

डायबिटीज रोगियों को आहार और दिनचर्या के साथ-साथ दवाओं का भी विशेष ध्यान देते रहना चाहिए। शुरुआती स्थिति में सही जीवनशैली अपनाने से दवाओं की जरूरत कम होती है। कुछ मामलों में बंद भी हो सकती है। हालांकि जिन लोगों को गंभीर डायबिटीज की समस्या है और इसका अन्य अंगों पर भी असर होने लगा है तो आपके डॉक्टर की सलाह पर लंबे समय तक दवा लेते रहने की आवश्यकता हो सकती है।

मिथ: ज्यादा मीठा खाने से होती है डायबिटीज

डायबिटीज होने के लिए कई कारण जिम्मेदार होते हैं। इसमें अनुवांशिकता, मोटापा, शारीरिक निष्क्रियता और खराब जीवनशैली शामिल हैं। सिर्फ मीठा खाने से ही डायबिटीज नहीं होती, लेकिन अत्यधिक चीनी का सेवन जोखिम बढ़ा सकता है। मीठे पेय पदार्थ, ज्यादा चीनी वाली चीजों के अलावा कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों का सेवन कम से कम करना चाहिए। ये हाई कैलोरी वाली होती हैं जिससे डायबिटीज का खतरा हो सकता है।

टाइप 2 डायबिटीज केवल मोटे लोगों को होती है।

मोटापा या अधिक वजन के शिकार लोगों में डायबिटीज और इसके कारण होने वाली समस्याएं अधिक देखी जाती हैं पर ऐसा नहीं है कि ये बीमारी सिर्फ मोटापा के शिकार लोगों को ही होती है। पतले लोग भी टाइप-2 डायबिटीज से प्रभावित हो सकते हैं। अगर आपकी शारीरिक गतिविधि कम है, खान-पान ठीक नहीं है या फिर आपमें इसका आनुवांशिक जोखिम है तो इससे भी डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है।

मिथ: डायबिटीज वाले लोग फल नहीं खा सकते।

फल प्राकृतिक शर्करा (फ्रुक्टोज) से भरपूर होते हैं, लेकिन फाइबर और पोषक तत्व भी देते हैं। ऐसा नहीं है कि डायबिटीज रोगी फल नहीं खा सकते हैं, पर कौन से फल खाने चाहिए इसका ध्यान रखना जरूरी है। लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले फलों जैसे (सेब, नाशपाती, अमरूद जामुन) का नियंत्रित मात्रा में सेवन करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। फाइबर वाले फलों को आहार का हिस्सा बनाए।

होली खेलते समय लापरवाही आंखों के लिए बढ़ा सकती है दिक्कत

होली रंगों और उत्साह का त्योहार है। लजीज पकवान, लोगों से मिलना-जुलना, एक दूसरे को रंग लगाना और प्रेम व्यक्त करना इस पर्व को काफी खास बना देता है। गुझिया-ठंडाई और मस्त पकवान इस त्योहार में चार-चांद लगा देते हैं। हालांकि होली के आनंद और उत्साह के बीच सेहत को लेकर सावधानी बरतते रहना भी बहुत जरूरी है।

आइए जानते हैं कि होली का आनंद लेते समय आंखों का ख्याल कैसे रखा जा सकता है? आपको किन बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिए?

होली के दौरान आंखों का रखें खास ख्याल

बाजार में मिलने वाले गुलाल में कई बार बारीक पिसा कांच और हानिकारक रसायन हो सकते हैं जिससे त्वचा और आंखों को गंभीर क्षति का जोखिम हो सकता है। अगर आपको सूखे रंग या गुलाल में चमक दिखती है तो यह कांच के पाउडर हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि रंग खेलते समय आंखों जैसे शरीर के नाजुक अंगों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाए।

क्या कहते हैं नेत्र रोग विशेषज्ञ?

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ समीर शेख कहते हैं, होली के दौरान और बाद में ओपीडी में आंखों की समस्या के शिकार लोगों के मामले काफी बढ़ जाते हैं। इसलिए सभी लोगों को पहले से ही कुछ बातों पर विशेष ध्यान देते रहना चाहिए।

होली खेलते समय आंखों की सुरक्षा के लिए गॉगल्स या सनग्लास पहनें। इससे आंखों को रंग और गंदे पानी से बचाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा सबसे जरूरी है कि आप सिर्फ ऑर्गेनिक और हर्बल रंगों का इस्तेमाल करें, कैमिकल युक्त रंगों से आंखों में जलन और एलर्जी हो सकती है।

होली के बाद आंखों में जलन हो तो क्या करें?

अगर होली के बाद आपको जलन या लालिमा महसूस होती है, तो आंखों को आराम देने के लिए ये आसान घरेलू उपचार आजमा सकते हैं।

- सूजन को कम करने और जलन से राहत पाने के लिए एक साफ कपड़े का उपयोग करके ठंडी सिकाई करें।
- अपनी आंखों को साफ करने और उन्हें तरोताजा करने के लिए ठंडे गुलाब जल का उपयोग करें।
- आंखों के आस-पास ताजा एलोवेरा लगाएं।
- तुरंत ठंडक और राहत के लिए अपनी बंद पलकों पर ठंडे खीरे के टुकड़े रखें।

आंखों में रंग चला जाए तो क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, होली खेलते समय कई बार रंग या गुलाल आंखों में जा सकता है, इससे जलन, लालिमा और कई अन्य तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। अगर गलती से आंखों में रंग चला जाए तो तुरंत साफ और ठंडे पानी से धो लें। रंग लगे हाथों से आंखों को रगड़ने से बचें इससे इन्फेक्शन हो सकता है। अगर आंखों में जलन हो रही हो तो साफ पानी से आंखों को धोने के बाद गुलाब जल डालें, ये आंखों को ठंडक देता है और जलन कम करता है।

अगर इन उपायों की मदद से भी आराम न मिले तो तुरंत किसी डॉक्टर की सलाह लें। बिना डॉक्टरी सलाह के किसी भी आई ड्रॉप के इस्तेमाल से बचें।

क्या आपका भी गड़बड़ रहता है पाचन और अक्सर फूला रहता है पेट?

खान-पान में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है। पेट फूलना (ब्लोटिंग) ऐसी ही एक आम समस्या है। ये स्थिति काफी असहज करने वाली हो सकती है। ब्लोटिंग के कारण पेट कड़ा या भरा हुआ रहता है और कई बार पेट में दर्द भी हो सकता है। कुछ स्थितियों में पेट फूला हुआ न भी हो, तो भी ऐसा महसूस हो सकता है।

पेट फूलना आमतौर पर पाचन संबंधी समस्या है, हालांकि कुछ स्थितियों में हार्मोन्स में असंतुलन और तनाव के कारण भी ये दिक्कत हो सकती है। जिन लोगों को अक्सर ब्लोटिंग की दिक्कत बनी रहती है उन्हें डॉक्टर की सलाह जरूर ले लेनी चाहिए, कई मामलों में ये गंभीर अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं का भी लक्षण हो सकता है जिसका समय पर इलाज किया जाना जरूरी है।

पेट फूलने की समस्या के बारे में जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, पेट फूलने के साथ दर्द होते रहने का सबसे आम कारण आंतों में अत्यधिक गैस हो जाना है। अगर भोजन के बाद आपका पेट फूल जाता है, तो यह पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। इसके अलावा महिलाओं में मासिक धर्म चक्र के कारण भी अस्थायी सूजन की दिक्कत देखी जाती है। कभी-कभी पेट फूलना अधिक गंभीर चिकित्सा स्थिति का संकेत भी हो सकता है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) से पीड़ित लोगों में यह दिक्कत अक्सर देखी जाती है। 75% तक महिलाओं को पीरियड्स से पहले और उसके दौरान पेट फूलने की समस्या होती है।

क्यों होती है ब्लोटिंग की दिक्कत?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पेट फूलने के मुख्य कारण आमतौर पर खान-पान में होने वाली गड़बड़ी है।

अधिक गैस बनाने वाले खाद्य पदार्थ जैसे बीन्स, गोभी, ब्रोकली और कार्बोनेटेड ड्रिंक्स के अधिक सेवन के कारण आपको ब्लोटिंग की दिक्कत होती है। जिन लोगों को लैक्टोज इंटॉलरेंस की समस्या होती है, उन्हें दूध, पनीर या आइसक्रीम खाने के बाद पेट फूलने का एहसास हो सकता है। जल्दी-जल्दी खाना खाने, अत्यधिक तला-भुना भोजन करने या फिर खाने के बाद तुरंत आराम करने की आदत भी पेट फूलने की दिक्कतों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

कहीं ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत तो नहीं?

आमतौर पेट फूलने को ज्यादा गंभीर नहीं माना जाता है और ये सामान्य दवाओं और घरेलू उपायों से ठीक भी हो जाती है। हालांकि अगर आपको ये दिक्कत अक्सर बनी रहती है तो संभव है कि ये किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

पाचन क्रिया धीमी होना या कब्ज के कारण भोजन सही से नहीं पचता, जिससे गैस बनती है, इसके कारणों का पता लगाने के लिए डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस) के कारण अगर ये दिक्कत है तो इसका समय पर इलाज कराना बहुत जरूरी हो जाता है।

मासिक धर्म के दौरान हार्मोनल बदलाव के कारण महिलाओं को पेट फूलना की दिक्कत हो सकती है।

थायरॉइड की समस्या (हाइपोथायरायडिज्म) से मेटाबोलिज्म धीमा हो जाता है, जिससे पाचन पर असर पड़ता है।

सीलिएक रोग, पाचन तंत्र में ट्यूमर और कुछ प्रकार के कैंसर के कारण भी ये दिक्कत बनी रह सकती है।

इस समस्या से कैसे बचाव किया जाए?

पेट फूलने की समस्या से बचे रहने के लिए खान-पान में सुधार बहुत जरूरी है। ऐसी चीजों का सेवन करें जिससे कम गैस बनती हो जैसे खीरा, केला, पपीता, दही आदि। इसके अलावा भोजन को धीरे-धीरे और चबाकर खाएं।

अगर आपको दूध और ग्लूटेन युक्त चीजों से दिक्कत होती है तो इसका सेवन न करें। प्रोबायोटिक्स वाली चीजें जैसे दही, छाछ हेल्दी गट बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं इससे पाचन ठीक रहता है और पेट फूलने का खतरा कम होता है। इसके साथ ज्यादा पानी पीना भी आपके पाचन के लिए जरूरी है। नियमित व्यायाम की मदद से भी पेट की दिक्कतों से बच सकते हैं।

यदि आपको लगातार पेट फूलने की दिक्कत बनी रहती है, खून की उल्टी या काले रंग का मल होता है या फिर पेट में अक्सर दर्द बना रहता है तो इसके कारणों को जानना और डॉक्टर की सलाह लेना बहुत जरूरी है।

रात में फल खाने चाहिए या नहीं?

अच्छी सेहत के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देते रहना बहुत जरूरी है। शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को हरी सब्जियों और मौसमी फलों के सेवन की सलाह देते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि फलों से अधिकतम लाभ तभी प्राप्त किया जा सकता है जब इसका सही समय पर सेवन किया जाए?

फलों को विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स का खजाना माना जाता है। ये फाइबर से भी भरपूर होते हैं जो वजन कंट्रोल करने, ब्लड प्रेशर-ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सुबह या फिर दिन के समय में फल खाना अच्छा है पर रात में फलों का सेवन करना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में इस समय फलों के सेवन से बचना चाहिए।

रात में फल खाने के नुकसान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर लोग नाश्ते या शाम के समय फल खाते हैं, कुछ लोग रात के समय भी फल खाना पसंद करते हैं। रात में फलों का सेवन करने से सेहत को नुकसान हो सकता है। अगर आप भी रात के समय संतरे, अनानास और अंगूर जैसे फलों का सेवन करते हैं, तो इससे एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है।

ऐसा उन लोगों के साथ अधिक देखने को मिलता है, जिन्हें पहले से ही सीने में जलन या एसिडिटी की समस्या है।

पाचन की हो सकती है समस्या

रात के समय बहुत अधिक फलों का सेवन करने से पाचन से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं कुछ ऐसे फल भी होते हैं जिन्हें रात को ठीक सोने से पहले खाया जाए, तो पाचन तंत्र को उन्हें पचाने के लिए अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। अगर फल सही तरह से हजम न हो, तो इससे पाचन से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं।

अगर आप रात के समय फाइबर युक्त फलों का अधिक सेवन करते हैं, तो आपको गैस, ब्लोटिंग, पेट में दर्द और असहजता महसूस हो सकती है, जिससे अच्छी नींद लेने में परेशानी आती है।

क्या कहती हैं आहार विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ नेहा पठानिया कहती हैं, अगर आप रात के खाने के साथ फलों का सेवन भी अतिरिक्त मात्रा में करते हैं, तो इससे वजन भी बढ़ सकता है। फल का सेवन दिन के समय या स्नैक्स टाइम में करें। अगर शाम को फल खाना है, तो डिनर से पहले ही खा लें। दोनों के बीच थोड़ा अंतराल रखें। साथ ही डिनर भी हल्का ही करें ताकि आप ओवर ईटिंग से बच सकें।

डायबिटीज रोगी रखें इन बातों का ध्यान

जिन लोगों को डायबिटीज की समस्या है उन्हें फलों के चयन के समय और भी सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। डायबिटीज रोगियों को उन फलों का सेवन करना चाहिए जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। इस तरह के फलों के सेवन से तेजी से शुगर बढ़ने का खतरा कम रहता है। इसके अलावा डायबिटीज के शिकार रोगियों के लिए फाइबर वाले फलों का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

न्यूज इन ब्रीफ

रक्षा मंत्रालय ने बीईएल के साथ 2,906 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए परिवहन योग्य रडार (अश्विनी) की खरीद के लिए सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के साथ 2,906 करोड़ रुपये के अनुबंध पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। इस रडार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। यह रडार उच्च गति वाले लड़ाकू विमानों से लेकर मानवरहित विमानों (ड्रोन) और हेलीकॉप्टरों जैसे धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों पर नजर रखने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रडार की प्राप्ति से भारतीय वायुसेना की परिचालन तैयारियों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मंत्रालय की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया, ''स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के सरकारी प्रयासों के तहत, रक्षा मंत्रालय ने 2,906 करोड़ रुपये की लागत से 'लो-लेवल ट्रांसपोर्टेबल रडार-एलएलटीआर' (अश्विनी) की खरीद के लिए बीईएल के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।'' रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए।

नयी दिल्ली स्टेशन भगदड़ मामले में 33 प्रभावित परिवारों को 2.01 करोड़ रुपये मुआवजा दिया गया: सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को लोकसभा में बताया कि गत 15 फरवरी को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में मारे गए या घायल हुए 33 व्यक्तियों के परिवारों को कुल 2.01 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''इस मामले में प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को 2.50 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है।'' प्रयागराज महाकुंभ मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच, 15 फरवरी की शाम को नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई थी। संसद में अपने जवाब में वैष्णव ने मृतकों और घायलों की संख्या नहीं बताई, लेकिन घटना के बाद अधिकारियों ने कहा था कि भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हुए। वैष्णव ने कहा कि घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

करगिल रेलवे लाइन की अनुमानित लागत 1.31 लाख करोड़ रुपये है: मंत्री

नयी दिल्ली : करगिल को देश के शेष हिस्से से जोड़ने वाली नई बिलासपुर-मनाली-लेह रेलवे लाइन की अनुमानित लागत 1,31,000 करोड़ रुपये है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उनसे सवाल किया गया था कि क्या सरकार के पास कश्मीर में गांदरबल को करगिल से जोड़ने के लिए सर्वेक्षण करने की कोई योजना है? इस पर रेल मंत्री ने कहा कि नई बिलासपुर-मनाली-लेह लाइन की एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है। उन्होंने कहा, ''बिलासपुर-मनाली-लेह नई लाइन को रक्षा मंत्रालय द्वारा रणनीतिक लाइन के रूप में चिह्नित किया गया है। बिलासपुर-मनाली-लेह नई लाइन परियोजना (489 किलोमीटर) का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई है।''

हिमाचल के स्कूलों में जादू शो से होने वाली आय का 30 प्रतिशत हिस्सा मांगने वाला पत्र वापस लिया गया

शिमला : हिमाचल प्रदेश सरकार ने बुधवार को उस आधिकारिक पत्र को वापस ले लिया, जिसमें हमीरपुर के एक शिक्षा अधिकारी ने सरकारी स्कूलों में आयोजित जादू शो से अर्जित आय का 30 प्रतिशत हिस्सा मुख्यमंत्री राहत कोष में दान करने के लिए कहा था। इस पत्र की विपक्षी भाजपा ने कड़ी आलोचना की, जिसके कारण सरकार को आदेश वापस लेना पड़ा।

ट्रेनों में व्यंजन सूची, भोजन का मूल्य प्रदर्शित करना अनिवार्य : रेल मंत्री

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि ट्रेनों में यात्रियों को परोसे जाने वाले भोजन की कीमतें और व्यंजन सूची प्रदर्शित करना अनिवार्य है। उन्होंने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''यात्रियों की जानकारी के लिए आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) की वेबसाइट पर सभी खाद्य पदार्थों की सूची और कीमतों की जानकारी दी गई है। सभी विवरणों के साथ छपी व्यंजन सूची वेटर को उपलब्ध कराए जाते हैं और यात्रियों को मांगने पर दिए जाते हैं।'' रेल मंत्री ने कहा, ''रसोई यानों में भी मूल्य सूची प्रदर्शित की गई है। इसके अलावा, भारतीय रेलवे में खानपान सेवाओं के मेनू और शुल्क के बारे में यात्रियों को जागरूक करने के लिए, व्यंजन सूची और शुल्क के लिंक के साथ यात्रियों को एसएमएस भेजना शुरू किया गया है।'' ट्रेनों में व्यंजन सूची (मेनू कार्ड), खाद्य पदार्थों की दर सूची और स्वच्छता, सफाई और भोजन की गुणवत्ता में सुधार के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में वैष्णव ने कहा कि नामित 'बेस किचन' से भोजन की आपूर्ति, चिह्नित स्थानों पर आधुनिक 'बेस किचन' की शुरुआत और भोजन तैयार किये जाने के दौरान बेहतर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने जैसे उपाय किये गए हैं। मंत्री ने जवाब में कहा कि खाना पकाने के तेल, आटा, चावल, दालें, मसाला, पनीर, डेयरी उत्पाद के चयन और उपयोग के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता की निगरानी के लिए 'बेस किचन' में खाद्य सुरक्षा पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है।

यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल हुआ बस्तर का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान

रायपुर : छत्तीसगढ़ के कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ का कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान अपनी अनूठी जैव विविधता के साथ भारत का नया यूनेस्को धरोहर दावेदार बन गया है। इस उद्यान को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। छत्तीसगढ़ के पर्यटन के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि कांगेर घाटी की खूबसूरती और ऐतिहासिक महत्त्व ने इसे इस मुकाम तक पहुंचाया है। उनके मुताबिक, दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़ सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने इस स्थल को वैश्विक पहचान दिलाने की योजना बनाई थी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से की मुलाकात

नयी दिल्ली : दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। रेखा गुप्ता ने आडवाणी से मुलाकात के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' मुझे देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठतम नेता भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी जी से उनके आवास पर मिलने का अवसर प्राप्त हुआ। मुझे उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।'' मुख्यमंत्री ने दिल्ली के 30, पृथ्वीराज रोड स्थित आडवाणी के आवास पर उनसे मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने आडवाणी (97) के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा, ''उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा, त्याग और समर्पण का अनूठा उदाहरण है, जो हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी दूरदृष्टि, नीतियां और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमें जनता की सेवा करते रहने और विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करती है।''

डिजिटल अरेस्ट, साइबर अपराध 2022-24 के दौरान तीन गुना बढ़े : सरकार

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि 2022 से 2024 के बीच देश में डिजिटल अरेस्ट और संबंधित साइबर अपराध के मामलों की संख्या लगभग तीन गुना हो गई और इस अवधि के दौरान धोखाधड़ी के जरिये निकाली गई राशि में 21 गुना की वृद्धि हुई। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा में कहा कि राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर पिछले तीन साल के डिजिटल अरेस्ट घोटालों के अद्यतन आंकड़े और संबंधित साइबर अपराध के मामलों के आंकड़े बताते हैं कि 2022 में ऐसी 39,925 घटनाओं की सूचना मिली जिनमें धोखाधड़ी के जरिये 91.14 करोड़ रुपये निकाले गए थे। आंकड़ों के अनुसार 2024 में, इस तरह के मामलों की संख्या लगभग 1,23,672 हो गई, जिनमें धोखे से निकाली गई राशि 21 गुना बढ़कर 19,35.51 करोड़ रुपये हो गई। कुमार ने बताया कि आंकड़ों के अनुसार, 2025 के शुरुआती दो महीनों के भीतर, 8 फरवरी तक डिजिटल अरेस्ट, साइबर अपराध के 17,718 मामलों की सूचना मिली जिसमें 210.21 करोड़ रुपये निकाले गए। कुमार ने बताया ''इस पोर्टल पर साइबर क्राइम की घटनाओं की सूचना दी गई जिन्हें प्राथमिकी में तब्दील किया गया और संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उनकी जांच शुरु की।''

विषयवार रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 50 में नौ भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान शामिल: क्यूएस

नयी दिल्ली : क्यूएस विषयवार रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 50 में नौ भारतीय विश्वविद्यालय और संस्थान शामिल हैं जबकि सूची में शामिल कुछ शीर्ष संस्थानों जैसे तीन आईआईटी, दो आईआईएम और जेएनयू के स्थान में पिछले साल के मुकाबले गिरावट आई है। लंदन स्थित क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा बुधवार को घोषित विषयवार विश्व विश्वविद्यालय रैंकिंग के 15वें संस्करण के अनुसार, भारत ने विषयवार रैंकिंग और व्यापक संकाय क्षेत्रों में शीर्ष 50 में 12 स्थान हासिल किए हैं। इस मामले में भारतीय खनन विद्यालय (आईएसएम), धनबाद अग्रणी रहा है जो इंजीनियरिंग-खनिज और खनन विषय के लिए विश्व स्तर पर 20वें स्थान पर है। क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) एक उच्च शिक्षा विश्लेषक और सेवा प्रदाता है। यह दुनियाभर के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग जारी करता है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मुंबई और खड़गपुर को इंजीनियरिंग-खनिज और खनन विषय के लिए 28वें एवं 45वें स्थान पर रखा गया है। हालांकि, दोनों संस्थानों की रैंकिंग में गिरावट देखी गई है। आईआईटी दिल्ली और मुंबई, जो इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी विषय के लिए 45वें स्थान पर थे, ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए क्रमशः 26वां और 28वां स्थान प्राप्त किया है। दोनों संस्थानों ने इंजीनियरिंग-इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक में भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और शीर्ष 50 की सूची में प्रवेश किया है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद और बेंगलुरु व्यवसाय और प्रबंधन अध्ययन विषय के लिए दुनिया के शीर्ष 50 में बने हुए हैं, लेकिन उनकी रैंकिंग में पिछले वर्ष के मुकाबले गिरावट आई है। आईआईएम अहमदाबाद की रैंकिंग 22 से गिरकर 27 पर आ गई जबकि आईआईएम बेंगलुरु की रैंकिंग 32 से गिरकर 40 पर आ गई। आईआईटी मद्रास और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) (विकास अध्ययन) विश्व के शीर्ष 50 में बने रहे, लेकिन उनकी रैंकिंग में कुछ गिरावट भी आई। क्यूएस विषय-विशिष्ट रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में, भारत में नयी प्रविष्टियों की संख्या चीन, अमेरिका, ब्रिटेन और कोरिया के बाद पांचवें स्थान पर है।

दिल्ली: पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे 24 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने एक सप्ताह तक चले अभियान में दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत 24 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दक्षिण दिल्ली से 13 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया जबकि दक्षिण-पूर्वी दिल्ली से दो नाबालिगों समेत 11 अवैध प्रवासियों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि अभियान छह मार्च को शुरू हुआ था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राजधानी की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के निर्देश के कुछ दिनों बाद यह कार्रवाई की गई। संयुक्त पुलिस आयुक्त (दक्षिणी रेंज) एस के जैन ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों के पास बांग्लादेश सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय पहचान पत्र पाए गए। उन्होंने बताया कि भारत में प्रवेश करने के बाद अवैध प्रवासियों ने कथित तौर पर स्थानीय संपर्कों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से भारतीय पहचान दस्तावेज हासिल किए। जैन ने बताया, जाली दस्तावेजों को अब रद्द करने के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि भारतीय पहचान पत्र हासिल करने में उनकी (अवैध प्रवासियों की) मदद करने वाले स्थानीय संपर्कों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

रेल मंत्री वैष्णव ने मस्क की कंपनी स्टारलिंक का भारत में स्वागत किया

नयी दिल्ली : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक का भारत में स्वागत करते हुए कहा कि इससे दूरदराज के इलाकों में रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी। वैष्णव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''स्टारलिंक, भारत में आपका स्वागत है! इससे दूरदराज के क्षेत्रों की रेलवे परियोजनाओं को मदद मिलेगी।'' वैष्णव सूचना एवं प्रसारण के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री भी हैं। उनकी यह टिप्पणी उद्योगपति मुकेश अंबानी की 'जियो प्लेटफॉर्म्स' और सुनील मित्तल की 'भारती एयरटेल' के साथ दो अलग-अलग समझौते के बाद आई है। ये समझौते मस्क के नेतृत्व वाली कंपनी स्पेसएक्स द्वारा भारत में स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं लाने के लिए किए गए हैं।

तेजस लड़ाकू विमान ने 'अस्त्र' मिसाइल का परीक्षण किया

नयी दिल्ली : भारत के स्वदेश निर्मित हल्के लड़ाकू विमान तेजस ने बुधवार को हवा से हवा में मार करने वाली स्वदेशी मिसाइल 'अस्त्र' का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर तट पर किया गया। मंत्रालय ने कहा, इस परीक्षण में उड़ते लक्ष्य पर मिसाइल के सीधे प्रहार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया। मंत्रालय ने कहा, ''सभी उप-प्रणालियों ने सभी मिशन मापदंडों और उद्देश्यों को पूरा करते हुए सटीक प्रदर्शन किया। अस्त्र मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। यह 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर स्थित लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है।

महिलाओं, बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों की सुनवाई के लिए 745 विशेष अदालतें कार्यरत

नयी दिल्ली : महिलाओं एवं बच्चों की यौन अपराधों से सुरक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने बुधवार को कहा कि देश में ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए 404 विशेष पॉक्सो अदालतों सहित 745 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें कार्यरत हैं जिनमें 3,06,000 से अधिक मामलों को निपटाया गया है। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने राज्यसभा को बताया कि यौन अपराधों से पीड़ित महिलाओं और बच्चों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने 2019 में राज्यवार फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें शुरु कीं जो तीस राज्यों में काम कर रही हैं। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि अब तक 790 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों को मंजूरी दी गई है। इनमें से 404 विशेष पॉक्सो अदालतों सहित 745 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम कर रही हैं। इनमें बलात्कार और पॉक्सो (बच्चों का यौन शोषण से संरक्षण) अधिनियम के तहत अपराधों के 3,06,000 से अधिक मामलों को निपटाया गया है।

'बांग्लादेशी घुसपैठियों' को अलग करके हो परिसीमन, संथाल परगना को अलग राज्य बनाया जाए: निशिकांत दुबे

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में ''बांग्लादेशी घुसपैठियों'' की संख्या में बढ़ोतरी का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया और कहा कि अगला परिसीमन इन्हें अलग करके होना चाहिए क्योंकि इनके कारण आदिवासियों की सीटें जा रही हैं। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाते हुए सरकार से यह आग्रह भी किया कि इस समस्या के समाधान के लिए संथाल परगना को अलग राज्य बनाना चाहिए। दुबे ने कहा कि यदि जरूरत हो तो झारखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने पर भी विचार किया जाए। लोकसभा में अक्सर यह मुद्दा उठाने वाले दुबे ने कहा कि यह मुद्दा ''हिंदू-मुसलमान का नहीं है''। उनका कहना था, ''1951 से 2011 के बीच पूरे देश में मुस्लिम आबादी चार प्रतिशत बढ़ी, लेकिन संथाल परगना में 15 प्रतिशत बढ़ी...यह बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हुआ है।''

खुफिया एजेंसी को भारत में आतंक वित्तपोषण, मादक पदार्थ तस्करी में क्रिप्टोकरंसी के इस्तेमाल का संदेह

नयी दिल्ली : भारत की संघीय वित्तीय खुफिया इकाई द्वारा किए गए एक अध्ययन में ''संदेह'' व्यक्त किया गया है कि देश भर में क्रिप्टोकरंसी का उपयोग आतंकवाद वित्तपोषण, अल-गावावादी गतिविधियों को बढ़ावा देने, साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा सट्टेबाजी जैसे आपराधिक कृत्यों में किया जा रहा है। वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) द्वारा 2023-24 वित्त वर्ष के दौरान वर्चुअल डिजिटल परिसंपत्तियों (वीडीए) और उनके सेवा प्रदाताओं (क्रिप्टो एक्सचेंज) से जुड़ी एक रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे इस क्षेत्र से संबंधित कई संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) और उनकी ''गतिविधियों का विश्लेषण'' करने के बाद तैयार किया गया। हालांकि, रिपोर्ट में यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यह बात ''केवल संदेह पर आधारित'' है। एफआईयू ने इस बात के साथ-साथ देश में क्रिप्टोकरंसी के संचालन पर ''विश्वसनीय'' खुफिया जानकारी को प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई और आयकर विभाग जैसी प्रासंगिक कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ साझा किया और कुछ मामलों में उनके द्वारा आवश्यक प्रवर्तन कार्रवाई की गई। भारत वर्तमान में क्रिप्टोकरंसी को विनियमित करने और निगरानी करने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर रहा है, लेकिन जब तक इसे लागू नहीं किया जाता, तब तक देश में क्रिप्टो अवैध नहीं है। विश्लेषण से पता चला कि वीडीए या क्रिप्टोकरंसी का बाल यौन शोषण सामग्री, आतंकवाद के वित्तपोषण, मादक पदार्थों की तस्करी, सट्टेबाजी और जुआ जैसी गतिविधियों में इस्तेमाल किया गया।

संसद ने तेलक्षेत्र संशोधन विधेयक को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : संसद ने बुधवार को खनिज तेल उत्खनन के लिए 'सिंगल परमिट' प्रणाली लाने और समग्र ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लक्ष्य वाले विधेयक को मंजूरी प्रदान की। लोकसभा में विधेयक पर चर्चा और फिर केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के जवाब के बाद सदन ने 'तेलक्षेत्र (विनियमन तथा विकास) संशोधन विधेयक, 2024' को ध्वनिमत से मंजूरी दी। राज्यसभा इस विधेयक को पहले ही मंजूरी दे चुकी है। चर्चा का जवाब देते हुए पुरी ने कहा कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा 'उपलब्धता, किफायती होने और टिकाऊपन' पर आधारित है। उनका कहना था, ''हम ऊर्जा की आपूर्ति के स्रोत को लेकर किसी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं। पुरी ने कहा, ''वैश्विक बाजार में बहुत अधिक तेल की आपूर्ति हो रही है। ब्राजील, गुयाना, सूरीनाम और कनाडा से आपूर्ति हो रही है। आपूर्ति की कोई कमी नहीं है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क कम किया है, लेकिन कांग्रेस शासित राज्यों में वैट की बढ़ोतरी हो रही है। पुरी ने इस बात पर जोर दिया, ''पड़ोस में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें भारत के मुकाबले 15 से 20 प्रतिशत तक अधिक हैं। सिर्फ भारत में कीमतों में कमी आई है।''

शाहजहांपुर में 'लाट साहब' होली के लिए मस्जिदों को तिरपाल से ढका गया, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) : शाहजहांपुर जिले में पारंपरिक 'लाट साहब' होली जुलूस के मार्ग पर स्थित मस्जिदों को तिरपाल से ढक दिया गया है और रंगों के त्योहार से पहले कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। इसके अलावा इस बार होली वाले दिन जुमे (शुक्रवार) की नमाज के चलते प्रशासन कोई कमी नहीं छोड़ना चाहता है। 18वीं शताब्दी की परंपरा के अनुसार, शाहजहांपुर में होली की शुरुआत एक बैलगाड़ी पर बैठे 'लाट साहब' (एक ब्रिटिश लॉर्ड) का वेश धारण किए हुए एक व्यक्ति पर जूते फेंकने से होती है। स्थानीय प्रशासन द्वारा जुलूस मार्ग पर बैरिकेड लगाए

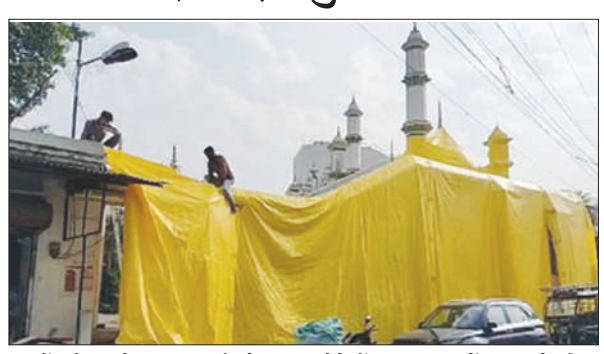

गए हैं और कई सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश एस ने बुधवार को बताया, होली पर कुल 18 जुलूस शहर में निकलते हैं जिसमें दो जुलूस प्रमुख होते हैं। इन जुलूस में सुरक्षा के लिए बड़े लाट साहब के जुलूस को तीन जोन तथा आठ सेक्टर में बांटा गया है जिनमें लगभग 100 मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है।

हरिद्वार में मुस्लिम समाज ने होली पर जुमे की नमाज पढ़ने का समय बदला

हरिद्वार : होली और जुमे की नमाज को लेकर दोनों समुदायों के बीच चल रही बयानबाजी के बीच धर्मनगरी हरिद्वार के मुस्लिम समाज ने सौहार्द की मिसाल पेश करते हुए अपनी नमाज पढ़ने का समय बदल दिया है। ज़मीयत उलेमा-ए-हिन्द के उत्तराखंड प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और ज्वालापुर के सबसे बड़े मदरसे के प्रबंधक मौलाना आरिफ कासमी ने यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि रमजान में जुमे की नमाज और होली एक ही दिन पड़ रहे हैं जिसे देखते हुए हमने बीच का रास्ता निकाला है। उन्होंने कहा, ''हमने जुमे की नमाज पढ़ने का समय बदल दिया है ताकि किसी को दिक्कत न हो और हिन्दू एवं मुसलमान दोनों में भाईचारा और अमन-चैन कायम रहे।'' कासमी ने कहा, '' अमूमन जुमे की नमाज दोपहर पौने एक बजे से सवा दो बजे तक होती है लेकिन होली को देखते हुए हरिद्वार के शहरी क्षेत्रों में नमाज अपने तयशुदा समय से एक से डेढ़ घंटे देरी से यानी दोपहर ढाई बजे पढ़ी जाएगी जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अपने समय से एक से डेढ़ घंटा पहले पढ़ ली जाएगी।'' मौलाना ने कहा कि यह फैसला केवल समय का बदलाव भर नहीं है बल्कि सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और एकजुटता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि आपसी सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के मंसूबे पूरे नहीं होंगे।

जानिए क्या है त्रि-भाषा फॉर्मूला, केंद्र और तमिलनाडु सरकार के बीच विवाद का कारण क्यों

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा फॉर्मूला द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच राजनीतिक विवाद का केंद्र बना हुआ है। आइए इस फॉर्मूले के बारे में जानें :

क्या है तीन-भाषा फॉर्मूला - एनईपी 2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा फॉर्मूला कहता है कि छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी चाहिए, जिनमें से कम से कम दो भारत की मूल भाषा होनी चाहिए। यह फॉर्मूला सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है तथा राज्यों को बिना किसी दबाव के भाषाएं चुनने की छूट देता है।

किन कक्षाओं पर लागू होगा

एनईपी में कहा गया है कि कम से कम कक्षा पांच तक, लेकिन अधिमानतः कक्षा आठ और उससे आगे तक, घरेलू भाषा, मातृभाषा, स्थानीय भाषा या क्षेत्रीय भाषा शिक्षा का माध्यम होनी चाहिए।

त्रि-भाषा फॉर्मूला का इतिहास

त्रि-भाषा फॉर्मूला सबसे पहले शिक्षा आयोग (1964-66) ने प्रस्तावित किया था, जिसे आधिकारिक तौर पर कोठारी आयोग के नाम से जाना जाता है। इसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 1968 में औपचारिक रूप से अपनाया गया था। राजीव गांधी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में एनईपी 1986 में त्रि-भाषा फॉर्मूला की पुन: पुष्टि की गई थी। 1992 में नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने भाषायी विविधता और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए इसमें संशोधन किया था। इस फॉर्मूले में तीन भाषाएं शामिल थीं-मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, आधिकारिक भाषा (अंग्रेजी सहित) और एक आधुनिक भारतीय या यूरोपीय भाषा।

एनईपी 2020 में इस फॉर्मूले को लेकर क्या कहा गया है

एनईपी 2020 में स्कूल स्तर से ही बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने के लिए त्रि-भाषा फार्मूले को जल्द लागू किए जाने का प्रस्ताव है। नीति दस्तावेज में कहा गया है कि संवैधानिक प्रावधानों, लोगों, क्षेत्रों एवं संघ की आकांक्षाओं, बहुभाषावाद को प्रोत्साहित करने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए त्रि-भाषा फार्मूले का क्रियान्वयन जारी रहेगा।

क्या इस फॉर्मूले का उद्देश्य राज्यों पर कोई भाषा थोपना है

एनईपी 2020 में स्पष्ट किया गया है कि त्रि-भाषा फॉर्मूले में ज्यादा लचीलापन होगा और किसी भी राज्य पर कोई भी भाषा नहीं थोपी जाएगी। नीति में कहा गया है कि राज्य, क्षेत्र और खुद छात्र, छात्रों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाओं को चुन सकते हैं, बशर्ते इनमें से कम से कम दो भारत की मूल भाषा हों।

विदेशी भाषाओं के बारे में क्या कहा गया है

एनईपी 2020 के मुताबिक, माध्यमिक स्तर के छात्र भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के अलावा, कोरियाई, जापानी, फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश जैसी विदेशी भाषाएं भी सीख सकते हैं। अंग्रेजी, जो ज्यादातर स्कूलों में पढ़ाई का माध्यम है, उसे अब विदेशी भाषा माना जाएगा। इसके चलते अंग्रेजी पढ़ने वाले छात्रों को दो भारतीय भाषाएं चुननी होंगी।

तमिलनाडु क्यों कर रहा विरोध

तमिलनाडु लगातार त्रि-भाषा फॉर्मूले का विरोध करता आया है। 1937 में सी राजगोपालाचारी की अध्यक्षता वाली तत्कालीन मद्रास सरकार ने वहां के स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य कर दी थी। जस्टिस पार्टी और पेरियार जैसे द्रविड़ नेताओं ने बड़े पैमाने पर इस फैसले का विरोध किया था। 1940 में इस नीति को रद्द कर दिया गया, लेकिन हिंदी विरोधी भावनाएं बरकरार रहीं। साल 1968 में जब त्रि-भाषा फॉर्मूला पेश किया गया था, तब तमिलनाडु ने इसे हिंदी को थोपने का प्रयास करार देते हुए इसका विरोध किया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई के नेतृत्व में तमिलनाडु ने दो-भाषा नीति अपनाई थी, जिसके तहत केवल तमिल और अंग्रेजी पढ़ाई जाती थी। स्कूली शिक्षा समवर्ती विषय है, जिसके चलते राज्य इस फॉर्मूले को अपनाने से इनकार कर सकते हैं। तमिलनाडु एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने कभी भी त्रि-भाषा फॉर्मूला लागू नहीं किया है। उसने हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं सहित भारतीय भाषाओं के बजाय अंग्रेजी को चुना है।

ताजा विवाद की वजह क्या है

तमिलनाडु के एनईपी 2020 के प्रमुख पहलुओं, खासतौर पर त्रि-भाषा फॉर्मूले को लागू करने से इनकार करने के कारण केंद्र ने राज्य को समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) के लिए दी जाने वाली केंद्रीय सहायता राशि की 573 करोड़ रुपये की पहली किस्त रोक दी है। नीति से जुड़े नियमों के अनुसार, सर्व शिक्षा अभियान के लिए वित्तपोषण हासिल करने के वास्ते राज्यों का एनईपी के दिशा-निर्देशों पर अमल करना अनिवार्य है।

रोहित आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे पायदान पर पहुंचे, गिल शीर्ष पर बरकरार

दुबई : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दो पायदान के सुधार के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में 83 गेंदों पर 76 रन की पारी खेल टीम को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की। आठ टीमों के आईसीसी टूर्नामेंट में 218 रन बनाने वाले स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली एक पायदान नीचे खिसककर पांचवें स्थान पर आ गए, जबकि श्रेयस अय्यर आठवें स्थान पर है। रैंकिंग में शीर्ष 10 में चार भारतीय शामिल हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल (एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर), रचिन रवींद्र (14 स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर) और ग्लेन फिलिप्स (छह स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) की तिकड़ी भी रैंकिंग में बड़ा सुधार करने में सफल रही। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सेंटनर ने वनडे गेंदबाजों की सूची में बड़ा सुधार किया है। फाइनल में दो विकेट के साथ चैंपियंस ट्रॉफी में कुल नौ विकेट लेने वाले सेंटनर छह स्थान के सुधार

के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गये। इस सूची में श्रीलंका के ऑफ स्पिनर महीश तीक्षणा शीर्ष पर हैं। कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी चैंपियंस ट्रॉफी में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद तीन-तीन पायदान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में पहुंच गयी। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप (तीसरे स्थान पर) ने टूर्नामेंट में सात विकेट चटकाकर अपने प्रदर्शन में बड़ा सुधार किया है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अजेय प्रदर्शन के दौरान पांच विकेट चटकाने वाले बाएं हाथ के स्पिनर जडेजा तीन पायदान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के स्टार अजमतुल्लाह उमरजई ने एकदिवसीय हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त बनाए रखी है। उन्हें हालांकि न्यूजीलैंड के तीन खिलाड़ियों से चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। सेंटनर एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए जबकि माइकल ब्रेसवेल सात पायदान के फायदे से सातवें स्थान पर हैं। रचिन रवींद्र आठ पायदान चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए।

शुभमन गिल फरवरी महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गये

दुबई : भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को फरवरी महीने के लिए आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की घरेलू श्रृंखला के मैचों में बल्ले से यादगार प्रदर्शन करने वाले गिल ने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स को पछाड़ते हुए बुधवार को यह पुरस्कार जीता। गिल ने फरवरी में पांच वनडे मैचों में 101.50 की औसत और 94.19 के स्ट्राइक रेट से 406 रन बनाये। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में दो अर्धशतक और एक शतक जड़कर भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने नागपुर में खेले गये पहले एकदिवसीय में 87, कटक में खेले गये दूसरे एकदिवसीय में 60 और फिर अहमदाबाद में खेले गये तीसरे वनडे में 112 रन बनाये। अहमदाबाद में 102 गेंद की पारी में 14 चौके और तीन छक्के जड़कर वह प्लेयर ऑफ द मैच के साथ श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने में सफल रहे। उन्होंने इस शानदार लय को चैंपियंस ट्रॉफी में भी जारी रखा। दुबई में भारत के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 101 रन की पारी खेलने के बाद उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाये। भारत यह दोनों मैच आसानी से जीतने में सफल रहा।

बीएफआई ने चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल से अनुराग ठाकुर का नाम हटाया

नयी दिल्ली : भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने 28 मार्च को होने वाले चुनाव के निर्वाचक मंडल में शामिल करने के लिए अनुराग ठाकुर के नामांकन को बुधवार को खारिज कर दिया और कहा कि पूर्व खेल मंत्री हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के पात्र नहीं हैं। हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ ने चुनाव के लिए ठाकुर और अध्यक्ष राजेश भंडारी के नाम भेजे थे। बीएफआई ने 60 सदस्यीय निर्वाचक मंडल की सूची जारी की जिसे जांच के बाद अंतिम रूप दिया गया। भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा सांसद ठाकुर के बीएफआई अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवारी पेश करने की उम्मीद थी। बीएफआई ने निर्णय की व्याख्या करते हुए कहा, 'अनुराग सिंह ठाकुर (हिमाचल प्रदेश मुक्केबाजी संघ) का नाम राज्य इकाई ने भेजा था। हालांकि उन्हें भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के सात मार्च 2025 के नोटिस और भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के उल्लंघन के कारण अयोग्य पाया गया है।'

न्यूज अपडेट

उत्तराखंड के सूरज सिंह ने 1,000 मीटर में राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड बनाया

पटना : उत्तराखंड के सूरज सिंह ने राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन बुधवार को यहां 1,000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड कायम कर सुर्खियां बटोरीं। पाटलिपुत्र खेल परिसर में लड़कों की 1,000 मीटर दौड़ में कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखी। शीर्ष दो धावकों ने दो मिनट 27.20 सेकेंड के 15 साल पुराने राष्ट्रीय युवा रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। पिछला रिकॉर्ड 2010 में राहुल पाल द्वारा बनाया गया था। सूरज ने दो मिनट 26.04 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि रजत पदक जीतने वाले उत्तर प्रदेश के विकास कुमार ने भी दो मिनट 26.59 सेकेंड के समय के साथ पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया। हरियाणा के सोहित विजेंदर ने दो मिनट 27.27 सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक जीता जो पिछले साल बिलासपुर में मोहम्मद नूरुद्दीन द्वारा बनाए गए 2:28.89 मिनट के मीट रिकॉर्ड से बेहतर प्रदर्शन था। भाला फेंक में लड़कों के वर्ग का स्वर्ण पदक हरियाणा के हिमांशु ने 72.00 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जीता।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर सैयद आबिद अली का निधन

नयी दिल्ली : अपनी बहुमुखी प्रतिभा और कुशल क्षेत्ररक्षण के लिए मशहूर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर सैयद आबिद अली का बुधवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। आबिद अली हैदराबाद के शानदार क्रिकेटरों के समूह में शामिल थे जिसका हिस्सा एमएके पटौदी, एमएल जयसिम्हा और अब्बास अली बेग थे। उनका निधन अमेरिका में हुआ। आबिद अली के निधन की खबर उत्तरी अमेरिका क्रिकेट लीग (एनएसीएल) ने साझा की। एनएसीएल ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया, 'मैं पूरी श्रद्धा से आपके साथ भारत के क्रिकेट के दिग्गज चाचा सैयद आबिद अली के निधन की खबर साझा कर रहा हूं जिन्होंने कैलिफोर्निया के ट्रेसी को अपना घर बनाया और जिनकी उल्लेखनीय विरासत हमें उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है।' उन्होंने कहा, 'उत्तरी अमेरिका क्रिकेट लीग और उत्तरी कैलिफोर्निया क्रिकेट संघ (एनसीसीए) खाड़ी क्षेत्र में क्रिकेट का विकास में उनके अथक प्रयासों और योगदान के लिए कृतज्ञ है जो उनके स्थायी प्रभाव का प्रमाण है। आइए हम उन्हें अपनी प्रार्थनाओं में याद करें और उनकी उल्लेखनीय विरासत का जश्न मनाएं।' आबिद अली ने दिसंबर 1967 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और पहली पारी में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 55 रन देकर छह विकेट चटकाए।

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी: पोंटिंग

दुबई : ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था। पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी।'

सिंधू ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर, रोहन और रुतविका जीते

बर्मिंघम : भारत की स्टार खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बुधवार को यहां ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में कोरिया की किम गा युन के खिलाफ पहला गेम जीतने के बावजूद तीन गेम में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। पैर की मांसपेशियों में चोट के बाद वापसी कर रही 29 साल की सिंधू को एरेना बर्मिंघम में एक घंटे से कुछ अधिक समय चले मुकाबले में दुनिया की 21वें नंबर की खिलाड़ी किम के खिलाफ 21-19, 13-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने इससे पहले किम के खिलाफ 2019 में हांगकांग ओपन में एकमात्र मुकाबले में जीत दर्ज की थी। सिंधू के लिए यह एक और निराशाजनक नतीजा है। जनवरी में इंडिया ओपन सुपर 750 के क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद उसी महीने वह इंडोनेशिया मास्टर्स के पहले दौर से भी आगे बढ़ने में नाकाम रहीं

थीं। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गाडे की जोड़ी ने हालांकि कड़े मुकाबले में तीन गेम में जीत दर्ज करके मिश्रित युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में जगह बनाई। रोहन और रुतविका की दुनिया की 40वें नंबर की जोड़ी ने यी होंग वेइ और निकोल गोंजालेस चैन की चीनी ताइपे की जोड़ी को पहले दौर के मुकाबले में 21-10 17-21 24-22 से हराया। भारतीय जोड़ी का सामना दूसरे दौर में येन झी फेंग और या शिन वेइ की चीन की पांचवीं वरीय जोड़ी से होगा। सिंधू इस मुकाबले में दाएं पैर पर टेप बांधकर खेलीं। वह पहले गेम में 20-12 की बढ़त बनाकर काफी मजबूत स्थिति में थी लेकिन इसके बाद उन्होंने किम को वापसी का मौका दिया जिन्होंने स्कोर 19-20 कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि महत्वपूर्ण अंक हासिल करके पहला गेम जीत लिया। किम ने पहले गेम के अंत में लय हासिल कर ली थी और फिर सिंधू को कोई मौका नहीं दिया। कोरिया की खिलाड़ी ने दूसरे गेम में 4-1 की बढ़त बनाई और क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 7-2 से आगे हो गईं। किम की गलतियों का फायदा उठाकर सिंधू ने स्कोर 6-9 किया लेकिन कोरिया की खिलाड़ी 42 शॉट की रैली जीतकर ब्रेक तक 11-9 से आगे रही। किम ने इसके बाद सिंधू को बैकफुट पर धकेला और ताकतवर क्रॉस कोर्ट स्मैश के साथ 17-12 की बढ़त बना ली। सिंधू ने सर्विस में गलती करके किम को सात गेम प्वाइंट दिए और फिर शॉट को नेट पर उलझाकर कोरिया की खिलाड़ी को मुकाबला 1-1 से बराबर करने का मौका दिया।

रोहित जैसे महान खिलाड़ियों को अपना भविष्य तय करने का अधिकार मिलना चाहिए: वेंगसरकर

नयी दिल्ली : चैंपियन्स ट्रॉफी के दौरान रोहित शर्मा के संन्यास की 'गैरजरूरी' अटकलों ने पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर को बेहद निराश किया क्योंकि उनका मानना है कि मौजूदा भारतीय कप्तान जैसे महान खिलाड़ियों को अपने भविष्य पर फैसला करने के लिए समय मिलना चाहिए। नौ महीने में भारत को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का दूसरा खिताब दिलाने के बाद रोहित ने स्वयं अपने भविष्य को लेकर सभी अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह एकदिवसीय प्रारूप से संन्यास नहीं ले रहे हैं। सैंतीस साल के रोहित ने अब तक 2027 एकदिवसीय विश्व कप के लिए प्रतिबद्धता नहीं जताई है लेकिन वेंगसरकर का मानना है कि उनकी मौजूदगी टीम के लिए अच्छी ही होगी। वेंगसरकर ने पीटीआई से कहा, 'मैं कोई ज्योतिषी नहीं हूं। 2027 विश्व कप तक अभी बहुत सारे मैच होने हैं। बहुत कुछ उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की अनुपस्थिति से लॉर्ड्स को होगा चार मिलियन पाउंड का नुकसान होगा

लंदन : भारत के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई न कर पाने से लॉर्ड्स को जून में इस पांच दिवसीय मैच की मेजबानी करते समय लगभग चार मिलियन पाउंड (लगभग 45 करोड़ रुपये) का नुकसान होने की आशंका है। पिछले दो सत्र में उपविजेता रहने के बाद भारत फाइनल में जगह बनाने से चूक गया। खिताबी मुकाबले में अब ऑस्ट्रेलिया का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। 'द टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, ''भारत के क्वालीफाई करने में विफल रहने के कारण आगामी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए लॉर्ड्स को लगभग चार मिलियन पाउंड कम राजस्व प्राप्त होगा।' इसमें कहा गया, '...भारत की अनुपस्थिति ने मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) द्वारा अपेक्षित वित्तीय लाभ को काफी हद तक कम कर दिया है, जो वैश्विक खेल में भारतीय क्रिकेट के वित्तीय प्रभाव को दर्शाता है।' आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में पिछले साल के अधिकांश समय तालिका में शीर्ष दो में रहने के बाद रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला 0-3 से हारने के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई थी। इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। टीम इन दोनों हार के कारण फाइनल से जगह बनाने से चूक गयी। एमसीसी ने फाइनल में भारत के पहुंचने के अनुमान के साथ मूल रूप से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए टिकट की अधिक कीमत निर्धारित की थीं। जब यह स्पष्ट हो गया कि भारत फाइनल में नहीं पहुंचेगा, तो एमसीसी ने अपनी रणनीति में संशोधन किया और टिकट की कीमत कम कर दीं। रिपोर्ट में कहा गया, 'विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए कीमतों में लचीलापन लाने का निर्णय इस वर्ष लिया गया था। अब टिकटें 40 से 90 पाउंड के बीच बेची जा रही हैं। यह मूल कीमत से लगभग 50 पाउंड सस्ती हैं। इससे राजस्व में कमी आई है।'

आईटी शेयरों में बिकवाली से सेंसेक्स में लगातार चौथे दिन गिरावट, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को मामूली गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स लगातार चौथे कारोबारी सत्र में 73 अंक के नुकसान में रहा। अमेरिका में वृद्धि को लेकर चिंता के बीच आईटी शेयरों में भारी बिकवाली दबाव से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 72.56 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,029.76 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 504.16 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 27.40 अंक यानी 0.12 प्रतिशत फिसलकर 22,470.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 168.35 अंक तक टूट गया था। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, नेस्ले इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, जोमैटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और

भारती एयरटेल प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी ओर, लाभ में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, सन फार्मा, बजाज फिनसर्व और अल्ट्राटेक सीमेंट शामिल हैं। छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.48 प्रतिशत नीचे आया, जबकि मझोली कंपनियों से जुड़े मिडकैप में 0.57 प्रतिशत की गिरावट आई। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'वैश्विक व्यापार को लेकर लगातार अनिश्चितताएं और अमेरिका में मंदी की आशंका घरेलू बाजार को प्रभावित कर रहा है। मूल्यांकन के पांच साल के औसत पर स्थिर होने और शहरी तथा ग्रामीण मांग में सुधार के संकेतों के बावजूद, निवेशकों की जोखिम उठाने की क्षमता कम बनी हुई है।' नायर के अनुसार, मुख्य चिंता इस बात को लेकर है कि अमेरिकी बाजार में जो गिरावट है, क्या उसका असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिकी बाजार कमजोर आर्थिक आंकड़े दबाव में है और शुल्क नीति को लेकर अनिश्चितता है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी में आने को लेकर बढ़ती चिंता के बीच आईटी शेयरों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। बीएसई में 2,491 शेयर नुकसान में जबकि 1,494 लाभ में रहे। 137 शेयर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1,40,922.64 करोड़ रुपये घटकर 3,92,84,618.08 करोड़ रुपये (4,500 अरब डॉलर) पर आ गया। एशिया के अन्य बाजारों में जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और हांगकांग में मिला-जुला रुख रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नुकसान में रहे थे।

एयरटेल के बाद जियो ने स्टारलिंक सेवाएं देने के लिए एलन मस्क की 'स्पेसएक्स' से हाथ मिलाया

नयी दिल्ली : रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने भारत में अपने ग्राहकों को स्टारलिंक की ब्रॉडबैंड इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क की स्पेसएक्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह समझौता स्पेसएक्स को भारत में स्टारलिंक की उपग्रह संचार-आधारित सेवाओं को बेचने के लिए मंजूरी हासिल करने के अधीन है। इससे एक दिन पहले ही जियो की प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेल ने स्पेसएक्स के साथ इसी तरह के समझौते पर हस्ताक्षर किया है। रिलायंस जियो के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मैथ्यू ओमन ने कहा, स्टारलिंक को भारत में लाने के लिए स्पेसएक्स के साथ हमारा सहयोग हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और यह सभी के लिए निर्बाध ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। ओमन ने कहा, स्टारलिंक को जियो के ब्रॉडबैंड इकोसिस्टम में शामिल करके हम अपनी पहुंच का विस्तार कर रहे हैं और इस एआई (कृत्रिम मेधा)-संचालित युग में उच्च गति वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं की विश्वसनीयता और पहुंच को बढ़ा रहे हैं जिससे देश भर में समुदायों और व्यवसायों को सशक्त बनाया जा रहा है।

अमेरिका में इस्पात और एल्युमीनियम के आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लागू

वाशिंगटन : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को आधिकारिक तौर पर सभी इस्पात और एल्युमीनियम आयात पर शुल्क बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया। उन्होंने ऐसे समय में वादा किया कि करों से अमेरिकी कारखानों में नौकरियों के सृजन में मदद मिलेगी, जब उनके उतार-चढ़ाव भरे शुल्क खतरों ने शेयर बाजार को हिलाकर रख दिया है और आर्थिक मंदी की आशंकाएं बढ़ा दी हैं। ट्रंप ने धातुओं पर अपने 2018 के शुल्क से सभी छूटों को हटा दिया और एल्युमीनियम पर शुल्क को 10 प्रतिशत से बढ़ा दिया। फरवरी में दिए निर्देश पर आधारित उनके कदम वैश्विक वाणिज्य को बाधित करने और बदलने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कनाडा, मेक्सिको और चीन पर अलग-अलग शुल्क लगाए हैं, साथ ही दो अप्रैल से यूरोपीय संघ, ब्राजील और दक्षिण कोरिया से आयात पर भी 'जवाबी' दरों पर कर लगाने की योजना बनाई है। ट्रंप ने मंगलवार को कारोबारी गोलमेज सम्मेलन में विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) से कहा कि शुल्क के कारण कंपनियां अमेरिकी कारखानों में निवेश कर रही हैं। वृद्धि में गिरावट की आशंका के कारण पिछले महीने एसएंडपी 500 शेयर सूचकांक में आठ प्रतिशत की गिरावट से उनका मनोबल गिरने की संभावना नहीं है, क्योंकि ट्रंप ने तर्क दिया कि कारखानों को वापस लाने में उच्च शुल्क दरें अधिक प्रभावी होंगी।

न्यूज अपडेट

ट्रंप के शुल्क के जवाब में कनाडा लगाएगा 20 अरब डॉलर का शुल्क

टोरंटो: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस्पात और एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क के जवाब में कनाडा 20.7 अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर जवाबी शुल्क लगाएगा। कनाडा के वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कनाडा, अमेरिका को इस्पात और एल्युमीनियम का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। यूरोपीय संघ ने भी बुधवार को अमेरिका के इस्पात और एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क के जवाब में औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर नये शुल्क लगाने की घोषणा की।

सूर्यगढ़ की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में विकसित होंगे तीन हेरिटेज होटल

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर इमारतों को नया स्वरूप देने के साथ ही उसके पुराने वैभव को लौटाने के प्रयासों के तहत राजधानी लखनऊ में स्थित रोशन-उद-दौला, छतर मंजिल और मिर्जापुर जिले में चुनार किले के विकास के लिए बुधवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये गये। यह एमओयू पर्यटन विभाग और गोल्डन ट्रायंगल फोर्ट एंड पैलेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुआ है। लखनऊ में स्थित रोशन-उद-दौला, छतर मंजिल और मिर्जापुर जिले में चुनार किले को सूर्यगढ़ जैसलमेर की तर्ज पर हेरिटेज होटल की रूप में विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीनों ऐतिहासिक इमारतों को गोल्डन ट्रायंगल, राजस्थान को निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी) के तहत पर विकसित करने के लिए दिया गया है। उन्होंने बताया कि जैसलमेर में सूर्यागढ़, बीकानेर में नरेंद्र भवन और बिनसर में मैरी बुडेन एस्टेट का संचालन करने वाली गोल्डन ट्रायंगल फोर्ट एंड पैलेस की आतिथ्य इकाई ब्रांड सूर्यागढ़ कलेक्शन अब इन विरासत स्थलों की रूपरेखा तैयार करने, विकसित करने और प्रबंधन का कार्य करेगी। सिंह ने बताया कि खास बात यह कि इन ऐतिहासिक इमारतों को उसके पुराने स्वरूप में रखते हुए विकास किया जाएगा। पुनरुद्धार का तरीका इतिहास और लोककथाओं के शोध से निकलेगा, जिस पर कल्पना की परत जोड़ी जाएगी।

झारखंड सरकार ने खनन किये गये खनिजों पर उपकर चार गुना तक बढ़ाया

रांची : झारखंड सरकार ने बुधवार को राज्य के राजस्व को बढ़ाने के लिए खनन किये जाने वाले खनिजों पर उपकर को चार गुना तक बढ़ाने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मंत्रिमंडलीय सचिव वंदना दादेल ने कहा, 'कोयले पर प्रति टन प्रेषण के लिए उपकर मौजूदा 100 रुपये से बढ़ाकर 250 रुपये कर दिया गया है, जबकि लौह अयस्क पर इसे मौजूदा 100 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये कर दिया गया है।' बाकी खनिजों में, बॉक्साइट (गैर-धातुकर्म ग्रेड) पर उपकर 70 रुपये से बढ़ाकर 116 रुपये कर दिया गया। मंत्रिमंडल ने 31 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिसमें मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद राज्य में तीन साल की सेवा की आवश्यकता वाले नियम में बदलाव शामिल है। तीन साल तक सेवा न करने पर छात्रों को 30 लाख रुपये और छात्रवृत्ति या भत्ते वापस करने की आवश्यकता वाले नियम में बदलाव किया गया है। मंत्रिमंडल ने दो प्राकृतिक घटनाओं के कारण होने वाले जान-माल के संभावित नुकसान के मद्देनजर विशेष स्थानीय आपदा श्रेणी के तहत तूफान और लू (हीटवेव) को आपदा घोषित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी में घटकर 3.61 प्रतिशत पर, सात माह का निचला स्तर

नयी दिल्ली : सब्जियों, अंडे एवं अन्य प्रोटीन-युक्त उत्पादों की कीमतों में नरमी आने से फरवरी महीने में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर सात महीने के निचले स्तर 3.61 प्रतिशत पर आ गई। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी माह में 4.26 प्रतिशत और फरवरी, 2024 में 5.09 प्रतिशत रही थी। खुदरा मुद्रास्फीति का पिछला निचला स्तर जुलाई, 2024 में देखा गया था। नवंबर, 2024 से ही उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सुविधाजनक दायरे में बना हुआ है। इससे आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगले महीने होने वाली द्विमासिक बैठक में नीतिगत ब्याज दर में एक और कटौती की गुंजाइश बनती हुई दिख रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी करते हुए कहा, ''जनवरी की तुलना में फरवरी, 2025 की मुख्य मुद्रास्फीति में 65 आधार अंक की कमी आई है। जुलाई, 2024 के बाद यह सालाना आधार पर सबसे कम मुद्रास्फीति है।'' इन आंकड़ों से पता चलता है कि फरवरी महीने में सालाना आधार पर खाद्य मुद्रास्फीति 3.75 प्रतिशत रही। एनएसओ ने कहा, 'जनवरी के मुकाबले फरवरी में खाद्य मुद्रास्फीति में 2.22 प्रतिशत की बड़ी गिरावट देखी गई है। फरवरी की खाद्य मुद्रास्फीति मई, 2023 के बाद सबसे कम है।' फरवरी के दौरान मुख्य मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से सब्जियों, अंडे, मांस और मछली, दालों और उत्पादों, और दूध और उत्पादों की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण हुई है। फरवरी में सालाना आधार पर सबसे कम मुद्रास्फीति

वाली प्रमुख वस्तुएं अदरक (-35.81 प्रतिशत), जीरा (-28.77 प्रतिशत), टमाटर (-28.51 प्रतिशत), फूलगोभी (-21.19 प्रतिशत), लहसुन (-20.32 प्रतिशत) थीं। दूसरी तरफ, सबसे अधिक मुद्रास्फीति वाली वस्तुएं नारियल तेल (54.48 प्रतिशत), नारियल (41.61 प्रतिशत), सोना (35.56 प्रतिशत), चांदी (30.89 प्रतिशत) और प्याज (30.42 प्रतिशत) थीं। शहरी मुद्रास्फीति फरवरी में घटकर 3.32 प्रतिशत रही जबकि जनवरी में यह 3.87 प्रतिशत थी। खाद्य मुद्रास्फीति में भी इसी तरह की गिरावट देखी गई, जो जनवरी के 5.53 प्रतिशत से घटकर 3.20 प्रतिशत रह गई। ग्रामीण क्षेत्र में भी मुख्य और खाद्य मुद्रास्फीति में फरवरी में भारी गिरावट देखी गई जो एक महीने पहले के 4.59 प्रतिशत से घटकर 3.79 प्रतिशत रह गई। सबसे कम मुद्रास्फीति तेलंगाना (1.31 प्रतिशत) और सबसे अधिक केरल (7.31 प्रतिशत) में रही।

वर्ष 9, पूर्णांक 4175 अंक 325, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in